हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com
बिलासपुर, मंगलवार 24 फरवरी 2026

विधानसभा में वित्तमंत्री ने पेश किया आर्थिक सर्वेक्षण, 6.31 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ा छत्तीसगढ़

आर्थिक सर्वेक्षण में फीलगुड...छग में प्रति व्यक्ति कमाई में दस फीसदी का इजाफा

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने सदन में आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया। आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत करते हुए राज्य की अर्थव्यवस्था को लेकर सकारात्मक तस्वीर पेश की गई। वर्ष 2025-26 में राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में 11.57 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान जताया गया है। साय सरकार ने जीएसडीपी को 6.31 लाख करोड़ तक पहुंचने की संभावना जताई है। छत्तीसगढ़ की वृद्धि दर 8.11 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वहीं प्रति व्यक्ति आय पिछले साल के मुकाबले 17 हजार बढ़कर 1,79,244 रुपए हो गई है।

बजट आज पेश होगा, आकार बढ़ सकता है 9 प्रतिशत तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2025-26 में छत्तीसगढ़ का जीएसडीपी 6.31 लाख करोड़ तक पहुंच सकता है। वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने इसे राज्य की विकास योजनाओं, अधोसंरचना

विस्तार और निवेश बढ़ोतरी का परिणाम बताया है। वित्त मंत्री ने कहा, पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 10.50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी, जो राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन को दर्शाती है। धान खरीदी, कृषि आधारित उद्योगों के विस्तार और सेवा क्षेत्र में बढ़ते निवेश का सकारात्मक असर प्रदेश में देखने को मिला। आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक 2025-26 में राज्य की प्रति व्यक्ति आय 1,79,244 रुपए होने का अनुमान है। यह वर्ष 2024-25 की तुलना में 10.07 प्रतिशत अधिक है। सरकार ▶▶|शेष पेज 6 पर

हर परिवार सशक्त छत्तीसगढ़ का हिस्सा बनेः साय

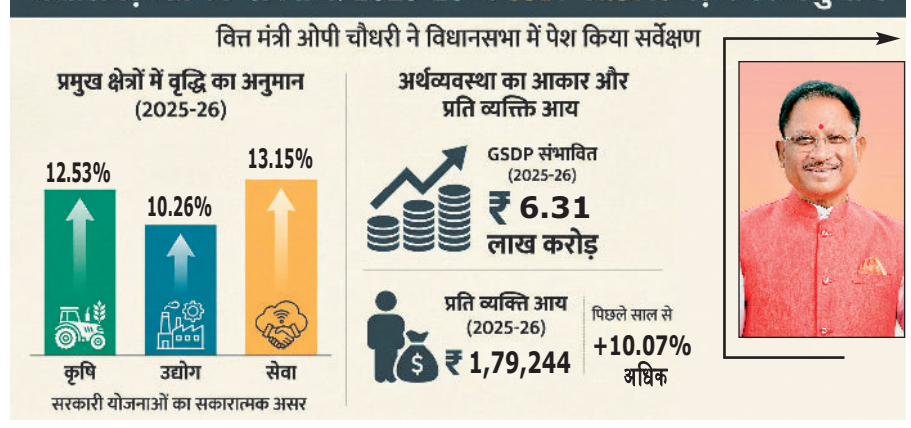

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा, छत्तीसगढ़ आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 हमारे राज्य की मजबूत और संतुलित अर्थव्यवस्था का प्रमाण है। समृद्ध किसान, मजबूत उद्योग और विस्तृत सेवा क्षेत्र यही विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव है। कृषि क्षेत्र में मजबूत विकास दर दर्ज हुई है, जो किसानों की मेहनत और हमारी किसान-हितैषी नीतियों ▶▶| शेष पेज 6 पर

विधायक लखमा पहुंचे विधानसभा, सदन में भाजपा नेताओं से मिले गले

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र का पहले दिन चर्चा का केंद्र रहा। वह था, पूर्व मंत्री कवासी लखमा का सदन में लौटना। कथित शराब घोटाले से जुड़े मामले में करीब एक साल तक जेल की सलाखों के पीछे रहने के बाद लखमा सोमवार को पहली बार विधानसभा की कार्यवाही में शामिल हुए। सत्र के दौरान यह देखने को मिला, जब कवासी लखमा दलगत राजनीति को किनारे रखकर भाजपा नेताओं से मिलने पहुंचे। सदन की औपचारिक कार्यवाही के बीच लखमा सबसे पहले मंत्री रामविचार नेताम के पास गए और उनसे गले मिले। इसके बाद उन्होंने भाजपा के दिग्गज विधायक अजय चंद्राकर से भी गर्मजोशी ▶▶| शेष पेज 6 पर

खाड़ी में सक्रिय लो प्रेशर एरिया

बलरामपुर में ओलावृष्टि रायपुर-बिलासपुर में हल्की बारिश, पारा 6 डिग्री गिरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

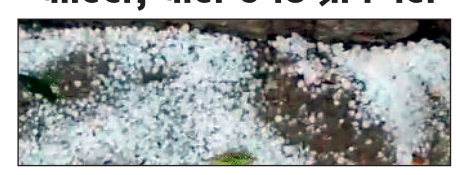

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय निम्नदाब के असर से लंबे समय बाद प्रदेश के मौसम में बदलाव हुआ है। छाए बादल और ठंडी हवा से दिन के तापमान में 6 डिग्री तक गिरावट दर्ज की गई। रायपुर, बिलासपुर समेत कई इलाकों में हल्की बारिश हुई और बलरामपुर के वाड्रफनगर में काफी देर तक ओलावृष्टि हुई। सिस्टम के चौबीस घंटे में कमजोर पड़ने के बाद भी मध्य और दक्षिण में हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

हरिभूमि सरोकार

35 का तापमान 28 डिग्री से नीचे आया

रविवार को रायपुर का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के करीब दर्ज किया गया था। मौसम में हुए बदलाव के बाद राजधानी रायपुर का अधिकतम तापमान 28 डिग्री तक नहीं पहुंच पाया और पारा 27.7 पर सिमटकर रह गया। दिन के तापमान में चौबीस घंटे के भीतर इतनी गिरावट इस सीजन में पहली बार हुआ है। रायपुर के अलावा अन्य जिलों का पारा भी दो से चार डिग्री कम दर्ज किया गया है।

एयर एंबुलेंस क्रैश, मरीज समेत सात थे सवार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रांची

रांची से सात लोगों को दिल्ली ले जा रही एक एयर एंबुलेंस सोमवार को झारखंड के ही चतरा जिले के सिमरिया के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटना में मरीज समेत सात लोगों की मौत की खबर है, लेकिन देर रात तक पुष्टि नहीं हो पाई। रांची हवाई अड्डे के निदेशक विनोद ▶▶|शेष पेज 6 पर

रांची से दिल्ली जा रहा था एंबुलेंस

विमान में ये थे सवार

रेड बर्ड एविएशन कंपनी की एयर एंबुलेंस में सवार कैप्टन विवेक विकास भगत (पायलट), कैप्टन सबराजदीप सिंह (पायलट), संजय कुमार (मरीज), अर्चना देवी (परिजन), धूरू कुमार (परिजन), विकास कुमार गुप्ता (डॉक्टर), सचिन कुमार मिश्रा (पारामेडिकल स्टाफ) थे।

10 करोड़ का गांजा बरामद, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर 10 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य का गांजा बरामद किए जाने के बाद तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। सीमा शुल्क विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी। यहां एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि 19 फरवरी को 10.724 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। मौके पर की गई जांच के आधार पर बैंकॉक से आने वाले दो भारतीय यात्रियों को टी-3 में 'ग्रीन चैनल' पर रोका गया और उन्हें 'एक्स-रे' 'स्क्रीनिंग' करने तथा उनके सामान की विस्तृत जांच करने के लिए भेजा गया। एक काले रंग के ट्रॉली बैग की जांच के दौरान ''हरे रंग के मादक पदार्थ से भरी 10 थैलियां बरामद की गईं, जिस पर गांजा होने का संदेह है।

पूर्व रेल मंत्री मुकुल रॉय का लंबी बीमारी के बाद निधन

कोलकाता। पूर्व रेल मंत्री मुकुल रॉय का दिल का दौरा पड़ने से रएक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 71 वर्ष के थे। उनके बेटे सुभ्रांशु रॉय ने बताया कि मुकुल रॉय ने एक निजी अस्पताल में देर रात डेढ़ बजे अंतिम सांस ली। उन्होंने यह भी बताया कि वह पिछले कई दिनों से कोमा में थे। रॉय 1998 में तृणमूल कांग्रेस के गठन के समय उसके संस्थापक सदस्यों में से एक थे। पार्टी से मतभेद होने के बाद वह 2017 में भाजपा में शामिल हो गए थे। रॉय 2021 के पश्चिम बंगाल विस चुनावों में भाजपा के टिकट पर कृष्णानगर उत्तर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक बने, लेकिन चुनाव के बाद तृणमूल में वापस लौट आए।

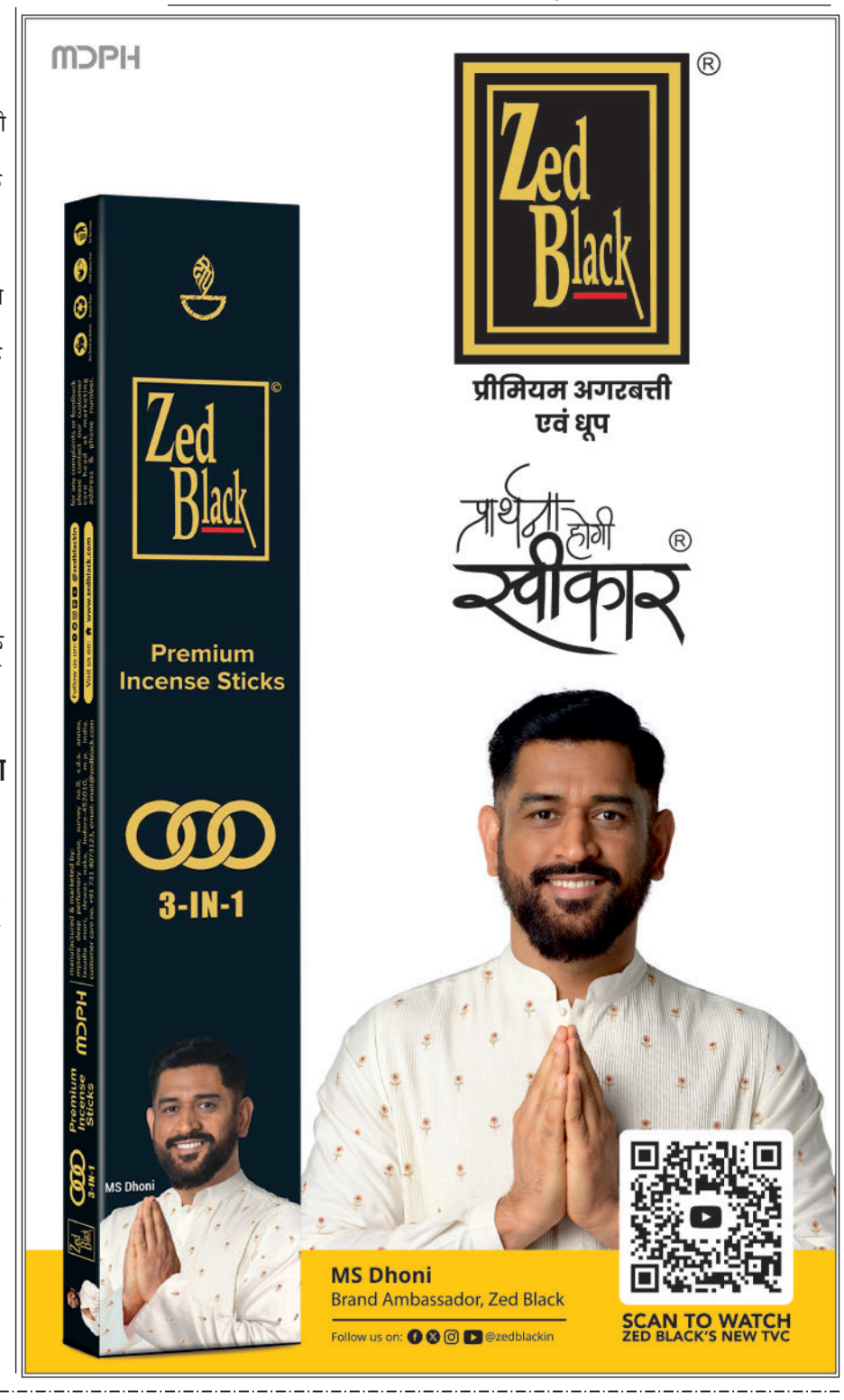

मधुमक्खियों के हमले से किसान की मौत, पत्नी-बेटा घायल

बेमेतरा जिले के ग्राम छेरकापुर में सोमवार दोपहर को मधुमक्खियों के हमले से किसान की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और बेटा घायल हो गए। अचानक हुई इस घटना ने पूरे गांव को झकझोर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों के विलाप से माहौल गमगीन हो उठा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवागढ़

बाज ने छत्ता छेड़ा, खेत में काम कर रहे परिवार पर टूटा झुंड, जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में तोड़ा दम

जानकारी के अनुसार, तहसील मुख्यालय से महज 2 किमी दूर छेरकापुर निवासी किसान श्रीराम यादव (55), पिता नन्हू यादव अपनी पत्नी अहिल्या यादव (50) और बेटे राजकुमार यादव (35) के साथ गांव के पास खेत में सोमवार को राहर पीटने गए थे। दोपहर करीब 1.40 बजे पास के पेड़ पर लगे मधुमक्खी के छत्ते को एक बाज ने छेड़ दिया। इससे मधुमक्खियां आक्रामक हो गईं और खेत में काम कर रहे तीनों पर हमला कर दिया।

जान बचाने अलग-अलग दिशा में भागे किसान को मधुमक्खियों ने घेरा

अचानक हुए हमले से घबराकर तीनों जान बचाने के लिए अलग-अलग दिशा में भागे। बेटा राजकुमार गांव की ओर भागा, पत्नी अहिल्या पास के बोर घर में जाकर छिप गई, जबकि किसान श्रीराम गेहूं के खेत की ओर भागे, लेकिन मधुमक्खियों ने उन्हें बुरी तरह घेर लिया। कुछ देर बाद जब राजकुमार ग्रामीणों को लेकर खेत पहुंचा, तो पिता को मूर्छित अवस्था में पड़ा देखा। उनके शरीर पर मधुमक्खियों के कई डंक लगे हुए थे। ग्रामीणों की मदद से तीनों को तत्काल नवागढ़ के शासकीय अस्पताल पहुंचाया गया।

जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में किसान मौत : अस्पताल में हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने श्रीराम को जिला अस्पताल रेफर किया, लेकिन नवागढ़ से निकलते ही रास्ते में उन्होंने दम तोड़ दिया। पत्नी अहिल्या और बेटा राजकुमार का उपचार नवागढ़ अस्पताल में जारी है। चिकित्सकों के अनुसार दोनों की स्थिति फिलहाल स्थिर है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

परिजनों का विलाप गांव में पसरा मातम

शव गांव पहुंचते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। पत्नी अहिल्या बार-बार बेहोश हो रही थीं और परिजन उन्हें संभालते नजर आए। बेटे राजकुमार की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। परिजनों का कहना था कि सुबह तक सब कुछ सामान्य था, लेकिन दोपहर में अचानक हुए इस हादसे ने परिवार का सहारा छीन लिया। गांव के लोग भी बड़ी संख्या में मृतक के घर पहुंचे और शोक संवेदना व्यक्त की। पूरे गांव में शोक और दहशत का माहौल बना हुआ है।

दो घायलों का इलाज जारी: बीएमओ

नवागढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी बीएमओ डॉ. विकास पांडेय ने बताया कि मधुमक्खियों के हमले से किसान के शरीर में कई स्थानों पर डंक लगे थे, जिससे उनकी स्थिति गंभीर हो गई थी। प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में उनकी मृत्यु हो गई। अन्य दो घायलों का उपचार जारी है।

खबर संक्षेप

आईईडी के चपेट में आने से जवान घायल

बीजापुर। जिले के दक्षिण क्षेत्र में रविवार को सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम एरिया डॉमिनेशन अभियान पर निकली हुई थी। अभियान के दौरान माओवादियों द्वारा पूर्व में लगाए गए प्रेशर आईईडी में अचानक विस्फोट हो गया। विस्फोट की चपेट में आकर एसटीएफ विशेष कार्य बल का एक जवान घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद अन्य जवानों द्वारा घायल को प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया तथा बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया गया। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने आसपास के क्षेत्र में सघन सर्चिंग अभियान तेज कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार क्षेत्र में माओवादी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अभियान निरंतर जारी रहेगा।

स्टील उद्योग को लग सकता है लोड फैक्टर कम होने का झटका

रायपुर। बिजली के नए टैरिफ के साथ ही प्रदेशभर के स्टील उद्योगों

को लोड फैक्टर के कम होने का तगड़ा झटका लग सकता है। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने 2026-27 के नए टैरिफ के लिए जो याचिका लगाई है, उसमें लोड फैक्टर को फिर से 25 फीसदी से कम करके 10 फीसदी करने की मांग रखी है। ऐसा होने से स्टील उद्योग को टैरिफ में मिलने वाली छूट कम हो जाएगी। अभी छूट के कारण स्टील उद्योगों को घरेलू से भी कम दरों पर बिजली मिल जाती है। उद्योग को मिल रही सस्ती बिजली का जनसुनवाई में कांग्रेस के साथ ही छत्तीसगढ़ विद्युत सेवानिवृत्त कर्मचारी अधिकारी महासंघ ने भी विरोध किया है। ऐसे में आयोग लोड फैक्टर कम कर सकता है। प्रदेश के स्टील उद्योग को लोड फैक्टर में पिछली सरकार में बड़ी राहत देते हुए उसकी बिजली को बहुत ज्यादा सस्ता कर दिया गया था। ऐसा होने से स्टील उद्योग को घरेलू से भी सस्ती बिजली मिल रही थी। इस सस्ती बिजली के खिलाफ पुराने अफसरों ने मोर्चा खोला था, लेकिन आयोग में जाने के बाद भी आयोग ने इनकी बात नहीं मानी थी। इसके बाद जब प्रदेश में एक बार फिर से भाजपा की सरकार बनी तो 2024-25 के टैरिफ के समय स्टील उद्योग का लोड फैक्टर कम करके 25 से 10 फीसदी कर दिया गया।

राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किया आदेश

अवैध कॉलोनी बनाई तो सीधे एफआईआर, सात साल की जेल और जमीन बेचकर होगी वसूली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

एक्ट के प्रावधानों का हवाला देते हुए कार्रवाई करने कहा

छत्तीसगढ़ में अवैध कॉलोनी बनाने वाले बिल्डरों की अब खैर नहीं। इस तरह के मामले की शिकायत आने पर अब सीधे एफआईआर की जाएगी और दोषी पाए जाने पर सात साल तक की सजा हो सकती है। यही नहीं, जुर्माना भी लगेगा, अवैध रूप से बनी संपत्ति बेचकर राशि वसूल की जाएगी।

इस संबंध में राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्य के सभी नगर निगम आयुक्त, सभी पालिकाओं और नगर पंचायतों के सीएमओ को आदेश जारी किया है। इसके साथ ही निकायों को नगर नगर पालिका अधिनियम 1956 की धारा 292 (सी) अंतर्गत दर्ज कराये जाने वाले प्रकरणों के संबंध में सामान्य निर्देश और नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 339(सी) के तहत दर्ज कराए जाने वाले सामान्य निर्देश से भी अवगत कराया है। इसके साथ ही समस्त आयुक्तों को कड़े निर्देश जारी किए गए हैं कि वे अवैध व्यपवर्तन (डायवर्सन) और अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कराएं।

खास खबर

अब सीधे होगी एफआईआर

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि धारा 396 के तहत कानूनी कार्यवाही को गति दी जाएगी। अब तक कानूनी पेचीदगियों के कारण मामले लटके रहते थे, लेकिन अब आयुक्त या अधिकृत अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित शिकायत प्राप्त होते ही न्यायालय मामले पर सुनवाई करेगा। नगर निगम के किसी भी प्राधिकृत पदाधिकारी या संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी को विशेष रूप से शिकायत दर्ज करने के लिए सशक्त किया गया है। इस कानून की सबसे खास बात यह है कि यह केवल जमीन के मालिक या बिल्डर तक सीमित नहीं है। यदि कोई व्यक्ति अवैध कॉलोनी निर्माण में दुष्प्रेरण (मदद या उकसावा) करता है, तो वह भी समान रूप से सजा और जुर्माने का भागीदार होगा।

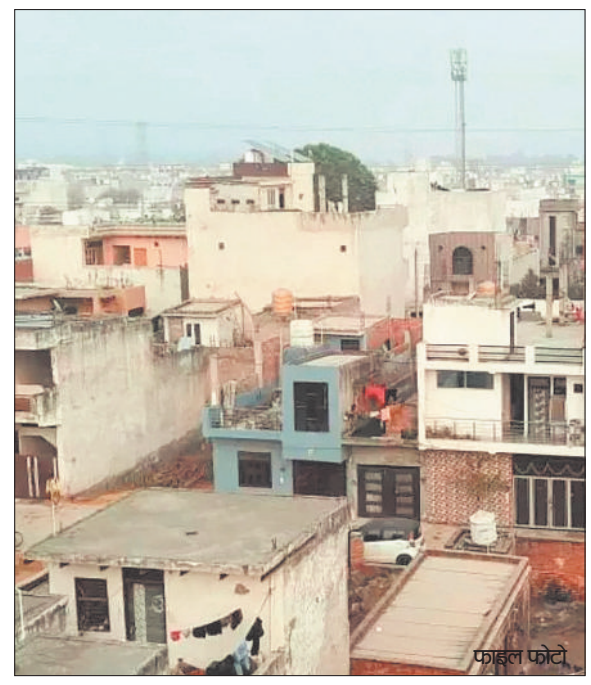

फाइल फोटो

अवैध कॉलोनी बनाना अपराध, 7 साल सजा का प्रावधान

अधिनियम की धारा 292 (सी) के तहत अब अवैध कॉलोनी निर्माण को एक गंभीर अपराध की श्रेणी में रखा गया है। इसके मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं। सजा की अवधि: दोषी पाए जाने पर अपराधी को कम से कम 3 वर्ष और अधिकतम 7 वर्ष के कठोर कारावास की सजा भुगतनी होगी। जेल के साथ-साथ कम से कम 1 लाख रुपये का न्यूनतम जुर्माना भी लगाया जाएगा। केवल जेल और जुर्माना ही काफी नहीं होगा। न्यायालय अभियुक्त को यह आदेश भी दे सकेगा कि वह नगर निगम को उस प्रतिकर (कंपनसेशन) राशि का भुगतान करे, जो उस अवैध कॉलोनी में सड़क, नाली और बिजली जैसे विकास कार्यों के लिए आवश्यक होगी।

संपत्ति बेचकर होगी वसूली

राज्य की सभी नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत को दिए गए निर्देश में सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा है कि अवैध रूप से बनाई गई कॉलोनी को बेचकर भी वसूली की जा सकती है। कहा गया है कि इस अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए किसी नियम या उपविधि के अधीन, उसमें अन्यथा उपबंधित के सिवाय, कोई भी अभियोजन किसी भी मजिस्ट्रेट के समक्ष संस्थित किया जा सकेगा, और इस अधिनियम के या उसके अधीन बनाए गए किसी नियम या उपविधि के अधीन या उसके आधार पर अधिरोपित कोई भी जुर्माना या शास्ति, और किसी भी ऐसे प्रतिकर, व्यय, प्रभार या नुकसानी को जिसकी वसूली के लिए इस अधिनियम में अन्यथा कोई विशेष उपबंध नहीं किया गया है, किसी भी मजिस्ट्रेट को आवेदन करके उसकी अधिकारिता की सीमाओं के भीतर किसी भी ऐसी जंगम संपत्ति बेचकर वसूल किया जा सकेगा जो ऐसे व्यक्ति की है, जिससे धन का दावा किया जाने योग्य है।

शादी दावत के बाद पसरा मातम दो गांवों के 40 से ज्यादा लोग फूड पॉइजनिंग के शिकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

जिले की दो अलग-अलग पंचायतों में शादी और भोज का कार्यक्रम उस वक्त त्रासदी में बदल गया, जब दावत खाकर लौटे दर्जनों ग्रामीण एक साथ बीमार पड़ गए। फूड पॉइजनिंग का असर इतना भयावह है कि सोमवार सुबह होते ही गांवों में एम्बुलेंस के सायरन गूंजने लगे। अब तक 44 से अधिक ग्रामीणों के प्रभावित होने की पुष्टि हुई है, जिनका इलाज जारी है।

- स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची गांव, अन्य लोगों की भी जांच जारी

जानकारी के मुताबिक ग्राम पंचायत आमदी द के आश्रित ग्राम मोहलाई के ग्रामीण कुटेना में आयोजित एक शादी समारोह के चौथिया कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वहीं ग्राम पंचायत दर्रीपारा के बोइरगांव के ग्रामीण धवलपुर में आयोजित एक अन्य भोज कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे थे। कल रात तक सब कुछ सामान्य था ग्रामीण हंसी खुशी दावत का आनंद लेकर अपने घर लौटे थे। सोमवार सुबह जैसे ही सूरज की पहली किरण पड़ी ग्रामीणों की तबीयत बिगड़नी शुरू हो गई देखते ही देखते उल्टी दस्त और तेज पेट दर्द ने विकराल रूप ले लिया। इसके बाद अस्पताल में सूचना दी गई। मरीजों की संख्या बढ़ने पर एंबुलेंस गांव आने लगी। मोहलाई आमदी पंचायत यहां के 17 ग्रामीण गंभीर रूप से बीमार हैं बोइरगांव दर्रीपारा पंचायत यहाँ स्थिति और भी चिंताजनक है जहां 27 ग्रामीणों की हालत बिगड़ी है वर्तमान में उपस्वास्थ्य केंद्र कोसमी में मरीजों का इलाज जारी है अस्पताल में मरीजों का इलाज जारी है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें मौके पर तैनात हैं।

स्थिति नियंत्रण में : सीएमओ

सीएमओ वीएस नवरत्न ने बताया कि मामले की सूचना के बाद डॉक्टरों के साथ स्वास्थ्य कर्मियों का दल कोसमी सेक्टर में ड्यूटी पर लगाया गया है। पीड़ितों का उपचार किया जा रहा है। अब तक 40 से ज्यादा लोगों का उपचार किया गया है। स्थिति नियंत्रण में है।

सरपंचों ने संभाला मोर्चा, घर- घर जांच

इस विपदा की घड़ी में स्थानीय जनप्रतिनिधि ढाल बनकर खड़े हो गए हैं आमदी पंचायत के सरपंच आत्माराम नेताम और दर्रीपारा के सरपंच राजकुमार सोरी खुद मौके पर मौजूद हैं वे न केवल मरीजों की देखरेख कर रहे हैं बल्कि स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय बनाकर बेहतर इलाज सुनिश्चित कर रहे हैं। प्रशासनिक हलकों में भी इस घटना के बाद हड़कंप मच गया है स्वास्थ्य विभाग की मोबाइल टीमें प्रभावित गांवों मोहलाई और बोइरगांव में घर घर जाकर सर्वे कर रही हैं ताकि दबे हुए लक्षणों वाले मरीजों को तुरंत उपचार दिया जा सके।

ओवरटेक करने के प्रयास में आरक्षक की गई जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद

वारंट लेकर जा रहे कांस्टेबल की बस की चपेट में आने से मौत हो गई। ट्रक और बस के बीच से बाइक सवार कॉन्स्टेबल आगे निकल रहा था। तभी बस से टकराकर नीचे गिर गया। बस का पहिया उनके ऊपर से गुजर गया। बस से कुचलने से आरक्षक को गंभीर चोटें आईं। आसपास के लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार बालोद थाना में पदस्थ ठनेश कुमार 35 वर्ष थाने से समन वारंट लेकर बाइक के माध्यम से जा रहा था। इसी दौरान ग्राम सिवनी के मुख्य मार्ग पर आगे निकलने के दौरान बाइक बस से टकरा गई और आरक्षक चक्के के नीचे आ गया। जिससे उसे गंभीर चोटें आईं, लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

पिता बालोद कलेक्टोरेट में हैं प्यून

ठनेश परिवार सहित झलमला स्थित पुलिस कॉलोनी में रहते थे। उनका एक बेटा और एक बेटी है। हादसे के समय दोनों बच्चे स्कूल गए थे। उनके पिता नरोत्तम सिंह बालोद कलेक्टर कार्यालय में प्यून के पद पर पदस्थ हैं।

2012 में हुई थी नियुक्ति

मृतक ठनेश कुमार मूल रूप से डौंडीलोहारा ब्लॉक के ग्राम सहगांव का रहने वाले थे। साल 2012 में उनकी नियुक्ति जिला पुलिस बल में हुई थी। 3 मार्च 2024 को उनका स्थानांतरण बालोद थाने में हुआ था।

बस चालक हिरासत में

बालोद टीआई शिशुपाल सिन्हा ने बताया कि, ड्यूटी के दौरान यह हादसा हुआ। बस ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। वही हादसा सीसीटीव्ही कैमरा में कैद हुई है। हादसे के बाद बस के यात्रियों को उतारकर दूसरे बस के माध्यम से उन्हे भेजा गया, वही बस चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शव का पीएम कर परिजनों को सौंप दिया गया।

डॉ. लोकेश शरण की पुस्तक "भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की क्रांतिकारी धाराएं" का विमोचन

वंदे मातरम से बड़ी तोप अंग्रेजों के पास नहीं थी: डॉ. सक्सेना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

श्लोक ध्वनि फाउंडेशन एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद के संयुक्त तत्वाधान में डॉ. लोकेश शरण की नवीन कृति "भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की क्रांतिकारी धाराएं" का विमोचन समारोह वृंदावन हॉल, सिविल लाइन मे संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक रूप से "वंदे मातरम" गीत के गान से किया गया।

- क्रांतिकारी इतिहास की प्रमाणिकता पर हुआ सार्थक विमर्श

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ लोकेश शरण ने कहा कि बचपन से ही उन्हें क्रांतिकारियों की कहानियों से गहरा जुड़ाव रहा और शिक्षकों से मिली प्रेरणा ने इस दिशा में उन्हें आगे बढ़ाया। उन्होंने बताया कि क्रांतिकारियों के इतिहास को सही ढंग से प्रस्तुत नहीं किया गया है। पत्रकार के रूप में लेखन अभ्यास ने उनके शोध को धार दी और उनके पुत्र ने इस पुस्तक लेखन के लिए प्रेरित किया।डॉ वंश गोपाल,शशांक शर्मा, डॉ ए डी एन वाजपेयी ने पुस्तक एवं लेखक पर अपने विचार व्यक्त किए।

मुख्य अतिथि डॉ सक्सेना ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम देश को जोड़ने वाली शक्ति है और उसके सत्य एवं प्रमाणिक इतिहास से राष्ट्रीय अस्मिता का संचार होता है। उन्होंने कहा कि क्रांतिकारियों के आंदोलन की विशेषता हमारी मिट्टी में निहित है, जहाँ अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों ने अपने स्तर पर स्वतंत्रता संग्राम को आगे बढ़ाया। "वंदे मातरम" को उन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध सबसे बड़ी प्रेरक शक्ति बताते हुए कहा कि साधक द्वारा किया गया क्षणिक कार्य भी युगों तक प्रभाव छोड़ता है। हमें क्रांतिकारियों के बलिदान को अपने जीवन का अंग बनाना चाहिए।प्रश्न-उत्तर सत्र में डॉ. लोकेश शरण ने बताया कि उन्होंने छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक शोध कार्य किया तथा उपस्थित जनों के प्रश्नों के सारगर्भित उत्तर दिए। इस संवाद सत्र ने शोध प्रक्रिया, स्रोतों की प्रमाणिकता और क्रांतिकारी आंदोलन की विविध धाराओं पर गहन समझ विकसित की।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार डॉ विश्वेश ठाकरे ने किया तथा आभार प्रदर्शन श्लोक ध्वनि फाउंडेशन के संस्थापक सदस्य श्री कुमार ने किया। इस अवसर पर इतिहासकार एवं पुरातत्वविद डॉ रमेंद्र नाथ मिश्र, छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा, महेंद्र साहू, वैभव बेमेतरिहा, शिव प्रसाद मिश्रा, सुमित शर्मा, अनिल तिवारी, प्रभात मिश्रा, नितेश पाटकर एवं भुनेश्वरी जायसवाल सहित अनेक साहित्यप्रेमी गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बिलासपुर
मंगलवार 24 फरवरी 2026
फाल्गुन शुक्ल पक्ष सप्तमी
वर्ष : 25, अंक : 333
पृष्ठ : 10+6+8 =24, मूल्य : 5.00***

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम
अधि. 27.7
न्यून. 20.6

7 द.अफ्रीका से हार के बाद टीम मैनेजमेंट सख्त ...

विचार पेज
2 नग्न प्रदर्शन से साख पर सवाल

आतंकी खतरों का मुकाबला करने के लिए नई तैयारी

आतंकवाद के खिलाफ होगा 'प्रहार' साइबर-ड्रोन हमलों पर तीखी नजर

भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी जंग को अब एक नया नाम और नई धार दे दी है। गृह मंत्रालय ने देश की पहली आतंकवाद-रोधी नीति को जारी किया है, जिसे 'प्रहार' नाम दिया गया है। यह उन अदृश्य खतरों के खिलाफ भारत का अभेद्य किला है, जिसमें अब युद्ध के मैदान केवल सरहदें नहीं, बल्कि आपके मोबाइल स्क्रीन और इंटरनेट का डार्क वेब भी है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारत का नया गेम प्लान : पहली आतंकवाद रोधी नीति को किया जारी

'प्रहार' में कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर आधारित एक बहुस्तरीय रणनीति तय की गई है, जो खुफिया जानकारी के आधार पर चरमपंथी हिंसा की रोकथाम और उसे निष्क्रिय करने पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य आतंकवादियों, उनके वित्तपोषकों और समर्थकों को धन, हथियार और सुरक्षित ठिकानों तक पहुंच से वंचित करना है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी की गई नीति भारत या विदेश से उत्पन्न होने वाले आतंकी खतरों का मुकाबला करने के लिए सात प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। ये सात स्तंभ रोकथाम, प्रतिक्रिया, आंतरिक क्षमताओं का एकीकृत करना , मानवाधिकार और 'कानून के शासन' पर आधारित प्रक्रियाएं, कट्टरता सहित आतंकवाद में सहायता करने वाली परिस्थितियों को दूर करना, आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को संरेखित और आकार देना और समग्र समाज दृष्टिकोण को अपनाना शामिल है। नीति दस्तावेज में पाकिस्तान ⏭शेष पेज 6 पर

खास खबर

सात स्तंभों का 'PRAHAAR'

- **P (Prevention)**: नागरिकों और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हमलों को रोकना
- **R (Response)**: खतरे के अनुरूप त्वरित और सटीक जवाबी कार्रवाई
- **A (Aggregating)**: सरकार के सभी अंगों के बीच तालमेल बिठाकर आंतरिक क्षमता बढ़ाना
- **H (Human Rights)**: मानवाधिकारों और कानून के शासन का पालन
- **A (Attenuating)**: कट्टरपंथ जैसी उन स्थितियों को खत्म करना जो आतंकवाद को बढ़ावा देती हैं
- **A (Aligning)**: आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को एकजुट करना
- **R** रिकवरी एंड रेसिलिएंस: हमले से रिकवरी और सहनशीलता।

क्यों लाई गई नई नीति

'प्रहार' नीति का मुख्य उद्देश्य देश को हर प्रकार के आतंकवादी खतरों से सुरक्षित करना है। इसमें रोकथाम, त्वरित कार्रवाई, कड़ी कानूनी प्रक्रिया और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को एक साथ जोड़ा गया है। यह नीति एक समग्र दृष्टिकोण अपनाती है, जिससे सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित हो सके।

सीमा पार आतंकवाद और वैश्विक नेटवर्क

इस नीति में सीमा पार से प्रायोजित आतंकवाद को सबसे बड़ी चुनौती बताया गया है। अल-कायदा और आईएसआईएस जैसे वैश्विक आतंकी संगठनों द्वारा भारतीय युवाओं को ऑनलाइन कट्टरपंथ की ओर धकेलने की कोशिशों पर भी चिंता जताई गई है।

इंटेलिजेंस -फर्स्ट आधारित रणनीति

इस नीति का केंद्र "इंटेलिजेंस-फर्स्ट" मॉडल है। इंटेलिजेंस ब्यूरो के तहत मल्टी-एजेंसी सेंटर और जॉइंट टास्क फोर्स ऑन इंटेलिजेंस को प्रमुख भूमिका दी गई है। इनका काम विभिन्न एजेंसियों और राज्यों के बीच रियल-टाइम सूचना साझा करना है, ताकि हमलों को पहले ही रोका जा सके।

जिहादी आतंकवाद से परेशान रहा है भारत

भारत आतंकवाद को किसी विशिष्ट धर्म, जातीयता, राष्ट्रीयता या सभ्यता से नहीं जोड़ता है। हालांकि, देश सीमा पार से प्रायोजित आतंकवाद से प्रभावित रहा है, जिसमें जिहादी आतंकी संगठन और उनके सहयोगी संगठन लगातार हमले की योजना बना रहे हैं।

स्कूटी से गिरी लड़की को उठाने गया और खुद ट्रक की चपेट में आया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

तेलीबांधा थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में 16 वर्षीय किशोर की जान चली गई। दरअसल वह, उद्योग भवन के सामने स्लिप खाकर स्कूटर से गिरी लड़की को बचाने गया था और खुद ट्रक की चपेट में आ गया। मृतक किशोर की लाश ट्रक में बुरी तरह से फंस गई थी। क्रेन की मदद से ट्रक को हटाया गया उसके बाद ट्रक के नीचे फंसी लाश को ⏭शेष पेज 6 पर

■ किशोर की दर्दनाक मौत

हादसे की गवाह बनी मृतक की बड़ी मां

जहां एक्सीडेंट की घटना हुई है, वहीं पास के एक ढाबा में मृतक की बड़ी मां सोनू के साथ काम करने के लिए आती है। बताया जा रहा है, मृतक की बड़ी मां ने सोनू का एक्सीडेंट होते अपनी आंखों से ⏭शेष पेज 6 पर

गृहमंत्री विजय शर्मा को पत्र लिखकर की सुरक्षा-आश्वासन-पुनर्वास की मांग

15 माओवादी 3 मार्च को छग में करेंगे समर्पण, गृहमंत्री ने कहा-सुरक्षा मिलेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

केन्द्र सरकार की डेडलाइन से 28 दिन पहले 3 मार्च को बीबीएम डिवीजन के 15 नक्सली छग में समर्पण करेंगे। इसके लिए उन्होंने गृहमंत्री को पत्र लिखकर सुरक्षा-आश्वासन और पुनर्वास की मांग की है। समर्पण करने वाले नक्सली रेडियो संदेश के माध्यम से सुरक्षा की गारंटी चाहते हैं, जिसके बाद गृह मंत्री ने आश्वस्त किया कि हमारी सरकार पुनर्वास नीति पर पहले से ⏭शेष पेज 6 पर

■ बरगढ़ बलांगीर महासमुंद डिवीजन के नक्सलियों में 14 बस्तर के 1 तेलगांना का

आत्मसमर्पण की प्रक्रिया सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से होगी पूरी: गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि माओवादी संगठन ने रेडियो संदेश के माध्यम से सुरक्षा गारंटी मांगी है। उन्होंने कहा कि सरकार पुनर्वास नीति पर काम कर रही है। माओवादियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। आत्मसमर्पण की प्रक्रिया सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से पूरी की जाएगी।

नक्सल प्रभावित जिलों की **कहानी 4**

सशस्त्र संघर्ष जारी रखना अब उचित नहीं

विकास ने पत्र में लिखा कि बदलते सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक हालात में दीर्घकालिक सशस्त्र संघर्ष जारी रखना अब उचित नहीं है। इसलिए संगठन के 15 सदस्य मुख्यधारा में शामिल होने के लिए तैयार हैं। उन्होंने मांग की कि गृह मंत्री रेडियो संदेश के माध्यम से सुरक्षा की गारंटी दें ताकि सभी सदस्य निश्चिंत होकर बाहर आ सकें। ⏭शेष पेज 6 पर

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयर धड़ाम

590 करोड़ का घोटाला डूब गए 14 हजार करोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयर सोमवार को बुरी तरह गिरे। बैंक शेयरों में 20फीसदी तक की भारी गिरावट आई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि बैंक ने खुलासा किया कि उसकी चंडीगढ़ ब्रांच में कर्मचारियों ने करीब 590 करोड़ का फर्जीवाड़ा किया है। खबर के आते ही बैंक का मार्केट कैप 14,438 करोड़ रुपए घट गया। ⏭शेष पेज 6 पर

आरबीआई की नजर

आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को कहा कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में 590 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी मामले से जुड़े घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं, कोई समस्या नहीं है।

यौन शोषण के मुकदमे में फंसे

गिरफ्तारी का नहीं करूंगा विरोध : अविमुक्तेश्वरानंद

एजेंसी ⏭ वाराणसी

ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरनंद सरस्वती ने सोमवार को कहा कि यौन शोषण के मुकदमे में अगर पुलिस उन्हें गिरफ्तार करती है तो वह उसका विरोध नहीं करेंगे। शंकराचार्य ने कहा कि जनता, स्वयं का हृदय और ईश्वर तीनों ही अदालतों से ⏭शेष पेज 6 पर

क्या है मामला

कथावाचक स्वामी रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष महाराज की याचिका पर अदालत ने शनिवार को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और अन्य आरोपियों पर दो किशोरवय लड़कों के यौन शोषण के आरोप में मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था। इसके बाद देर रात इस सिलसिले में शंकराचार्य उनके शिष्य तथा दो-तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र का हलफनामा, मरीजों की सुरक्षा पर दिया तर्क

डॉक्टरों की योग्यता तय नहीं करती नीट पीजी परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

नीट-पीजी 2025 के लिए क्वालीफाइंग पर्सेंटाइल कम किए जाने के फैसले का बचाव करते हुए केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि नीट पीजी न्यूनतम क्लिनिकल क्षमता का प्रमाणन नहीं करता, बल्कि सीमित स्नातकोत्तर सीटों के आवंटन के लिए मेरिट सूची तैयार करने का माध्यम है। न्यूनतम योग्यता एमबीबीएस डिग्री से ही स्थापित हो जाती है।

मरीज सुरक्षा को लेकर उठे सवालों पर जवाब

रोगी सुरक्षा को लेकर उठाई गई चिंताओं को 'भ्रामक' बताते हुए हलफनामे में कहा गया कि पोस्टग्रेजुएट प्रशिक्षण तीन वर्ष का संरचित कार्यक्रम है। प्रशिक्षण के दौरान उम्मीदवार वरिष्ठ संकाय और विशेषज्ञों की निगरानी में कार्य करते हैं।

नए कट-ऑफ कितने हैं?: इस बार नीट पीजी का कट-ऑफ काफी कम रखा गया है। जनरल और ईडब्ल्यू वर्ग के लिए कट-ऑफ 103 अंक तय किया गया है, जबकि जनरल पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों के लिए यह 90 अंक है। एससी, एसटी और अन्य पिछड़ा वर्ग वर्ग के लिए कट-ऑफ -40 अंक निर्धारित किया गया है।

कट-ऑफ कम क्यों किया गया?

कट-ऑफ कम करने के पीछे सरकार का मुख्य कारण यह बताया गया है कि बड़ी संख्या में पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सीटें हर साल खाली रह जाती थीं। लगभग 70,000 सीटें उपलब्ध होने के बावजूद सभी सीटों पर दाखिला नहीं हो पा रहा था, जबकि दो लाख से अधिक छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे।

चिंतन

बैंक निगरानी प्रणाली को और सख्त बनाएं

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की चंडीगढ़ शाखा में सामने आया 590 करोड़ रुपये का घोटाला केवल एक बैंक या एक शाखा की चूक भर नहीं है, बल्कि यह पूरे बैंकिंग तंत्र की निगरानी और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। बैंक का यह कहना कि मामला एक ही ब्रांच तक सीमित है, आश्वस्त करने वाला अवश्य है, परंतु यह पर्याप्त नहीं। वित्तीय व्यवस्था भरोसे पर टिकी होती है, और जब उसी भरोसे में दरार पड़ती है तो उसका प्रभाव दूरगामी होता है। घोटाले के खुलासे के बाद बैंक के शेयरों में लगभग 20 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई, जो मार्च 2020 के बाद सबसे बड़ी गिरावट बताई जा रही है। बाजार पूंजीकरण में 14,438 करोड़ रुपये की कमी इस बात का संकेत है कि निवेशकों का विश्वास किस तेजी से डगमगा सकता है। बैंक के अनुसार, चंडीगढ़ शाखा के कुछ कर्मचारियों ने हरियाणा सरकार से जुड़े खातों में बिना अनुमति लेन-देन किया, जिससे 590 करोड़ रुपये की जमा राशि में गड़बड़ी सामने आई। यह मामला तब उजागर हुआ जब 18 फरवरी 2026 को सरकार की संस्थाओं ने खातों में वास्तविक शेष राशि और दावा की गई राशि के बीच अंतर पाया। सवाल यह है कि इतनी बड़ी रकम का हेरफेर लंबे समय तक कैसे चलता रहा और आंतरिक ऑडिट या निगरानी प्रणाली को इसकी भनक तक क्यों नहीं लगी? यह घटना स्पष्ट संकेत देती है कि केवल नियमों का होना पर्याप्त नहीं, बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन और सतत निगरानी अधिक महत्वपूर्ण है। आज बैंकिंग प्रणाली में कोर बैंकिंग सॉल्यूशन, डिजिटल ट्रैकिंग, ऑडिट ट्रेल और जोखिम प्रबंधन जैसी कई परतें मौजूद हैं। फिर भी यदि कर्मचारियों की मिलीभगत से इतनी बड़ी राशि का दुरुपयोग हो सकता है, तो यह 'इनसाइडर रिस्क' की गंभीर समस्या को रेखांकित करता है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जांच के आदेश देते हुए कहा है कि सरकार ब्याज सहित पूरी राशि अधिकृत बैंक में स्थानांतरित करेगी। मामला भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो और सतर्कता विभाग को सौंपा गया है। यह कदम स्वागतयोग्य है, परंतु राजनीतिक बयानबाजी से आगे बढ़कर संस्थागत सुधार की आवश्यकता है। सबसे अहम प्रश्न यह है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को कैसे रोका जाए। इसके लिए कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। बैंकों में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली को और अधिक तकनीकी रूप से सशक्त किया जाए। एआई आधारित 'रियल टाइम ट्रांजेक्शन मॉनिटरिंग' सिस्टम लागू किए जाएं, जो असामान्य गतिविधियों पर तुरंत अलर्ट जारी करें। कर्मचारियों के लिए सख्त 'रोटेशन पॉलिसी' लागू की जाए। एक ही शाखा या विभाग में लंबे समय तक तैनाती से जोखिम बढ़ता है। नियमित अंतराल पर स्थानांतरण और बैकग्राउंड वेरिफिकेशन से मिलीभगत की संभावनाएं कम की जा सकती हैं। नियामक संस्थाओं द्वारा आकस्मिक निरीक्षण (सप्राइज ऑडिट) की आवृत्ति बढ़ाई जानी चाहिए। केवल वार्षिक या तिमाही ऑडिट पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। वहीं, व्हिसलब्लोअर तंत्र को और मजबूत बनाया जाए, ताकि ईमानदार कर्मचारी बिना किसी भय के संदिग्ध गतिविधियों की सूचना दे सकें। बैंकिंग व्यवस्था देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यदि सरकारी खातों तक में इस तरह की अनियमितता संभव है, तो आम खाताधारकों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता स्वाभाविक है। साथ ही, तकनीकी उन्नयन, पारदर्शिता और जवाबदेही को प्राथमिकता देकर ही भविष्य में ऐसे घोटालों पर प्रभावी लगाम लगाई जा सकती है।

विरोध

उमेश चतुर्वेदी

नग्न प्रदर्शन से साख पर सवाल

स्वाधीनता आंदोलन और उसके पहले विरोधी आंदोलन चलाने का कांग्रेस का लंबा इतिहास रहा है। आजादी के बाद सबसे ज्यादा वक्त शासन का अनुभव भी उसी के पास है। इसलिए लोकतांत्रिक विरोध के तरीकों व इसके लिए चुने जाने वाले मंचों को लेकर विशेष उम्मीद रखना बेमानी नहीं है। शायद यही वजह है कि इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में उसके विरोध प्रदर्शनों को राष्ट्रीय समर्थन मिलता नहीं दिख रहा। भाजपा के खिलाफ कांग्रेस का साथ देने वाले ज्यादातर विपक्षी दलों ने भी इस प्रदर्शन को अनुचित बताया है। कांग्रेस के कुछ अंदरूनी नेता भी मानते हैं कि राहुल गांधी की अगुआई वाली कांग्रेस के केंद्रीय घेरे में दूरगामी सोच वाले नेताओं की कमी हो गई है। कांग्रेसी आलानेतृत्व की सलाहकार मंडली नहीं चाहती कि विपक्ष में ऐसी शख्सियत उभरे, जिससे राहुल की प्रासंगिकता कमजोर हो। वह मोदी के बरअक्स लड़ाई में किसी दूसरे विपक्षी नेता को उभरते हुए नहीं देख सकती।

विरोध और मतभिन्नता लोकतंत्र का आभूषण होता है। लेकिन विरोध का तरीका क्या हो या फिर किस जगह हो, इसकी समझ होनी चाहिए। कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है। स्वाधीनता आंदोलन के साथ-साथ इतिहास के हर पग के साथ कांग्रेस आगे बढ़ती रही है। विरोधी आंदोलन चलाने का स्वाधीनता के पहले उसका लंबा इतिहास रहा। आजादी के बाद सबसे ज्यादा वक्त शासन का अनुभव भी उसी के पास है। इस वजह से उससे लोकतांत्रिक विरोध के तरीकों व विरोध के लिए चुने जाने वाले मंचों को लेकर विशेष उम्मीद रखना बेमानी नहीं है। शायद यही वजह है कि इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में उसकी ओर से किए गए विरोध प्रदर्शनों को राष्ट्रीय समर्थन मिलता नहीं दिख रहा। पूर्व पत्रकार पवन खेड़ा जैसा प्रवक्ता 20 फरवरी के विरोध प्रदर्शन को चाहे जितना भी वाजिब ठहरा रहा हो, कांग्रेस की इस प्रदर्शन के लिए किरकिरी ही हो रही है।

संसद से लेकर सड़क तक ज्यादातर मुद्दों पर भाजपा के खिलाफ कांग्रेस का साथ देने वाले ज्यादातर विपक्षी दलों को भी युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन नहीं रूचा है। ज्यादातर विपक्षी दलों ने इस प्रदर्शन को अनुचित बताया है। अखिलेश यादव ने शायद सबसे गंभीर बात कही है। उन्होंने कहा है कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन वैश्विक मंच पर ऐसा विरोध प्रदर्शन उचित नहीं था। अखिलेश यहीं तक नहीं रुके, उन्होंने कांग्रेस को एक तरह से नसीहत देते हुए कहा कि विदेशी प्रतिनिधियों के सामने देश को शर्मिंदा करने से बचना चाहिए। कांग्रेस के साथ हर मुमकिन मौके पर गलबहियां डालकर चलने वाले राष्ट्रीय जनता दल के राज्यसभा सदस्य मनोज झा ने भी कांग्रेस को उपदेश ही दिया कि शिकायतें हो सकती हैं, लेकिन विरोध का तरीका बेहतर हो सकता है।

ऐसा नहीं कि भारतीय लोकतंत्र में विरोध की परंपरा नहीं रही है। भारतीय राजनीति के चिर विद्रोही कहे जाने वाले लोहिया ने विरोध करने का जो मुहावरा दिया, वह भारतीय राजनीति का सर्वस्वीकार्य रहा है। उन्होंने संसद से सड़क तक विरोध का तरीका बताया। लोहियावादी विरोध कई मायनों में आक्रामक ही कहा जाएगा। लेकिन विरोध कब और कहां किया जाना चाहिए, इसे लेकर भी भारतीय राजनीति में आमराय रही है। विरोध के मंच ऐसे नहीं होने चाहिए, जिससे भारत को एक राष्ट्र के रूप में वैश्विक शर्मिंदगी उठानी पड़े। इस सूत्र वाक्य को भारतीय राजनीति अपनाती रही है। लेकिन नई दिल्ली के भारत मंडपम में 20 फरवरी को युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन इस सूत्र वाक्य का एक तरह से उल्लंघन ही माना जाएगा। शायद यही वजह है कि कांग्रेस के समर्थक और साथी दल इसकी आलोचना कर रहे हैं या फिर कांग्रेस को नसीहत दे रहे हैं। जिस इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन के मंच का इस्तेमाल युवा कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी के विरोध के लिए किया, उसमें 118 देशों के सरकारी प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। 16 से 21 फरवरी तक चले इस सम्मेलन में 22 देशों के शासनाध्यक्षों व मंत्री स्तर के 59 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन के बाद जो नई दिल्ली घोषणापत्र जारी किया गया, उस पर 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हस्ताक्षर करके सहमति जताई है। जिसमें अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस जैसे प्रमुख देशों की भी भागीदारी है। इस सम्मेलन में 100 से अधिक वैश्विक स्तर के एआई नेता और 500 से अधिक स्टार्टअप्स ने भी शिरकत की। इस सम्मेलन की महत्ता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता

है कि इस के घोषणा पत्र में अमेरिका और ब्रिटेन ने भी हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले पेरिस में हुए एआई वैश्विक सम्मेलन के बाद जारी घोषणा पत्र में अमेरिका और ब्रिटेन ने हस्ताक्षर नहीं किया था। जबकि पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक मामलों में फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन एक ही खेमे के देश हैं। जाहिर है कि ऐसे मंच का महज पीएम के विरोध के लिए इस्तेमाल करना सही कदम नहीं माना जाएगा।

भले ही इस विरोध प्रदर्शन को मायावती भी अनुचित बता चुकी हों, वाईएसआर कांग्रेस के नेता जगनमोहन रेड्डी गलत बता चुके हों, फिर भी कांग्रेस द्वारा इसे वाजिब ठहराया जाना साबित करता है कि पार्टी के केंद्रीय ढांचे में उचित-अनुचित का भेद करने वाली शख्सियतों की कमी हो गई है। कांग्रेस के इस विरोध प्रदर्शन को विपक्षी खेमे में ही उसकी सत्ता से दूरी से उपजी हताशा को माना जा रहा है। लेकिन विपक्षी खेमा इसके लिए कांग्रेस के नेतृत्व को ही जिम्मेदार ठहराता है। कांग्रेस के कुछ अंदरूनी नेता भी मानते हैं कि राहुल गांधी की अगुआई वाली कांग्रेस के केंद्रीय घेरे में दूरगामी सोच वाले नेताओं की बहुत कमी हो गई है। इसलिए पार्टी में एकाधिकारवादी और बेपरवाह सोच हावी होती गई है। विपक्षी खेमे के साथ ही पार्टी के कुछ लोग मानते हैं कि अगर पिछले आम चुनाव से पहले नीतीश कुमार को राहुल की अगुआई वाली कांग्रेस ने अपना नेता मान लिया होता या इंडिया गठबंधन का संयोजक स्वीकार कर लिया होता तो संभवतः देश का इतिहास कुछ और होता। इसकी वजह यह है कि नरेंद्र मोदी के बरअक्स नीतीश कुमार ही ऐसे नेता हैं, जिनकी राष्ट्रव्यापी एक छवि है। नीतीश के पास बिहार के अतिरिक्त देश के दूसरे इलाके में जमीनी नेतृत्व और संगठन नहीं है। लेकिन उनकी पहचान पूरे देश में है और उनकी छवि भी विपक्षी खेमे के दूसरे नेताओं की तुलना में कहीं ज्यादा पाक-साफ है। मौजूदा कांग्रेस की कमी यह है कि वह अगले पल उठाए जाने वाले अपने हर कदम के परिणामों का आकलन राहुल गांधी की राजनिक सेहत के लिहाज से करती है। कांग्रेसी आलानेतृत्व की सलाहकार मंडली नहीं चाहती कि विपक्ष में ऐसी कोई शख्सियत उभरे, जिससे राहुल की प्रासंगिकता कमजोर हो। मोदी के बरअक्स लड़ाई में वह किसी दूसरे विपक्षी नेता को उभरते हुए नहीं देख सकती। मोदी विरोधी कदम उठाते वक्त वह भूल जाती है कि उन कदमों का राजनीतिक हासिल क्या होगा? फिर राहुल समर्थक मंडली उन्हें मोदी के बरअक्स सिर्फ नैरेटिव केंद्रित राजनीति की ही सलाह देती है। इन वजहों से राहुल का विरोध भी देश को उनकी तरफ आकर्षित करने का माध्यम नहीं बन पा रहा है।

भारत मंडपम में पूरे पांच दिन चले कार्यक्रम का असर दिल्ली के साथ गुड़गांव व नोएडा के ट्रैफिक पर भी पड़ा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की कल्पनाहीनता से ट्रैफिक में फंसकर दिल्ली तकरीबन पूरे पांचों दिन हांफती रही। इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन का ध्येय वाक्य 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' को भी लोग कोसते दिखे। कहने का मतलब यह है कि इस सम्मेलन की अहमियत के बावजूद इससे एक बड़ा तबका हलकान रहा। अव्वल तो ऐसे माहौल में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को समर्थन मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा होता एकदम नहीं दिखा। कांग्रेस हालांकि दावा करती है कि देश अब मौजूदा सरकार से नाराज है। अगर उसके ही दावों को सच मान लें तो होना तो ये चाहिए था कि कांग्रेस के प्रदर्शन को देश हाथोंहाथ ले। पर ऐसा नहीं हुआ। वजह यह है कि कांग्रेस आलानेतृत्व के कदम आम लोगों में भरोसा पैदा नहीं कर पाए हैं। कांग्रेस की केंद्रीय सलाहकार मंडली की सलाहें जनता के दिलों में मोदी विरोधी हिलोरें पैदा नहीं कर पा रही हैं, तो इसकी वजह यही है कि पार्टी के विरोध करने के शऊर, मुददे और मंच सही नहीं हैं। इसी वजह से उनकी साख नहीं बन पा रही है। सबसे पुरानी पार्टी होने के नाते कांग्रेस को पता है कि राजनीति में साख का क्या महत्व होता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

पहल

डॉ. मोनिका शर्मा

स्कूलों में फोन पर रोक बच्चों की बेहतरी से जुड़ा कदम

हाल में ही हिमाचल प्रदेश में बच्चों के स्कूल में मोबाइल फोन लाने पर प्रतिबंध लगाने का सार्थक फैसला किया गया। राज्य सरकार ने विद्यार्थियों की बेहतरी के लिए यह आवश्यक कदम उठाया है। जिसके तहत 1 मार्च के बाद राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में मोबाइल फोन पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। बच्चों को स्कूल परिसर में मोबाइल लाने की अनुमति नहीं होगी। इतना ही नहीं इस निर्णय को सख्ती से लागू करने के लिए जुर्माना लगाने का भी निर्णय लिया गया है। इसीलिए किसी विद्यार्थी के पास मोबाइल फोन मिलने पर 500 रुपये का जुर्माना लगाने और मोबाइल जब्त किए जाने का भी प्रावधान किया जाएगा। इतना ही नहीं बच्चे के माता-पिता को भी स्कूल बुलाकर समझाया जाएगा। बार-बार नियम तोड़ने की स्थिति में अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। बच्चों को अच्छी शिक्षा देने और बेहतर स्कूलों में बेहतर परिवेश बनाने से जुड़ी इस कवायद को लेकर राज्य के शिक्षा विभाग द्वारा जल्दी ही मानक प्रक्रिया तैयार की जाएगी। मौजूदा समय में बच्चों को हर ओर से तकनीकी गैजेट्स ने घेर लिया है। घर का आंगन हो या स्कूल परिसर। खेल का मैदान हो या सहज सामाजिक आयोजन। बच्चे हर समय स्क्रीन के संसार में गुम रहते हैं। जिसके चलते आपराधिक गतिविधियों, अवसाद और अकेलेपन का भी शिकार बन रहे हैं। ऑनलाइन खेलों के चैलेंज पूरे करने के फेर में जीवन से हार रहे हैं। पढ़ाई में पीछे हो रहे हैं। मोबाइल फोन के इस्तेमाल की अति अकादमिक मोर्चे पर बच्चों के प्रदर्शन में आ रही गिरावट की बड़ी वजह बन गई है। ध्यान भटकाने वाली गतिविधियों के चलते बच्चे बार-बार स्क्रीन खंगालते हैं। कुछ समय पहले आई यूनेस्को की 'टेक्नोलॉजी इन एजुकेशन' रिपोर्ट के मुताबिक टेक्नोलॉजी से हद से ज्यादा जुड़े रहना, विशेष रूप से स्मार्टफोन के इस्तेमाल की अति से बच्चों के प्रदर्शन पर नकारात्मक पड़ रहा है। यूनेस्को की इस रिपोर्ट में सभी देशों से सावधानीपूर्वक विचार करने और स्कूलों में टेक्नोलॉजी का सार्थक ढंग से इस्तेमाल करने का आग्रह किया गया था। चिंतनीय है कि मोबाइल पर गेम खेलने की लत हो या रील-वीडियो देखने रहने का जुनून। बच्चों का बहुत सा समय स्क्रीन स्क्रॉलिंग में ही बीत रहा है। मोबाइल फोन का अत्यधिक इस्तेमाल बच्चों का समय ही नहीं लील रहा उनकी सेहत पर भी दुष्प्रभाव डाल रहा है। मनोवैज्ञानिक रूप से बच्चों के दिलों दिमाग को बांधती स्क्रीन की दुनिया उनका जीवन तक छीन रही है। ऐसे मामले भी सामने आए है कि फोन छोड़ने की और डांटने-डपटने से बच्चों ने सुसाइड जैसे कदम उठा लिया। बीते दिनों गाजियाबाद में ऑनलाइन गेम कोरियन लवर के जाल में फंसकर तीन बहनों ने आत्महत्या कर ली। कुछ समय पहले मध्य प्रदेश में ऑनलाइन गेमिंग में 40 हजार रुपये हारने पर 6वीं कक्षा में पढ़ रहे 13 साल के बच्चे का आत्महत्या की थी। इन्हीं दिनों हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में एक किशोर ने ऑनलाइन गेम के अपने एक विदेशी साथी के बिछड़ने की पीड़ा के चलते जीवन का साथ छोड़ दिया।

एक ओर ऑनलाइन गेम की लत अपराध और अवसाद की ओर धकेल रही है तो दूसरी ओर बच्चों का व्यक्तित्व ही कई तरह के डिसऑर्डर का शिकार हो रहा है। हर वक्त स्क्रीन में आंखें गड़ाये रखना सिरदर्द, गर्दन और कंधे का दर्द, चिड़चिड़ापन और गुस्से जैसी व्यवहारगत तकलीफों का भी कारण है। इसीलिए घर हो या स्कूल, फोन के इस्तेमाल की समय सीमा तय करना आवश्यक है। स्पष्ट है कि बच्चों का जीवन सहेजने और बालमन को सार्थक दिशा देने के लिए शिक्षकों, अभिभावकों और सरकारी नियम-कायदों की एक साझी रूपरेखा आवश्यक है। इसके लिए मोबाइल फोन के सार्थक और संयमित उपयोग करने का पाठ पढ़ाना बेहद जरूरी हो गया है। थोड़ी सख्ती और सहज समझाइश का मेल इस मोर्चे पर मददगार बन सकता है। मोबाइल के उपयोग के मामले में बच्चों को अनुशासित बनाने के लिए हर समय मोबाइल साथ न रखने का नियम एक सार्थक कदम है। अभिभावकों का साथ मिलने पर यह मुहिम और प्रभावी बन सकती है। समझना आवश्यक है कि घर-परिवार और स्कूल परिसर के सधे नियम ही नयी पीढ़ी को स्क्रीन में समाये वर्चुअल संसार के बजाय वास्तविक जीवन से जोड़ सकते हैं। सामाजिक मेलजोल में रुचि जगा सकते हैं। शारीरिक-मानसिक व्याधियों से बचा सकते हैं। पढ़ाई के मोर्चे पर फोकस्ड रख सकते हैं। ऐसे में हिमाचल सरकार द्वारा बच्चों की बेहतरी की दिशा में बढ़ाया गया यह कदम वाकई सराहनीय है।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मन में निर्भयता लाती है मां दुर्गा की भक्ति साधना

संकलित

दर्शन

वैसे तो हिंदी वर्षानुसार वर्षा, शरद, शिशिर, हेमंत, वसंत व ग्रीष्म- छह ऋतुएं होती हैं, लेकिन मुख्य रूप से दो ही प्रधान हैं- सर्दी व गर्मी। इन दोनों प्रधान ऋतुओं की संधि बेला को नवरात्रि की संज्ञा दी गई है। दिन और रात्रि के मिलन को संध्याकाल कहते हैं। इस महत्वपूर्ण समय को ईश्वर की आराधना, भजन, संध्या, वंदन व आध्यात्मिक साधना में लगाया जाना चाहिए, क्योंकि यह समय अत्याधिक लाभदायी और कम श्रम से अधिक फल देने वाला माना गया है। संध्या काल को पुण्य पर्व भी कहा गया है। आरोग्य शास्त्र के विद्वानों को विदित है कि आश्विन व चैत्र मास में जो सूक्ष्म परिवर्तन होता है, उसका प्रभाव शरीर पर कितनी अधिक मात्रा में पड़ता है। यह बदलाव स्वास्थ्य पर कई प्रकार से प्रभाव डालता है। अनेकानेक रोग, ज्वर, चेचक आदि मनुष्य पर हावी होने लगते हैं। वैद्य जानते हैं कि वमन, विरेचन, स्वेदन, वस्ति, रक्त मोक्षण आदि शरीर शोधन कार्यों के लिए आश्विन और चैत्र का महीना ही सर्वाधिक उपयुक्त होता है। ऐसे समय में ही साधना का महत्वपूर्ण पर्व आता है। हिंदू परंपरा के अनुसार, भारतीय पर्व और त्योहारों में नवरात्रि पर्व का अत्यधिक महत्व है। यह वर्ष में दो बार आता है। दुर्गावतरण की पावन कथा भी इसके साथ जुड़ी हुई है। देवत्व के संयोग से असुर निकंदिनी महाशक्ति के उद्भव का महत्व हर युग में रहा है। युग की भयावह समस्याओं से त्राण पाने के लिए युग शक्ति के उद्भव की कामना हर मन में उठती है। अधिकांश लोग व्रत, उपवास एवं अनुष्ठान करते हैं।

हृदय से जो जाओगे सबल समझूंगा तोहे

संकलित

प्रेरणा

एक बार सूरदास जी चलते-चलते मार्ग में एक गहरे गढ्ढे में गिर गए और निकलने के सारे प्रयास असफल हो गये। अपने कान्हा को ही पुकारने लगे, एक भक्त अपने जीवन में विपत्ति काल में प्रभु को ही तो पुकारता है। जैसे ही सूरदास जी ने कान्हा को याद किया, प्रभु भी उसकी पुकार सुने बिना नहीं रह पाए! सच है जब एक भक्त दिल से पुकारता है तो यह टीस प्रभु के दिल में भी उठा करती है। उसी समय एक बाल गोपाल के रूप में वहाँ प्रकट हो गए, और प्रभु के पांव की नन्ही-नन्ही सी पैजनिया की छन-छन की आवाज सुनते ही सूरदास जी को समझते देर न लगी। कान्हा उनके समीप आये और बोले अरे बाबा नीचे क्या कर रहे हो, लो मेरा हाथ पकड़ो और जल्दी से ऊपर चले आओ। जैसे ही सूरदास जी ने इतनी प्यारी सी मिश्री सी घुली हुई वाणी सुनी तो जान गए की मेरा कान्हा आ गया, और बहुत प्रसन्न हो गए, और कहने लगे की अच्छा कान्हा, बाल गोपाल के रूप में आ गए, कन्हाई तुम आ ही गए न? बाल गोपाल कहने लगे अरे कौन कान्हा ? किसका नाम लेते जा रहे हो,जल्दी से हाथ पकड़ो और ऊपर आ जाओ, ज्यादा बातें न बनाओ। सूरदास जी मुस्कुरा पड़े और कहने लगेः सच में कान्हा तेरी बांसुरी के भीतर भी वो मधुरता नहीं, माना कि तेरी बांसुरी सारे संसार को नचा दिया करती है लेकिन तेरे भक्तों का दुःख तुझे नचा देता है। क्यों कान्हा सच है न? तभी तो तू दौड़ा चला आया। जैसे ही उन्होंने इतना कहा सूरदास जी ने झट से कान्हा का हाथ पकड़ लिया और उस मंगलमय ब्रह्मसंस्पर्श से वे रोमांचित हो उठे।

ऊंट की सवारी

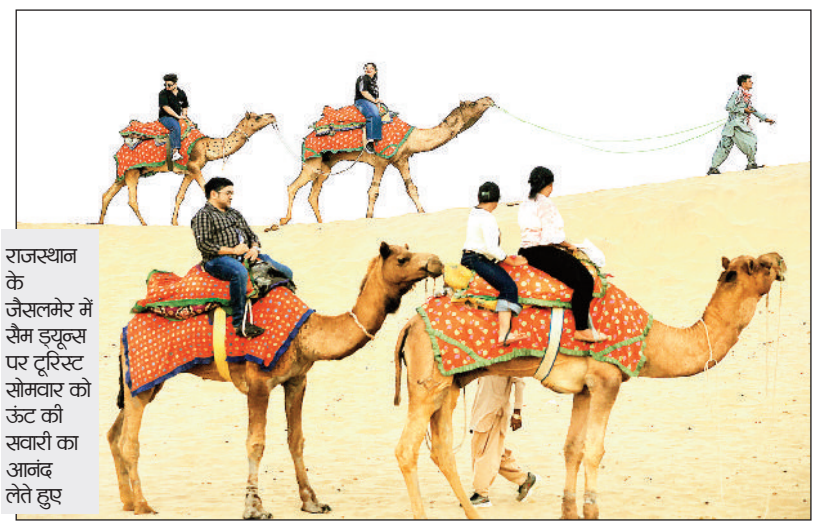

राजस्थान के जैसलमेर में सैम ड्यूल्स पर टूरिस्ट सोमवार को ऊंट की सवारी का आनंद लेते हुए

आज की पाती

बच्चों को न दें मोबाइल और वाहन

सातवीं कक्षा की एक छात्रा स्कूटी पर अपने छोटे भाई को स्कूल छोड़कर आ रही थी। वापसी में एक वाहन से टकराने से गहरी चोट के कारण उसकी मौत हो गई। यह छात्रा रोज स्कूटी पर ही जाती थी। क्या इसे कभी किसी ने रास्ते में चैक नहीं किया। माता-पिता भी दोषी हैं, जो बच्चों को वाहन-फोन देकर उन्हें रोगों व मौत के मुंह में धकेल रहे हैं। मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार नाबालिग के वाहन चलाने पर अभिभावकों को तीन साल की कैद व 25 हजार रुपए जुर्माना हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट की सड़क सुरक्षा समिति ने भी ऐसे मामलों में सख्ती बरतने के निर्देश दिए हैं। बच्चों के लिए न तो मोबाइल ठीक है, और न ही वाहन। कई अन्य शहरों में भी इस तरह के हादसे हो रहे हैं। इन पर रोक लगाने के लिए बच्चों को मोबाइल और वाहन नहीं दिए जाने चाहिए। - प्रभुनाथ सिंह, रायपुर

ट्रेंड

हमेशा याद किए जाएंगे रॉय

पूर्व केंद्रीय मंत्री मुकुल रॉय के निधन से दुःख हुआ। उन्हें अपने राजनीतिक अनुभव और समाज की सेवा के प्रयासों के लिए हमेशा याद किया जाएगा। वे बंगाल के बहुत अनुभवी नेता थे। उनके परिवारजनों और समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ओम शांति। -नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

इंडी का नेतृत्व छोड़ें राहुल

ममता दीदी के बिना, इंडिया गठबंधन का 'आई', 'एन', 'डी', 'आई', 'ए' खत्म हो जाएगा, क्योंकि वे इस गठबंधन की लीडर हैं। उनके साथ, दो-चार और लोग हैं जो यह जगह पा सकते हैं। मुझे लगता है कि राहुल गांधी को गठबंधन का नेतृत्व करने की बजाय छोटी पार्टियों को मौका देना चाहिए। -मणिशंकर अय्यर, कांग्रेस नेता

इंडिया ब्लॉक के अंदर ही चर्चा हो

कोई यह नहीं कह सकता कि मणिशंकर अय्यर को अपनी राय देने का हक नहीं है। लेकिन, जब फैसला होगा, तो वह इंडिया ब्लॉक लेगा। लीडरशिप के मुद्दे पर पहले इंडिया ब्लॉक के अंदर ही चर्चा होनी चाहिए। राहुल ने भाजपा व सरकार से लड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। -उमर अब्दुल्ला, मुख्यमंत्री, जम्मू कश्मीर

एआई से पेशेवरों की मांग बढ़ेगी

एआई नौकरियों में कमी नहीं लाएगा, बल्कि पेशेवरों के काम को रचनात्मक एवं बेहतर बनाएगा। इससे कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ेगी और उनके वेतन में सुधार होगा। हमें हमेशा खुद से पूछना चाहिए कि हमारा लक्ष्य क्या है। हमारा सबसे बड़ा लक्ष्य लोगों को स्मार्ट बनाना है। -ब्रैड स्मिथ, अध्यक्ष, माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन

करंट अफेयर

नासा का चंद्र रॉकेट फिर हैंगर लौटेगा, उड़ान टली

नासा अपने विशाल चंद्र रॉकेट को अंतरिक्ष यात्रियों के सवार होने से पहले और मरम्मत के लिए इस सप्ताह फिर से हैंगर में वापस लाएगा। अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, कम से कम अप्रैल तक उड़ान स्थगित रहेगी। मौसम अनुकूल रहने पर मंगलवार को केनेडी स्पेस सेंटर के परिसर में रॉकेट को वापस ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। नासा ने बृहस्पतिवार को खतरनाक हाइड्रोजन ईंधन रिसाव को बंद करने के लिए दोबारा जांच की थी। इसी दौरान रॉकेट की हीलियम प्रणाली में खराबी आ गई, जिससे आधी सदी से अधिक समय बाद अंतरिक्ष यात्रियों की पहली चंद्र यात्रा और टल गई। इंजीनियरों ने हाइड्रोजन रिसाव पर काबू पा लिया था और प्रक्षेपण के लिए छह मार्च की तिथि तय की। प्रक्षेपण में एक माह का विलंब पहले ही हो चुका है। अचानक हीलियम प्रणाली में बाधा उत्पन्न हो गई जिससे रॉकेट के ऊपरी चरण तक हीलियम का प्रवाह बाधित हुआ। इंजनों को शुद्ध करने और ईंधन टैंकों में दबाव बनाए रखने के लिए हीलियम आवश्यक होती है। नासा ने एक बयान में कहा, समस्या के कारण का पता लगाने और उसे ठीक करने के लिए रॉकेट को केनेडी के 'व्हीकल असेंबली बिल्डिंग' में वापस ले जाना आवश्यक है।

ऑफ बीट

रात में पसीना आने के कई कारण हो सकते हैं

पसीना आना शरीर की शीतलन प्रणाली का एक सामान्य हिस्सा है, जो गर्मी छोड़ने और शरीर के इष्टतम तापमान को बनाए रखने में मदद करता है। लेकिन नियमित रूप से रात में जागना, अत्यधिक पसीने से भीगना सही नहीं है। मस्तिष्क में स्थित हाइपोथैलेमस, अंत:स्रावी तंत्र का हिस्सा है और शरीर के लिए तापमान नियंत्रण केंद्र है। इसमें तापमान सेंसर होते हैं जो केंद्रीय रूप से (अंगों में) और परिधीय रूप से त्वचा में स्थित तंत्रिका कोशिकाओं (थर्मोरिसेप्टर्स) से जानकारी प्राप्त करते हैं। थर्मोरिसेप्टर्स शरीर के तापमान में बदलाव का पता लगाते हैं, हाइपोथैलेमस को वापस संकेत भेजते हैं। ये संकेत या तो शरीर को ठंडा करने के लिए पसीने को सक्रिय करेंगे या शरीर को गर्म करने के लिए कंपकंपी को सक्रिय करेंगे। उम्र या लिंग कोई भी हो, किसी को भी रात में पसीना आने का अनुभव हो सकता है। लेकिन पुरुषों की तुलना में महिलाओं को रात में पसीना अधिक आता है, इसका मुख्य कारण रजोनिवृत्ति और संबंधित बदलते हार्मोन स्तर हैं। ऐसा माना जाता है कि एस्ट्रोजन के स्तर में बदलाव से नॉरपेनेफ्रिन और सेरोटोनिन के स्तर पर प्रभाव पड़ता है, ये दो न्यूरोट्रांसमीटर हैं, जो हाइपोथैलेमस में तापमान विनियमन को प्रभावित करते हैं।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

मेडिकल कालेजों में क्रिटिकल केयर यूनिट खोलने की योजना ठंडे बस्ते में, विशेषज्ञ भी आयुष्मान से दूर

रायपुर। गंभीर स्थिति वाले मरीजों के उचित उपचार के लिए सभी मेडिकल कालेजों में क्रिटिकल केयर यूनिट खोलने की योजना ठंडे बस्ते में चली गई है। इतना ही नहीं, इलाज में विशेषज्ञों की भूमिका निभाने वाले क्रिटिकल केयर मेडिसिन विशेषज्ञों को भी आयुष्मान से दूर रखा गया है। आईसीयू के बेहतर प्रबंधन को देखते हुए इसका विस्तार जिला स्तर पर किए जाने की जरूरत है, मगर अभी यह केवल रायपुर के शासकीय मेडिकल कालेज में संचालित है। विभिन्न विभागों में इलाज के दौरान अति गंभीर स्थिति में पहुंचने वाले मरीजों के इलाज की जिम्मेदारी क्रिटिकल केयर यूनिट के मेडिसिन विशेषज्ञ पूरी करते हैं। आईसीयू, ट्रामा, वेंटिलेटर की सुविधा वाले क्रिटिकल केयर यूनिट की आवश्यकता कोरोना महामारी के दौरान सबसे ज्यादा महसूस किया गया था। बाद में यह यूनिट सभी शासकीय मेडिकल कालेज में खोलने की योजना बनाई गई थी। 50-50 बेड के क्रिटिकल केयर यूनिट के लिए 23-23 करोड़ रुपए खर्च करने की योजना थी। योजना कागजों से बाहर नहीं आई और यह सुविधा केवल रायपुर के शासकीय मेडिकल कालेज से संबंधित आंबेडकर अस्पताल में सीमित होकर रह गया। इतना ही नहीं क्रिटिकल केयर मेडिसिन विशेषज्ञों को अभी भी आयुष्मान भारत योजना से दूर रखा गया है। एफआईसीसीएस के सदस्य डॉ. प्रतीक जैन ने बताया कि प्रशिक्षित क्रिटिकल केयर विशेषज्ञों की उपलब्धता से आईसीयू प्रबंधन अधिक प्रभावी और वैज्ञानिक बनता है। इससे मरीजों के उपचार में गुणवत्ता बढ़ती है।

- अभी केवल रायपुर में सुविधा, जिला अस्पताल में खोलने की जरूरत
- गंभीर स्थिति के मरीजों के उपचार में विशेषज्ञ निभाते हैं निर्णायक भूमिका

सुदृढ़ होगी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली

छत्तीसगढ़ डॉक्टर्स फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. हीरा सिंह ने बताया कि क्रिटिकल केयर मेडिसिन तीन वर्षीय सुपर-स्पेशियलिटी प्रशिक्षण है, जो गंभीर रूप से बीमार मरीजों के उन्नत उपचार एवं निगरानी पर केंद्रित होता है। इस विशेषज्ञता में उन्नत वेंटिलेशन प्रबंधन, हेमोडायनामिक मॉनिटरिंग, सेप्सिस प्रबंधन, मल्टी-ऑर्गन डिसफंक्शन उपचार तथा सतत रीनल रिप्लेसमेंट थेरेपी जैसी जीवन-रक्षक तकनीकों में दक्षता प्रदान की जाती है। स्वास्थ्य सहायता योजना में इस विशेषज्ञता को औपचारिक रूप से शामिल किया जाना स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को अधिक सुदृढ़ बनाएगा। इस निर्णय से छोटे शहरों एवं जिला अस्पतालों में उन्नत आईसीयू सेवाओं का विस्तार होगा।

समाहरणालय, बाँका
(मद्य निषेध शाखा)

वाहन नीलामी हेतु अति अल्पकालीन आम सूचना

(बिहार मद्यनिशेध एवं अधिनियम 2016 एवं संशोधित अधिनियम 2018 के सुसंगत प्रावधानों के तहत् राजसात् किये गये वाहनों की अल्पकालीन सार्वजनिक नीलामी सूचना)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि बाँका जिलान्तर्गत विभिन्न थाना काण्डों/उत्पाद वादों में राजसात किये गये वाहनों को बिहार मद्य निशेध एवं उत्पाद अधिनियम, 2016 के सुसंगत प्रावधानों के तहत् विभिन्न अधिहरण वादों में अधिहरण न्यायालय अनुमंडल दण्डाधिकारी, बाँका, भूमि सुधार उपसमाहर्त्ता, बाँका, अपर समाहर्त्ता–सह–मद्यनिशेध दण्डाधिकारी, बाँका, जिला प्रंचायती राज पदाधिकारी–सह–मद्यनिशेध दण्डाधिकारी, बाँका एवं जिला परिवहन पदाधिकारी–सह–मद्यनिशेध दण्डाधिकारी, बाँका द्वारा राजसात् किये वाहनो कि सार्वजनिक नीलामी जो जहाँ है जैसे है के रुप में 11.30 बजे पूर्वाह्न में अधीक्षक मद्यनिशेध, महेशाडीह, बाँका के कार्यालय वेश्म में निम्न प्रकार से की जायेगी।

वाहन नीलामी की तिथि		आवेदन प्राप्त की अंतिम तिथि	आवेदन प्राप्त करने का स्थान
दिनांक 06.09.2025 (पहली नीलामी), 07.01.2026 (दूसरी नीलामी) एवं 09.02.2026 (तीसरी नीलामी) को आयोजित नीलामी से शेष बचे वाहनो की चौथी नीलामी की तिथि नये SOP (विभागीय पत्रांक–809, दिनांक–03.02.2026) के आधार पर।	12.03.2026	10.03.2026 को अपराह्न 05:00 बजे तक	कार्यालय अधीक्षक मद्यनिषेध बाँका

नोटः– (1) विभागीय पत्रांक–809, दिनांक–03.02.2026 के आलोक में तीन बार नीलामी होने के पश्चात शेश बचे वाहनों की नीलामी "AS IS WHERE IS BASIS" पर किया जायेगा एवं AS IS WHERE IS BASIS पर प्रत्येक नीलामी में वाहनों के मूल्य को 10% कम करते हुए तब तक नीलामी की जायेगी, जब तक वाहन नीलाम न हो जाये।
(2) निम्नांकित वाहन के स्वामियों को भी सूचित किया जाता है कि यदि वे निम्नांकित वाहनों के लिये अपील/रिवीजन/प्रपत्र IV दायर किये हों तो इसकी सूचना साक्ष्य सहित नीलामी की तिथि के पूर्व नीलामी समिति को उपलब्ध करा देंगे।
(3) उक्त वाहन से संबंधित वाहन स्वामी यदि इच्छुक हैं तो नीलामी में भाग ले सकते हैं।

क्र0 सं0	न्यायालय, बांका का ज्ञापांक/दिनांक	उत्पाद/थाना नाम	उत्पाद/थाना कांड सं0	वाहन का प्रकार	पंजीयन संख्या	चेचिस सं0	इंजन सं0	MVI द्वारा मूल्यांकित राशि (रूपया में)	तीसरी नीलामी के उपरान्त राशि (20)% कम करने के उपरान्त)	SOP के आलोक में तीसरी नीलामी का 10% कम राशि	अग्रधन की राशि (20%)	वाहन स्वामी का नाम व पता	वाहन निर्माण का वर्ष (मॉडल)	वाहन की भौतिक उपस्थिति	नीलामी समय बीमाकृत मूल्य (वाहन की बीमाकृत मूल्य)	वाहन जहाँ पर हैं
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
01	6035/R 23.10.24	रजौन (नवादा बाजार)	618/22	कार	CG12R2266	MA3ESKD1S00319899	K12MN1081187	110000	88000	79200	15840	नाम–डबलू कुमार पे0–प्रशांत सा0–रेलवे कॉलनी झोपड़ पट्टी हाउस नं0–213 थाना वो जिला कोरबा छत्तीसगढ़	2010			रजौन (नवादा बाजार)

PR- 024701 (Excise) 2025-26

विस्तृत सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

समाहर्त्ता
बाँका

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

तलाक डिक्री रद्द करने की मांग लेकर पति-पत्नी हाईकोर्ट पहुंच गए, कहा- अब हमारे रिश्ते सुधर गए

बिलासपुर। बिलासपुर हाईकोर्ट में अपनी तरह का एक अलग ही मामला सामने आया। आमतौर पर फैमिली कोर्ट के उस फैसले के खिलाफ पति या फिर पत्नी याचिका दायर करती हैं, जिसमें फैमिली कोर्ट द्वारा तलाक की डिक्री देने से मना कर दिया जाता है। इस प्रकरण में लेकिन फैमिली कोर्ट की तलाक की डिक्री को रद्द करने की मांग को लेकर पति-पत्नी हाई कोर्ट पहुंच गए। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने याचिका को रद्द करते हुए कहा कि कानूनी तौर पर अब यह संभव नहीं है। कोर्ट ने साफ कहा कि आपसी सहमति के आधार पर तलाक की मंजूरी देते हुए फैमिली कोर्ट द्वारा पारित डिक्री को खारिज नहीं किया जा सकता।

दरअसल तलाक के बाद रिश्तों में आई नरमी से दोंनों के रिश्ते अब सामान्य हो गए हैं। हमने अपनी शादी की सालगिरह भी साथ-साथ मनाया है। साथ घुमने फिरने भी गए। याचिकाकर्ता ने फैमिली कोर्ट द्वारा पारित तलाक की डिक्री को रद्द करने की मांग की। याचिका की सुनवाई जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की डिवीजन बेंच में हुई। डिवीजन बेंच ने कहा कि तलाक पति-पत्नी की आपसी सहमति से हुआ है। लिहाजा अब अपील की कोई गुंजाइश नहीं है। बेंच ने यह भी कहा, कानून भावनाओं से नहीं, तथ्यों और प्रक्रियाओं से चलता है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया है।

हाईकोर्ट में वरिष्ठ पैनल लॉयरों की नियुक्ति

विधि एवं न्याय मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाईकोर्ट में केंद्र सरकार के मामले मुकदमों में सरकार की ओर से पक्ष रखने के लिए वरिष्ठ पैनल लॉयरों की नियुक्ति कर दी है। यह नियुक्ति तीन साल के लिए होगी। विधि मंत्रालय ने बिलासपुर हाई कोर्ट से कहा है, पुराने पैनल लॉयर से केंद्र से संबंधित मुकदमों की फाइलें वापस लेकर इनको सौंप दें। विधि एवं न्याय मंत्रालय ने अपने आदेश में लिखा है, राष्ट्रपति ने अधिवक्ताओं को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर में केंद्र सरकार के मुकदमों (कर संबंधी मामलों को छोड़कर) का संचालन करने के लिए इस आदेश की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त किया गया है। **इनकी हुई नियुक्ति-** वरिष्ठ पैनल लॉयर-भूपेंद्र नारायण सिंह, रमाकांत पांडे, अन्नपूर्णा तिवारी, उमाकांत सिंह चंदेल, अजित कुमार सिंह, मनोज कुमार मिश्रा, सतीश गुप्ता, किशन लाल साहू, हेमंत केशरवानी, एमएस. अनमोल शर्मा, रूप राम, माने नाथ ठाकुर, अंकुर कश्यप, मांडवी भारद्वाज, हिमांशु पांडे, रघुवीर प्रताप सिंह, सागर सोनीर अजय कुमार पांडे, रविकर पटेल, प्रमोद श्रीवास्तव, पी. चेतन कुमार, अरविन्द पटेल, त्रिवेनी शंकर साहू, भारत कुमार गुलाबानी, प्रज्ञा पांडे, अभिषेक बंजारे, अमितेश कुमार पांडे, अंजू श्रीवास्तव, विद्या भूषण सोनी, अमन केशरवानी, शाल्विक तिवारी, सुचित्रा बाईस, सौरभ चौबे, अमन ताम्रकार।

कांग्रेस विधायक दल में सरकार को घेरने की बनी रणनीति

रायपुर। प्रदेश मुख्यालय राजीव भवन में कांग्रेस विधायक दल की बैठक में कांग्रेस विधायकों ने सदन में सरकार को घेरने की रणनीति तैयार की है, जिसमें धर्मांतरण विधेयक का विरोध भी शामिल है। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पूर्व सीएम भूपेश बघेल, पीसीसी चीफ दीपक बैज, उप नेता प्रतिपक्ष लखेश्वर बघेल और पूर्व मंत्री कवासी लखमा शामिल हुए। वहीं कांग्रेसियों ने विधायक लखमा को सत्र में शामिल होने की अनुमति देने के लिए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का आभार जताया।

कांग्रेस के सीनियर नेताओं ने बैठक के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए बजट सत्र की रणनीति को लेकर जानकारी दी। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस बजट सत्र में जनहित से जुड़े मुद्दों को आक्रामक ढंग से उठाएगी। उन्होंने धान खरीदी में कथित अव्यवस्था को सबसे बड़ा मुद्दा बताते हुए कहा, राज्य के इतिहास में ऐसी बदइंतजामी पहले कभी नहीं देखी गई। प्रदेश के किसान परेशानियों का सामना कर रहे हैं, यह मुद्दा सदन में जोरदार तरीके से उठाया जाएगा।

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड
नवरत्न कम्पनी
(भारत सरकार का उपक्रम)
वेबसाईट : www.ircon.org, CIN - L45203DL1976GOI008171

ईओआई सूचना

ईओआई सं.: IRCON/CO/S&T/BD/SECR/Raipur/EOI/2026 दिनांक : 23.02.2026

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड, रेल मंत्रालय के अंतर्गत एक नवरत्न पीएसयू द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु प्री–बिड पार्टनर/एसोसिएट एजेंसी/सब–कॉन्ट्रैक्टर के रूप में जुड़ने हेतु एस एंड टी अनुभवी एजेंसियों से खुली अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित की जाती है:–

"एसईसीआर की रायपुर डिवीजन में संबद्ध एस एंड टी, सिविल एवं विद्युत कार्यों सहित सी–केबिन, डी–केबिन, ई–केबिन, पी–केबिन, फ्रेट मेंनटेनेंस यार्ड, भिलाई एक्सचेंज यार्ड, तिल्दा और बैकुंठ स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग संस्थापनाओं के साथ पैनल इंटरलॉकिंग संस्थापनाओं का ईपीसी–प्रतिस्थापन।"

ईओआई की ई–निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समय	07.03.2026 17:30 बजे (आईएसटी) तक

अधिक जानकारी एवं अपडेट के लिए कृपया ई–टेंडर वेबसाइट https://etenders.gov.in/eprocure/app एवं https://www.ireps.gov.in/epsn/anonymSearch.do# पर निविदा खंड देखें। संशोधन/शुद्धि पत्र, यदि कोई होगा तो, केवल वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। मुख्य महाप्रबंधक/एस एंड टी, सी–4, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, साकेत, नई दिल्ली–110017

23- FEB- K&C- MAIN- Pg- 6 SODKU-D-VIDESH_Layout 1 2/24/2026 9:09 PM Page 1

15 मिलियन डॉलर का था ईनाम समर्थकों ने सड़कों पर किया खूनी तांडव

मैक्सिको में सेना ने बड़े ड्रग माफिया को मारा, देशभर में भड़का गृहयुद्ध

एजेंसी ▶▶| मैक्सिको सिटी

मैक्सिको में सेना ने रविवार को एक ऑपरेशन चलाकर देश के सबसे बड़े ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो को मार गिराया। इसके बाद देशभर में आगजनी और हिंसा शुरू हो गई है। मेंचो के समर्थकों ने बदला लेने के लिए हाईवे को जाम कर दिया है और गाड़ियों में तोड़फोड़ कर रहे हैं। अमेरिका के लिए सिरदर्द बन चुके इस अपराधी की मौत के बाद मैक्सिको के कई राज्यों में हिंसा की आग भड़क उठी है। उसकी मौत की खबर मिलते ही कार्टेल के सदस्यों ने बदला लेने के लिए कई शहरों में आगजनी और हमले शुरू कर दिए हैं। जालिस्को, मिचोआकन और गुआडालाजारा जैसे इलाकों में भारी हिंसा भड़क गई है। कार्टेल के सदस्यों ने कारों को आग लगाकर सड़कों को जाम कर दिया है ताकि सुरक्षा बल आगे न बढ़ सकें। इसके चलते आम लोग डर के चलते एयरपोर्ट से बाहर भाग रहे हैं। एयर कनाडा ने प्यूर्टो वालार्टा और गुआडालाजारा के लिए फ्लाइट्स सस्पेंड कर दी हैं और कस्टमर्स को अपने एयरपोर्ट पर न जाने की एडवाइस दी है।

भारत सरकार ने अपने नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी

मैक्सिको पर एक्शन लेने को दबाव बना रहे थे ट्रम्प

जालिस्को कार्टेल (सीजेएनजी) कार्टेल 2009 में बना था। एल मेंचो की लीडरशिप में यह मैक्सिको का सबसे बड़ा ड्रग नेटवर्क बन गया था। यह कोकीन, मेथामफेटामिन और हाल के वर्षों में फेंटानिल जैसी सिंथेटिक ड्रग्स अमेरिका भेजता था। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक मेंचो की मौत से मैक्सिको और अमेरिका के रिश्तों में सुधार हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प मैक्सिको पर दबाव बना रहे थे कि वह कार्टेल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे।

सेना ने चलाया था ऑपरेशन

तलपला शहर में सेना के ऑपरेशन के दौरान मेंचो वह घायल हो गया था। उसे एयरलिफ्ट कर मैक्सिको सिटी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इस ऑपरेशन में मेंचो के अलावा कम से कम और 9 अपराधी भी मारे गए हैं। एल मेंचो, जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल का लीडर था। जलिस्को कार्टेल मैक्सिको में ड्रग्स बनाने और बेचने, स्थानीय कारोबारियों से वसूली करने और कई इलाकों में लोगों को डराकर रखने के लिए कुख्यात रहा है। इस कार्टेल की मौजूदगी अमेरिका के 50 राज्यों में है। अमेरिकी सरकार ने अल मेंचो के ऊपर 136 करोड़ रुपए का इनाम रखा था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प काफी समय से मैक्सिको पर एल मेंचो पर एक्शन लेने का दबाव बना रहे थे।

भारतीय दूतावास ने जारी की एडवाइजरी

भारतीय दूतावास ने मैक्सिको में रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए सोमवार को एक परामर्श जारी किया जिसमें उनसे सावधानी बरतने और घरों के अंदर रहने का आग्रह किया गया है। मैक्सिको स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''मैक्सिको में रहने वाले सभी भारतीय नागरिकों को सूचित किया जाता है कि सुरक्षा अभियान जारी हैं और इससे जुड़े सड़क अवरोध एवं आपराधिक गतिविधियां हो रही हैं। भारतीय नागरिकों को अगले आदेश तक सुरक्षित स्थानों पर रहने का परामर्श दिया जाता है।' इमरजेंसी में 911 पर कॉल करें। भीड़ से बचें। अपने परिवार और दोस्तों को फोन, टेक्स्ट और सोशल मीडिया के जरिए अपनी लोकेशन और सेहत के बारे में बताते रहें। मदद के लिए कृपया भारतीय दूतावास से +52 55 4847 7539 पर संपर्क करें।

भारत सरकार ने जारी की एडवाइजरी

ईरान में जंग के हालात! भारतीयों से तत्काल देश छोड़ने की अपील

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने ईरान में रह रहे भारतीय लोगों के लिए एक नई गाइडलाइन जारी की है। मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार, 23 फरवरी को जारी की गई एक एडवाइजरी में ईरान में मौजूद अपने सभी नागरिकों से कहा कि वे किसी भी उपलब्ध ट्रांसपोर्ट के जरिए देश छोड़ दें। यह सलाह मिडिल ईस्ट में युद्ध के बढ़ते डर और तेहरान (ईरान) और वाशिंगटन (अमेरिका) के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई है। तेहरान में भारतीय दूतावास के अनुसार, नई एडवाइजरी 'ईरान में बदलते हालात को देखते हुए' जारी की गई है। एडवाइजरी में कहा गया है, '14 जनवरी 2026 की एडवाइजरी में दोहराया गया है कि सभी भारतीय नागरिकों और पीआईओएस को सावधानी बरतनी चाहिए, विरोध या प्रदर्शन वाली जगहों पर जाने से बचना चाहिए, ईरान में भारतीय दूतावास के संपर्क में रहना चाहिए और किसी भी डेवलपमेंट के लिए लोकल मीडिया पर नजर रखनी चाहिए।'

जंग के हालात

भारत की एडवाइजरी ऐसे समय सामने आई है, जब पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। अमेरिका ने अपने दो युद्धपोत ईरान के आसपास तैनात किए हुए हैं और साथ ही अपने लड़ाकू विमानों को भी पश्चिम एशिया में तैनात किया है। ईरान भी इस स्थिति से वाकिफ है और उसने अमेरिका के पश्चिम एशिया में मौजूद सैन्य ठिकानों पर हमले की धमकी दी है।

राशिफल

मेष मन अशान्त रहेगा। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों के साथ वाद-विवाद से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

वृष मन परेशान रहेगा। आत्मसंयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि होगी।

मिथुन मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। नौकरी में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

कर्क मन अशान्त रहेगा। मन में निराशा एवं असन्तोष भी हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा, परन्तु कुछ कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

सिंह आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित रहें। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यभार बढ़ सकता है।

कन्या नौकरी में कार्यभार बढ़ सकता है। आवेश के अतिरेक से बचें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। सहयोग मिलेगा।

तुला आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु मन अशान्त हो सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है।

वृश्चिक मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के क्रोध से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। खर्चों में वृद्धि होगी।

धनु व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार का साथ मिलेगा। विदेशी कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

मकर आत्म संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्च बढ़ेंगे।

कुंभ आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन में उतार-चढ़ाव भी रहेगा। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। पिता का साथ मिल सकता है।

मीन अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

भारत को मिलेगी चर्चित आयरन डोम की तकनीक!

नई दिल्ली। रक्षा क्षेत्र में भारत की 'आत्मनिर्भरता' को अब तक की सबसे बड़ी मजबूती मिलने वाली है। इजरायल के मुंबई स्थित महावाणिज्य दूत यानिव रेवाच ने संकेत दिया है कि पीएम मोदी की इजरायल यात्रा के दौरान दोनों देश अपने रक्षा समझौतों का विस्तार करेंगे। डील का हिस्सा इजरायल की मशहूर 'आयरन डोम' मिसाइल डिफेंस सिस्टम की तकनीक का हस्तांतरण हो सकता है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड

क्र. कार्यको/विज्ञा/क्रय/4162 कटघोरा दिनांक 23.02.2026

बिजली बन्द की सूचना

संचा/ संधा संभाग, छ.स्टे. पॉ. डिस्ट्री.क. लिमि, कटघोरा के सर्व संबंधित सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि 132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र छुरीखुर्द में 40 MVA 132/33 KV अतिरिक्त ट्रांसफार्मर (दूसरी ईकाई) की स्थापना कार्य कराये जाने के कारण निम्नलिखित फीडरों से संबंधित उपकेन्द्रों में दर्शाये गये तिथि को सम्बंधित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

Sr. No.	Name of EHV S/s	Name of FEEDER	Date & Time	प्रभावित क्षेत्र
1	132/33 KV S/s CHHURI-KHURD (132 KV Main Bus)	During S/d period all 33 KV emanating feeders (Chhuri, Pali, Bango & Binjhra)	26.02.2026 13:00 Hrs. to 17:00 Hrs. (4 Hrs.)	132 केव्ही उपकेन्द्र छुरी से निकलने वाले 33 केव्ही. छुरी, 33 केव्ही. बेलवाडीह, 33 केव्ही. चैतमा, 33 केव्ही पाली, 33 केव्ही. बागों, 33 केव्ही, बिंझरा, 33 केव्ही. जटगा. 33 केव्ही. बक्साही, 33 केव्ही. पोड़ी 33 केव्ही. लाफा, 33 केव्ही कोरबी, 33 केव्ही बांधाखार यथा सलोरा, मुढ़ाली, पोड़ी उपरोड़ा, लेपरा, पांथाकछार, गुरसियां, जटगा, कोरबी, सरमा, चोटिया, तुमान, सिंघिया, चैतमा, बांचाखार, पोड़ी, मुनगाडीह, लाफा, डुमरकछार, सीस, रमदेई, नुनेरा, तिवरता, नोनबिर्स, रंजना, रजकम्मा, ईरफ एवं आसपास के समस्त ग्राम।
			28.02.2026 13:00 Hrs. to 17:00 Hrs. (4 Hrs.)	

नोट:- आवश्यकतानुसार समय-सीमा में परिवर्तन किया जा सकता है। सम्माननीय उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिये खेद है।

संवाद- 46980 कार्यपालन यंत्री (सं/सं) संभाग, छ.रा.वि.वि.कं.मर्या. कटघोरा

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग

नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)
दूरभाष (का.) 0771-2439564, 0771-2331204,
वेबसाईट: www.psc.cg.gov.in

क्रमांक/GENS-2101/1142/2026/EXAM 1484
नवा रायपुर, दिनांक 16 FEB 2026

कोर्ट मैनेजर (मुख्य) परीक्षा 2025 के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना

कोर्ट मैनेजर (मुख्य) परीक्षा 2025 की लिखित परीक्षा दिनांक 19 अप्रैल 2026 (रविवार) को जिला रायपुर के निर्धारित परीक्षा केन्द्रो में आयोजित की जाएगी। उक्त परीक्षा की समय सारणी निम्नानुसार है :-

DATE	DAY	TIME
19.04.2026	SUNDAY	10.00 AM TO 01.00 PM

उक्त परीक्षा हेतु आयोग द्वारा प्रवेश पत्र परीक्षा तिथि के 10 दिवस पूर्व जारी किया जायेगा। अभ्यर्थी आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। आयोग द्वारा किसी भी अभ्यर्थी को पृथक से प्रवेश पत्र व्यक्तिशः नहीं भेजा जायेगा।

(परीक्षा नियंत्रक)
छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग,
नवा रायपुर, अटल नगर

जी. 252606826/2

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in (1st Call)

NIT NO: 2921/PWD/Zone-5/2026 RAIPUR DATED: 23-02-2026

Online bids are invited for the following works up to 17-03-2026 at 17:30 hours.

Sr. No.	System Tender No.	Name of work/Description of work	Probable amount of contract	Remark
1	186118	जोन क्र. 05 पं. दीनदयाल उपाध्याय वार्ड क्र. 40 विनायका विहार में सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	25.38Lacs	1st Call
2	186120	डॉ. खूबचंद बघेल, वार्ड क्र. 68 अंतर्गत गणपति नगर, डेयरी मोहल्ला, भरत किराना स्टोर्स, रूची रिया साड़ी स्टोर्स, सांस्कृतिक भवन के पीछे किरण ब्यूटी पार्लर, शर्मा आटा चक्की, महादेव नगर के विभिन्न क्षेत्रों में पाईप लाईन विस्तार।	29.51Lacs	1st Call
3	186121	जोन क्र. 05, भक्तमाता कर्मा वार्ड क्र. 67 अंतर्गत पी.एस. सिटी, साकेत विहार, मैप्पल ग्रीन के क्षेत्र में 100 एमएम पाईप लाईन का विस्तार कार्य।	33.89Lacs	1st Call
4	186122	वार्ड क्र. 40 अंतर्गत सेक्टर 02 के विभिन्न क्षेत्रों में रोड, नाली एवं पुलिया मरम्मत एवं निर्माण कार्य।	13.47Lacs	1st Call
5	186124	महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड क्र. 42 अंतर्गत शक्ति चौरा, सोनकर पारा में रोड़, नाली एवं पुलिया निर्माण मरम्मत कार्य।	10.00Lacs	1st Call

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 24.02.2026 10:30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: - 1. All eligible (i.e. Registration, G.S.T./ PAN card/ ITR /Commercial Tax current/ Current Revenue Solvency) and interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal. 2.Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को साफाई मित्र (वाहन) को दें

ZONE COMMISSIONER, ZONE - 5
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग

नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)
दूरभाष (का.) 0771-2439564, 0771-2331204,
वेबसाईट: www.psc.cg.gov.in

क्रमांक/2101/1142/2026/EXAM /1485
नवा रायपुर, दिनांक 16 FEB 2026

कोर्ट मैनेजर (मुख्य) परीक्षा 2025 के आयोजन की संक्षिप्त सूचना

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा विज्ञापन क्रमांक 03/2025/परीक्षा/दिनांक 25/09/2025 द्वारा कोर्ट मैनेजर परीक्षा-2025 हेतु विज्ञापन जारी किया गया था। परीक्षा के अगले चरण में कोर्ट मैनेजर (मुख्य) परीक्षा 2025 का आयोजन दिनांक 19.04.2026 को किया जाना है। मुख्य परीक्षा में शामिल होने हेतु अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है। कोर्ट मैनेजर (प्रारंभिक) परीक्षा 2025 के आधार पर मुख्य परीक्षा हेतु चिन्हांकित अभ्यर्थी दिनांक 16.02.2026 से 02.03.2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन संबंधी जानकारी तथा कोर्ट मैनेजर (मुख्य) परीक्षा 2025 के आयोजन की सूचना आयोग की वेबसाइट www.psc.cg.gov.in पर उपलब्ध है, साथ ही रोजगार एवं नियोजन के आगामी अंक में भी उक्त जानकारी का अवलोकन किया जा सकता है।

(परीक्षा नियंत्रक)
छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग,
नवा रायपुर, अटल नगर

जी. 252606828/2

कार्यालय, प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मण्डी) बोर्ड
"सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन" सेक्टर-24, कयाबांधा, अटल नगर, नवा रायपुर-492018
फोन-0771-2990592, email-mdcgmandiboard@gmail.com, website-www.agriportal.cg.nic.in

क्र./बी-6/सूरजपुर मंडी/70/25-26/8629 रायपुर, दिनांक 20/02/2026

ई-प्रोक्यूरमेंट (द्वितीय) निविदा आमंत्रण सूचना
Main Portal:http://eproc.cgstate.gov.in

कृषि उपज मंडी समिति सूरजपुर जिला सूरजपुर अंतर्गत छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड द्वारा ऑनलाईन निविदाएँ छ.ग. लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत, सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से प्रपत्र 'अ' प्रतिशत दर पर अधोलिखित निर्माण कार्यों हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :-

ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि-10.03.2026 फिजिक्ल सबमिशन की अंतिम तिथि-17.03.2026

क्र.	कार्य का नाम / स्थल	अनुमानित लागत (लाख में)	एस.ओ.आर विवरण
1	वि.स. क्षेत्र भटगांव कृषि उपज मंडी समिति सूरजपुर क्षेत्रान्तर्गत धान उपार्जन केन्द्र कसलगिरी, लटोरी, कमलपुर, जयनगर, खोपा में अहाता एवं कमलपुर में 02 नग कव्हर्ड शेड निर्माण। (द्वितीय आमंत्रण)	145.69	लो.नि.वि. भवन कार्य हेतु दिनांक 01.01.2015 से प्रभावशील एस.ओ.आर. पर।

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य एवं विशेष शर्तें, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in वेबसाईट पर निर्धारित तिथि तक देखें जा सकते है।

सही/-
सचिव-कृषि उपज मंडी समिति
सूरजपुर जिला सूरजपुर

सही/-
भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मंडी समिति सूरजपुर जिला सूरजपुर

संवाद-46985

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग, कार्यालय कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग क्र. 2, रामानुजगंज,

Main Portal: http://cgeprocurement.gov.in
WRD Portal: wrd.cgeprocurement.gov.in

शुद्धि पत्र क्र. 1

निम्नलिखित योजनाओं के निविदा में निम्नानुसार आंशिक संशोधन कर पढ़ा जावे। जिसका "जी" नं. 252606756 एवं 252606757 है।

स. क्र.	कार्य का नाम / एन.आई.टी. नं./ सिस्टम नं.	वेब साइट पर निविदा देखने का दिनांक		कार्य की अनुमानित लागत (राशि रू. लाख में)	
		पूर्व दर्शित दिनांक	संशोधित दिनांक	पूर्व दर्शित राशि	संशोधित राशि
1	हरीगवां जलाशय योजना के जीणोद्धार कार्य, निविदा सूचना क्र. 15/व.ले.लि./ 2025-26, दिनांक 17.02.2026, सिस्टम नं. 185756	06.03.2026	24.02.2026	251.28 लाख	245.51 लाख
2	सरुवत जलाशय योजना का शीर्ष कार्य का जीर्णोद्धार कार्य, निविदा सूचना क्र. 16/व.ले.लि./ 2025-26, दिनांक 17.02.2026, सिस्टम नं. 185757	06.03.2026	24.02.2026	-	-

नोट:- निविदा की शेष शर्तें यथावत रहेंगी।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग क्र. 2, रामानुजगंज
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
कृते - मुख्य अभियंता, हसदेव गंगा कछार
जल संसाधन विभाग, अम्बिकापुर
जिला-सरगुजा (छ.ग.)

जी. 252606834/4

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय
पुराना धमतरी रोड, सेज बहार, रायपुर (छ.ग.) 492015
दूरभाष नं. 0771-2103147, website:www.gecraipur.ac.in,
E-mail-principal@gecraipur.ac.in

क्रमांक / GECR/स्था.राज./2026/3399 रायपुर दिनांक: 18/02/2026

// विज्ञापन //

शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, रायपुर में अंशकालीन व्याख्याता के रूप में इलेक्ट्रानिक्स एवं टेलीकम्यूनिकेशन, इलेक्ट्रीकल एवं इलेक्ट्रानिक्स, तथा कम्प्यूटर साइंस, के लिये अध्यापन कार्य हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों से दिनांक 23.03.2026 कार्यालयीन समय 5.00 सायंकाल तक आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। अंशकालीन व्याख्याता के लिये शैक्षणिक अर्हता अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अनुरूप होगी। चयन के लिये पात्र अभ्यर्थी अपने समस्त मूल दस्तावेज, एक सेट की अभिप्रमाणित छायाप्रति एवं दो फोटो लेकर दिनांक 02.04.2026 को 11.00 बजे प्रातः कार्यालय में उपस्थित होंवे। शासन के आदेशानुसार अंशकालीन व्याख्याता को रूपये 800/- प्रति पीरियड की दर से मानदेय (अधिकतम 56100/- रूपये प्रतिमाह) का भुगतान किया जायेगा। पात्र अभ्यर्थियों की सूची संस्था के बेबसाइट WWW.gecraipur.ac.in में उपलब्ध होगी। अभ्यर्थी आवेदन का प्रारूप कार्यालयीन समय में कार्यालय अथवा संस्था की वेबसाईट से प्राप्त कर सकेगें। ऑन लाइन/ई-मेल के माध्यम से आवेदन स्वीकार्य नहीं किये जायेंगे। नियुक्ति के संबंध में प्राचार्य शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, रायपुर का निर्णय अंतिम व बंधनकारी होगा।

चयन हेतु संस्था में उपस्थित होने हेतु कोई भी यात्रा भत्ता देय नहीं होगा। अनुपस्थित अभ्यर्थी चयन प्रकिया में सम्मिलित नहीं किये जायेंगे।

प्राचार्य
शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय
रायपुर, (छ.ग.)

जी. 252606855/2

आम सूचना

मेसर्स शुभम ब्रिक्स, प्रोप. श्री आशाराम साईतोडे, पिता श्री कल्याण सिंह, निवासी-68, बस्तीपारा, सिलतरा, रायपुर, (छ.ग.) को सीएसआईडीसी लिमिटेड द्वारा औद्योगिक क्षेत्र-सिलतरा फेस-2, जिला-रायपुर (छ.ग.) में भूखण्ड क्रमांक 115, रकबा 13,427 वर्गफीट (0.308 एकड़) भूमि का आबंटन किया जाकर पट्टाभिलेख दिनांक 03/09/2013 को किया गया।

इकाई द्वारा निष्पादित पट्टाविलेख की कंडिकाओं का उल्लंघन करने के कारण भूमि निरस्तीकरण आदेश क्रमांक जिव्याउके-रा/भू.आ./2025/14, दिनांक 07/01/2025 द्वारा भूमि आबंटन आदेश एवं पट्टाभिलेख निरस्त किया गया था। निरस्तीकरण आदेश के विरूद्ध इकाई द्वारा कोई अभ्यावेदन प्रस्तुत नहीं किया गया है।

पत्र क्रमांक सीएसआईडीसी/भू.आ./2025/2505 दिनांक 18/06/2025 के द्वारा "छत्तीसगढ़ औद्योगिक भूमि एवं भवन प्रबंधन नियम-2015" (यथा-संशोधित) में प्रावधानित नियमानुसार उक्त भूखड पर निर्मित परिसम्पत्तियों को 01 माह के भीतर हटाकर निरस्त भूखण्ड का आधिपत्य कार्यालय को सौपने हेतु जारी किया गया है, जिसमें नियमानुसार एकपक्षीय आधार पर पंचनामा बनाकर भूखण्ड का आधिपत्य प्राप्त करने की कार्यवाही की जावेगी का लेख किया गया था।

अतः "छत्तीसगढ़ औद्योगिक भूमि एवं भवन प्रबंधन नियम-2015" (यथा-संशोधित) प्रावधानित नियमानुसार पूर्व में जारी भूमि-निरस्तीकरण आदेश को प्रभावशील मानते हुये भूमि का आधिपत्य पंचनामा के माध्यम से प्राप्त किये जाने की कार्यवाही की जा रही है, यदि पंचनामा कार्यवाही पर किसी व्यक्ति/कार्यालय/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर लिखित में मय अभिलेखों में अधोहस्ताक्षकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते है। अन्यथा नियमानुसार एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए भूमि का आधिपत्य प्राप्त कर लिया जाएगा एवं इस संबंध में कोई दावा स्वीकार योग्य नहीं होगा।

(ए.एच. यजदानी)
मुख्य महाप्रबंधक (भू-आबंटन)
सी.एस.आई.डी.सी

सं. 46982

शब्द पहेली - 6148

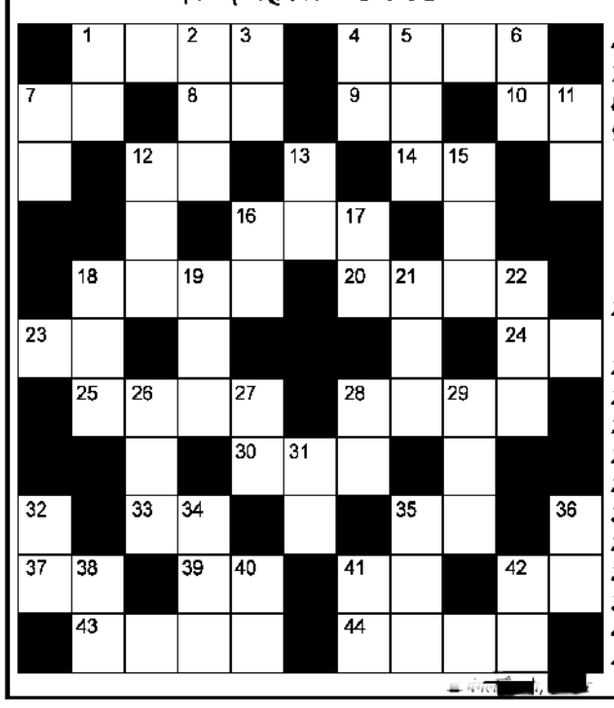

बाएँ से दाए-
1. सुरक्षित-4
4. माहुर,आलता-4
7. कार्य,काज-2
8. रांझे की प्रेमिका-2
9. स्याही,कालिख-2
10. भूमि,धरा-2
12. ठाठ-बाट-2
14. अधर,होठ-2
16. विशाल,श्रेष्ठ-3
18. आदेश,आज्ञा-4
20. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23. काका की पत्नी-2
24. कामदेव की पत्नी-2
25. जनवासा,हरम-4
28. हमसफर-4
30. कपड़े धोने वाला-3
33. आनंद,मौज-2
35. संदेह-2
37. सरूर,खुमार-2
39. मृत्यु का देवता-2
41. पुण्य का विलोम-2
42. परछाई,छाया-2
43. शिव,रुद्र,शंकर-4
44. सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे
1. समान,एक जैसा-2
2. बारीक-3
3. भीगा हुआ-2
4. मेरा (संस्कृत-2)
5. पाना,प्राप्त-3
6. घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11. उद्देश्य-2
12. गजल लिखनेवाला-3
13. उस जगह-2
15. बारिश,वर्षा-3
16. जी,चित-2
17. मर्द,आदमी-2
18. दरवेश-3
19. मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21. साजन,प्रेमी-3
22. मुलायम-3
26. कायदा,कानून-3
27. महोदय (अंग्रेजी)-2
28. अधिकार-2
29. खटखटाना-3
31. जगत,दुनिया-2
32. प्राण,जीव-2
34. स्वाद-3
35. प्रतिज्ञा-3
36. शरीर,तन-2
38. संध्या,सांझ-2
40. अपशिष्ट पदार्थ-2
41. मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42. संग,संगत-2

शब्द पहेली -6147 का हल

सूडोकु नवताल- 6158

मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6157 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

खबर संक्षेप

आरबीआई ने ओडिशा में बनाया उच्च सुरक्षा वाला डेटा सेंटर

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने देश की महत्वपूर्ण वित्तीय बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और मुख्य प्रणालियों की निरंतरता बनाए रखने के उद्देश्य से ओडिशा में एक उच्च सुरक्षा वाला डेटा सेंटर बनाया है। यह केंद्र संभावित सीमापार खतरों और भूकंप जोखिम वाले क्षेत्रों से दूर रणनीतिक रूप से स्थित है।

महागुन के खिलाफ दिवाला कार्यवाही होगी वापस

नई दिल्ली। अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी महागुन के खिलाफ दिवाला कार्यवाही को वापस लेने का निर्देश दिया है। यह निर्देश कंपनी और उसके वित्तीय ऋणदाता के बीच समझौता होने के बाद आया है। महागुन और आईडीबीआई ट्रस्टीशिप के बीच 12 फरवरी, 2026 को हुए समझौते को रिकॉर्ड पर लिया।

रुपया सात पैसे बढ़कर 90.87 प्रति डॉलर पर

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया सात पैसे बढ़कर 90.87 (अस्थायी) पर बंद हुआ। नई अनिश्चितताओं के बीच कमजोर डॉलर की वजह से रुपये में तेजी आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी कोषों की निकासी और भू-राजनीतिक चिंताओं ने रुपये की तेजी को सीमित कर दिया।

यस बैंक को संपत्ति पर प्रतिफल एक फीसदी होने की उम्मीद

नई दिल्ली। सुधार के रास्ते पर अग्रसर निजी क्षेत्र के ऋणदाता यस बैंक को 2025-26 के अंत तक अपनी संपत्ति पर प्रतिफल एक प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। बैंक के सीएफओ निरंजन बनोडकर ने यह जानकारी दी। आरओए लाभप्रदता का एक पैमाना है, जो यह मापता है कि कोई बैंक मुनाफा कमाने के लिए अपनी संपत्ति का कितनी कुशलता से उपयोग कर रहा है।

तेल-गैस क्षेत्र में बोली लगाने की अंतिम तिथि बढ़ाई गई

नई दिल्ली। सरकार ने विशेष कोल-बेड मीथेन और खोजे गए छोटे क्षेत्रों के लिए बोली लगाने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। सरकार के इस फैसले से निवेशकों को तेल और गैस नियमों में हाल के बदलावों पर विचार करने के लिए अतिरिक्त समय मिल गया है। संभावित गैस के लिए प्रस्तावित 13 ब्लॉक या क्षेत्रों की बोलियां अब तीन मार्च को बंद होंगी। इन ब्लॉक में झारखंड और पश्चिम बंगाल में एक-एक ब्लॉक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा में दो-दो ब्लॉक और तेलंगाना में तीन ब्लॉक शामिल हैं।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर की जगह नहीं लेगा एआई, बढ़ाएगा कौशल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन के अध्यक्ष ब्रैड स्मिथ ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) सॉफ्टवेयर इंजीनियर या सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) पेशेवरों की जगह नहीं लेगी, बल्कि उनके कौशल और रचनात्मकता को बढ़ाएगी। उन्होंने यह बात प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नौकरी छूटने की बढ़ती आशंकाओं पर कही।

- माइक्रोसाफ्ट का उद्देश्य लोगों को और कुशल बनाना

स्मिथ ने बातचीत में बताया कि माइक्रोसॉफ्ट का लक्ष्य ऐसी प्रौद्योगिकी विकसित करना है जो लोगों को और अधिक कुशल बनाए। उन्होंने कहा कि एआई दोहराए जाने वाले कोडिंग काम संभाल सकता है, जिससे डेवलपर उत्पाद डिजाइन, सिस्टम आर्किटेक्चर, टेस्टिंग और सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकें। इससे सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग का पेशा और रोचक और चुनौतीपूर्ण बनेगा।

माइक्रोसाफ्ट के अध्यक्ष ने नौकरी छूटने की बढ़ती आशंका पर कहा

एआई नौकरियों में कमी नहीं लाएगा

ब्रैड स्मिथ ने कहा कि एआई नौकरियों में कमी नहीं लाएगा, बल्कि पेशेवरों के काम को रचनात्मक एवं बेहतर बनाएगा। इससे कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ेगी और उनके वेतन में सुधार होगा। उन्होंने उन प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के दिग्गजों के प्रति नाराजगी जताई, जो केवल इंसानों से स्मार्ट मशीनें बनाने पर ध्यान देते हैं।

हमारा लक्ष्य लोगों को स्मार्ट बनाना

स्मिथ ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट का मुख्य उद्देश्य ऐसी मशीनें बनाना है जो लोगों की क्षमता को बढ़ाने में मदद करें। स्मिथ ने कहा, ''हमें हमेशा खुद से पूछना चाहिए कि हमारा लक्ष्य क्या है। मशीनें स्मार्ट होती जाएं, यह ठीक है, लेकिन हमारा सबसे बड़ा लक्ष्य लोगों को स्मार्ट बनाना है।'

एआई 22 भाषाओं का अनुवाद कर सकता है

अध्यक्ष ने बताया कि एआई का सबसे बड़ा फायदा तब है जब यह मानव संवाद, पढ़ाई और सुनने-समझने की क्षमता को बेहतर बनाए। भारत में सरकारी अधिकारियों के साथ हुई चर्चाओं का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि एआई 22 भारतीय भाषाओं का अनुवाद करके लोगों के बीच संवाद और समझ बढ़ाने में मदद कर सकता है।

एआई का उपयोग पेशेवरों को बेहतर बनाने पर

स्मिथ ने जोर देकर कहा, ''हम एआई का उपयोग सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की जगह लेने के लिए नहीं कर रहे, बल्कि सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की कला को उन्नत बनाने और पेशेवरों को बेहतर बनाने के लिए कर रहे हैं।'' स्मिथ ने कहा कि भविष्य की नौकरियों के लिए कौशल में सुधार और तालमेल बनाना जरूरी है। इससे पेशेवरों की मांग बढ़ेगी और वे बेहतर वेतन पाने के योग्य होंगे।

आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल को किया संबोधित

बैंक गलत तरीके से बीमा उत्पाद बेचना बंद करें अपने मुख्य कारोबार पर ध्यान दें: सीतारमण

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों द्वारा बीमा सहित वित्तीय उत्पादों की गलत तरीके से बिक्री पर कड़ा रुख अपनाते हुए सोमवार को कहा कि उन्हें (बैंकों को) अपने मुख्य कारोबार पर ध्यान देना चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के केंद्रीय निदेशक मंडल को बजट के बाद संबोधित करने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत में सीतारमण ने कहा, बैंकों को अपने मुख्य कारोबार पर ध्यान देना चाहिए।

वित्त मंत्री ने कहा, मैंने हमेशा से इस बात पर आपत्ति जतायी है कि आप उस बीमा को बेचने में अधिक समय लगा रहे हैं जिसकी आवश्यकता ही नहीं है और यह मामला आरबीआई और बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के बीच फंसा रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्राहक को भ्रामक जानकारी देकर उत्पाद की बिक्री पर दिशानिर्देशों का मसौदा 11 फरवरी को जारी किया था।

चार मार्च तक सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी गई

मसौदे में कहा गया है कि यदि किसी ग्राहक को गलत तरीके से उत्पाद या सेवा दी जाती है, तो बैंक को ग्राहक द्वारा चुकाई गई पूरी राशि लौटानी होगी और स्वीकृत नीति के अनुसार हुए नुकसान की भरपाई भी करनी होगी। इस पर चार मार्च तक सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी गई हैं। आरबीआई ने कहा कि गलत तरीके से बिक्री पर कड़े नियम एक जुलाई से लागू होंगे।

आरबीआई स्पष्ट निर्देश दे रहा

सीतारमण ने कहा, ''मुझे खुशी है कि आरबीआई यह स्पष्ट मार्गदर्शन दे रहा है कि गलत तरीके से बिक्री क्यों बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संदेश, बैंकों तक जाना चाहिए कि आप गलत बिक्री नहीं कर सकते। यह शब्द 'गलत बिक्री', किसी को ठेस पहुंचाने के बजाय, शब्दकोश में एक और शब्द बनकर रह गया है। उन्होंने कहा कि कई मामलों में बैंक ग्राहकों को बीमा उत्पाद खरीदने के लिए कहते हैं जबकि उनके पास पहले से आवश्यक बीमा होता है।

- वित्त मंत्री ने कहा, मैंने हमेशा इस बात पर आपत्ति जताई
- बैंक बीमा को बेचने में अधिक समय लगा रही जिसकी जरूरत नहीं
- आरबीआई ने बिक्री पर दिशा निर्देश 11 फरवरी को जारी किया था

अतिरिक्त बीमा लेने क्यों कहा जाता है

आरबीआई यह सोचकर ऐसे मामलों की निगरानी नहीं कर रहा था कि यह बीमा नियामक के दायरे में आता है। इरडा का मानना था कि बैंक उसके प्रत्यक्ष नियमन में नहीं आते। इस नियामकीय अंतर के कारण ग्राहकों को नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब कोई व्यक्ति अपनी संपत्ति गिरवी रखकर गृह ऋण लेता है, तो उससे अतिरिक्त बीमा लेने को क्यों कहा जाता है जबकि जोखिम पहले से 'कवर' होता है।

बैंक कारोबारी चक्र को समझने पर ध्यान दे

सीतारमण ने दोहराया कि बैंकों को अपने ग्राहकों की जरूरतों, उनकी वित्तीय स्थिति एवं कारोबारी चक्र को समझने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि बैंकों का मुख्य कार्य जमा जुटाना एवं ऋण देना है। गैर-बैंकिंग उत्पाद बेचने के बजाय उन्हें कम लागत वाली जमा या कासा (चालू खाता बचत खाता) आधार को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए।

जमा वृद्धि दर 12.5 प्रतिशत

आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि बैंकिंग प्रणाली में जमा वृद्धि लगभग 12.5 प्रतिशत है जबकि ऋण वृद्धि दर 14.5 प्रतिशत के आसपास है। मल्होत्रा ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) आगे की नीतिगत दरों में कटौती पर निर्णय वृद्धि और मुद्रास्फीति की स्थिति को देखते हुए करेगी।

सोने के आयात पर कड़ी नजर, चिंता की कोई बात नहीं

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंकों की भारी खरीदारी के कारण सोने की कीमतों में तेजी आई है। उन्होंने कहा कि सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सोने के आयात पर कड़ी नजर रखे हुए हैं, हालांकि स्थिति अभी ''चिंताजनक स्तर'' पर नहीं पहुंची है। भारत का सोना आयात अप्रैल-दिसंबर, 2025 के दौरान मूल्य के लिहाज से लगभग एक अरब डॉलर बढ़कर 50 अरब डॉलर हो गया। वहीं जनवरी में सोने के आयात के मूल्य और मात्रा, दोनों में अचानक वृद्धि देखी गई है जिसकी समीक्षा केंद्रीय बैंक कर रहा है।

खाद्य उत्पादों में मिलावट पर रोक लगाने की मांग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- राज्य मिलावट पर सख्त कार्रवाई करे
- राज्य खाद्य आयुक्तों से निगराना बढ़ाने कहा गया

होली त्योहार से पहले खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने राज्य खाद्य आयुक्तों से निगरानी बढ़ाने और दूध उत्पादों और खाद्य तेल में मिलावट के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है। राज्य खाद्य आयुक्तों को लिखे पत्र में भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने कहा कि आगामी होली त्योहार के दौरान मिठाई, नमकीन, खाद्य तेल और दूध एवं दुग्ध उत्पादों (जैसे घी, खोआ, पनीर, आदि) और अन्य खाद्य पदार्थों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। इसमें कहा गया है कि मांग में इस वृद्धि से मिलावट की संभावना बढ़ती है। मिलावटी और असुरक्षित खाद्य उत्पादों, अर्थात - दूध और दुग्ध उत्पाद, मिठाइयां, नमकीन और पापड़, खाद्य तेल एवं घी, अनाज एवं अनाज उत्पाद आदि'' के प्रसार को रोकने के लिए निगरानी और प्रवर्तन कार्यों को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

त्योहारी अवधि में हॉट स्पाट चिन्हित करे

एफएसएसएआई ने राज्य खाद्य आयुक्तों को त्योहारी अवधि के दौरान ''होली-मिलावट विरोधी अभियान - 2026'' के हिस्से के रूप में अपने प्रवर्तन अधिकारियों को अपने संबंधित क्षेत्रों में निरीक्षण और नमूने लेने का निर्देश देने के लिए कहा। इन अभियानों को चिन्हित हॉट स्पॉट और संवेदनशील स्थानों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

निर्यात सहायता योजना में शुल्क लाभ की दरों में 50 प्रतिशत तक की कटौती

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सरकार ने सोमवार को निर्यात सहायता योजना 'आरओडीटीईपी' के तहत दिए जाने वाले शुल्क लाभ की दरों में 50 प्रतिशत की कटौती कर दी, जिसके बाद निर्यातक समुदाय ने इस निर्णय पर पुनर्विचार की मांग की है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की एक अधिसूचना के मुताबिक, निर्यातित उत्पादों पर शुल्क व करों की वापसी (आरओडीटीईपी) योजना के तहत लागू दरें और मूल्य-सीमा तत्काल प्रभाव से मौजूदा दरों के 50 प्रतिशत तक सीमित रहेंगी। इस योजना के तहत अब तक 0.3 प्रतिशत से लेकर 3.9 प्रतिशत तक कर एवं शुल्क की वापसी दी जाती थी। सरकार ने यह योजना वर्ष 2021 में शुरू की थी। इसका उद्देश्य निर्यातकों को विनिर्माण एवं वितरण प्रक्रिया के दौरान लगने वाले उन करों, शुल्कों एवं उपकरों की भरपाई करना है, जो केंद्र, राज्य या स्थानीय स्तर पर किसी अन्य व्यवस्था के तहत वापस नहीं किए जाते।दरों और मूल्य सीमा में 50 प्रतिशत की कटौती ऐसे समय में की गई है, जब भारतीय निर्यात वैश्विक मांग में सुस्ती, बढ़ती अनिश्चितता और संरक्षणवादी नीतियों जैसी चुनौतियों का पहले से ही सामना कर रहे हैं।

- निर्यातक समुदाय ने इस निर्णय पर पुनर्विचार की मांग की
- योजना में 0.3 प्रतिशत से 3.9 प्रतिशत तक शुल्क की वापसी दी जाती थी

व्यापार घाटा तीन माह के उच्च स्तर पर

रत्नेह ने कहा, /"हम सरकार से इस निर्णय पर पुनर्विचार का अनुरोध करते हैं।/" सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी महीने में देश का निर्यात 0.61 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 36.56 अरब डॉलर रहा, जबकि व्यापार घाटा बढ़कर तीन महीने के उच्च स्तर 34.68 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

बायोगैस मिश्रण पर उत्पाद शुल्क छूट से बढ़ेगा निवेश...

नई दिल्ली। संपीडित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) में मिलाई जाने वाली बायो-गैस पर प्रस्तावित उत्पाद शुल्क छूट और एक स्पष्ट नीतिगत दिशा से देश में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करने में मदद मिल सकती है। इंडियन बायो-गैस एसोसिएशन (आईबीए) ने यह बात कही। आईबीए ने बयान में कहा कि सरकार ने हाल ही में घोषित आम बजट 2026-27 में सीएनजी के साथ मिश्रित संपीडित बायो-गैस (सीबीजी) पर उत्पाद शुल्क में छूट प्रदान की है। यह 2070 तक ''शुद्ध शून्य उत्सर्जन'' लक्ष्य की ओर भारत के ऊर्जा बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बयान के अनुसार, यदि देश भर में शहरी गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क अगले पांच वर्षों में केवल पांच प्रतिशत बायो-गैस मिश्रण का स्तर भी हासिल कर लेते हैं, तो इसके लिए सालाना लगभग 25-30 लाख टन सीबीजी की आवश्यकता होगी।

तूतीकोरिन के वीओसी पर परियोजना की शुरूआत

तूतीकोरिन (तमिलनाडु)। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सोमवार को तूतीकोरिन के वी.ओ. चिदंबरनार बंदरगाह पर 1,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को पेश किया। इनका मकसद बंदरगाह बुनियादी ढांचे का उन्नयन करना, स्वच्छ परियोजनायें लगाना और नए जमाने की प्रौद्योगिकी को अपनाना है। इन निवेश से तूतीकोरिन के वी.ओ. चिदंबरनार पोर्ट (वीओसी बंदरगाह) को तमिलनाडु का एक बड़ा 'ट्रांसशिपमेंट हब' बनने में मदद मिलेगी, जिससे समुद्री रास्तों से क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय संपर्क बढ़ेगा।

UCO BANK (A Govt. of India Undertaking) Zonal Office, Telibandha, Raipur (C.G.) Email: zoraipur.rec@ucobank.co.in

Empanelment of Recovery Agent / Enforcement Agent

Applications from eligible Individuals/Institutions/Agencies /LLP/Companies etc. are invited for "Empanelment as Recovery Agent/Enforcement Agent" for our **Zonal Office Raipur** and Branches under **Zonal Office Raipur**. The eligible applicants can submit an advance copy of their application and other required documents at UCO Bank, Zonal Office, Raipur latest **by or within 05.00 PM on 27.02.2026** For eligibility and other details, please visit our website: **https://www.uco.bank.in** under "Tender/Notices".

Zonal Manager
Zonal Office Raipur

Date: 21.02.2026

शुल्क पर अमेरिकी अदालत के फैसले से शेयर बाजार उत्साहित

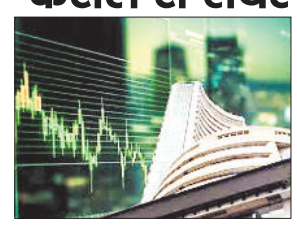

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अमेरिका में व्यापक शुल्क आदेश रद्द होने से उपजी सकारात्मक धारणा के बीच सोमवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, वाहन और वित्तीय शेयरों में लिवाली से घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 480 अंक चढ़ गया, जबकि निफ्टी में 142 अंक की तेजी दर्ज की गई। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिकी उच्चतम न्यायालय की तरफ से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पिछले साल जारी व्यापक शुल्क आदेशों को अवैध घोषित कर दिए जाने के बाद निवेशक धारणा में सुधार देखा गया।बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 479.95 अंक यानी 0.58 प्रतिशत चढ़कर 83,294.66 अंक पर बंद हुआ।कारोबार के दौरान एक समय यह 671.44 अंक चढ़कर 83,486.15 अंक तक पहुंच गया था।

चांदी 8,000 रुपए चढ़ी और सोना 3,300 रुपए मजबूत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के शुल्क के खिलाफ अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद बढ़ती वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के बीच मजबूत सुरक्षित-निवेश की मांग के कारण सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

इस दौरान चांदी 2.7 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई जबकि सोना 1.6 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी शुक्रवार के

2,64,000 रुपये प्रति किलोग्राम के बंद स्तर से 8,000 रुपये या 3.03 प्रतिशत चढ़कर 2,72,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 3,300 रुपये या 2.06 प्रतिशत बढ़कर 1,62,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। पिछले बाजार सत्र में यह 1,59,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी और सोने में सोमवार को तेजी की गति बनी रही। दोनों धातुएं तीन सप्ताह के उच्चतम स्तर पर कारोबार कर रही थीं, जिसे नए सिरे से सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ने का समर्थन मिला। ट्रंप के शुल्क के खिलाफ अमेरिकी अदालत के ऐतिहासिक फैसले के बाद आई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने शनिवार को वैश्विक शुल्क दर को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की घोषणा करके अपने व्यापार एजेंडा को बनाए रखने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम)
(छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल की उत्तरवर्ती कंपनी)

बिजली बंद की सूचना

सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है, कि 33/11 के.व्ही. लखनपुर उपकेन्द्र में स्थापित 3.15 एम.व्ही.ए. पॉवर ट्रांसफार्मर के स्थान पर उच्च क्षमता 5 एम.व्ही.ए.का पॉवर ट्रांसफार्मर दिनांक 24.02.2026 दिन मंगलवार को लगना प्रस्तावित है, जिसके कारण लखनपुर उपकेन्द्र से निकलने वाले समस्त 11 के0व्ही0 फीडर की विद्युत आपूर्ति प्रातः 8.00 बजे से सांय 10.00 बजे तक बाधित रहेगी।

सम्माननीय उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिए खेद है।

नोट- आवश्यकतानुसार समयावधि घटाई या बढ़ाई जा सकती है।

-स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचाएँ-

"विद्युत चोरी दण्डनीय अपराध है"

कार्यपालन अभियंता (सं/सं) संभाग
छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लिमि.अंबिकापुर

कार्यालय नगर पालिका परिषद् बांकीमोंगरा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

क्रमांक/317/ न.पा.प./निर्माण/2025-26 बांकीमोंगरा, दिनांक :-20.02.2026

मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिका परिषद् बांकीमोंगरा जिला कोरबा द्वारा अग्रलिखित कार्यों हेतु एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी "डी" या अधिक में पंजीकृत ठेकेदारों से C.G. PWD Road SOR 01.01.2025 & C.G. PWD Building SOR 01.01.2015 से प्रभावशील दर (कम या अधिक या समान) पर त्रिलिफाफा पद्धति से मुहरबंदनिविदा पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में निविदा आमंत्रित की जाती है।

प्रथम आमंत्रण सरल क्रमांक 01 से 23 तक के कार्यों के लिए निविदा समयावधि

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	-	02.03.2026 शाम 5.30 बजे तक।
2. कार्यालय से निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की तिथि	-	09.03.2026 शाम 5.30 बजे तक।
3. पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट द्वारा कार्यालय में निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथि	-	18.03.2026 शाम 3.00 बजे तक।
4. निविदा खुलने की तिथि	-	18.03.2026 शाम 4.00 बजे

द्वितीय आमंत्रण सरल क्रमांक 24 से 25 तक के कार्यों के लिए निविदा समयावधि

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	-	27.02.2026 शाम 5.30 बजे तक।
2. कार्यालय से निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की तिथि	-	02.03.2026 शाम 5.30 बजे तक।
3. पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट द्वारा कार्यालय में निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथि	-	10.03.2026 शाम 3.00 बजे तक।
4. निविदा खुलने की तिथि	-	10.03.2026 शाम 4.00 बजे

स. क्र.	कार्य का विवरण/मद का नाम (सरल क्रमांक 01 से 02 तक डीएमएफ), (सरल क्रमांक 03 से 17 तक पार्षदनिधि), (सरल क्रमांक 18 से 22 तक अध्यक्ष निधि) (सरल क्रमांक 23 से 25 तक विधायक मद)	लागत राशि (लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य
1	120 वॉट एलईडी लाईट स्थापना कार्य।	8.01	6,100.00	750.00
2	90 वॉट एलईडी लाईट स्थापना कार्य।	8.02	6,100.00	750.00
3	वार्ड क्रमांक 01, 02, 10 में लाईट स्थापना कार्य।	2.25	2,300.00	750.00
4	वार्ड क्रमांक 07, 24, 27 में लाईट स्थापना कार्य।	3.10	3,100.00	750.00
5	वार्ड क्रमांक 03 में सी.सी. रोड निर्माण एवं लाईट स्थापना कार्य।	3.06	3,100.00	750.00
6	वार्ड क्रमांक 11 में मंच निर्माण कार्य।	4.50	4,500.00	750.00
7	वार्ड क्र. 13 में बोर खनन एवं पाईप लाईन विस्तार एवं सिंटेक्स स्थापना कार्य।	4.50	4,500.00	750.00
8	वार्ड क्रमांक 16 डबरीपारा में मंच निर्माण कार्य।	4.50	4,500.00	750.00
9	वार्ड क्र. 18 में बोर खनन एवं पाईप लाईन विस्तार एवं सिंटेक्स स्थापना कार्य।	4.50	4,500.00	750.00
10	वार्ड क्र. 19 में बोर खनन एवं पाईप लाईन विस्तार एवं सिंटेक्स स्थापना कार्य।	4.50	4,500.00	750.00
11	वार्ड क्र. 20 में बोर खनन एवं पाईप लाईन विस्तार एवं सिंटेक्स स्थापना कार्य	0.78	2,000.00	300.00
12	वार्ड क्र. 21 में बोर खनन एवं पाईप लाईन विस्तार एवं सिंटेक्स स्थापना कार्य।	4.50	4,500.00	750.00
13	वार्ड क्र. 22 में बोर खनन एवं पाईप लाईन विस्तार एवं सिंटेक्स स्थापना कार्य।	0.78	2,000.00	300.00
14	वार्ड क्र. 23 में बोर खनन एवं पाईप लाईन विस्तार एवं सिंटेक्स स्थापना कार्य।	4.50	4,500.00	750.00
15	वार्ड क्र. 28 में बोर खनन एवं पाईप लाईन विस्तार एवं सिंटेक्स स्थापना कार्य।	4.50	4,500.00	750.00
16	वार्ड क्र. 30 में बोर खनन एवं पाईप लाईन विस्तार एवं सिंटेक्स स्थापना कार्य।	4.49	4,500.00	750.00
17	वार्ड क्रमांक 15 राजू श्रीवास घर से इंद्रजीत घर से विजय गुप्ता घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य।	3.28	3,300.00	750.00
18	वार्ड क्रमांक 05,10,15 हनुमान चौक के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य।	4.80	4800.00	750.00
19	वार्ड क्रमांक 05 मनोरंजन मंदिर क्लब रिनोवेशन कार्य।	4.02	4000.00	750.00
20	वार्ड क्रमांक 06 सामुदायिक भवन रिनोवेशन कार्य।	2.49	2500.00	750.00
21	वार्ड क्रमांक 10 दैनिक बाजार बस स्टैण्ड रिनोवेशन कार्य। वार्ड क्रमांक 11 गजरा चौक बस स्टैण्ड रिनोवेशन कार्य। वार्ड क्रमांक 13 कटाईनार चौक बस स्टैण्ड रिनोवेशन कार्य। वार्ड क्रमांक 17 घुडदेवा चौक बस स्टैण्ड रिनोवेशन कार्य। (4 नग)	3.16	3,200.00	750.00
22	वार्ड क्रमांक 11 गजरा ग्राउण्ड में क्रिकेट पिच निर्माण, नेट स्थापना कार्य।	8.20	6,200.00	750.00
23	वार्ड क्र. 20 न.पा.प. बांकीमोंगरा शांतिनगर चौक में हाईमास्क लाईट फिटिंग कार्य।	5.00	5,000.00	750.00
24	वार्ड क्रमांक 62 (नया वार्ड 28) नरईबोध गेवराबस्ती धरमपुर में शेड एवं शौचालय निर्माण कार्य।	5.00	5,000.00	750.00
25	वार्ड क्रमांक 62 (नया वार्ड 19) कुचेना में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य।	5.00	5,000.00	750.00

टीप :- 1. निविदा प्रपत्र पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट द्वारा अपने समस्त दस्तावेज एवं निर्धारित अमानत राशि को त्रिलिफाफा पद्धति से निर्धारित तिथि एवं समय तक अनिवार्य रूप से पहुँचना होगा। 2. निविदा संबंधित अन्य नियम एवं शर्तें, विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in के Tender/EOI Section से भी देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद् बांकीमोंगरा

प्रथम पृष्ठ का शेष

आर्थिक सर्वेक्षण में ...

का दावा है कि विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, ग्रामीण विकास कार्यक्रमों और रोजगार सृजन के प्रयासों से आम नागरिक की आय में वृद्धि हुई है। **कृषि, उद्योग और सेवा सेक्टर में तेज रफ्तार**-आर्थिक सर्वेक्षण में तीनों प्रमुख क्षेत्रों में वृद्धि का अनुमान जताया गया है। कृषि क्षेत्र- 2025-26 में 12.53 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है। उद्योग क्षेत्र- 10.26 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है। सेवा क्षेत्र-13.15 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है। स्थिर भावों पर कुल वृद्धि दर- 8.11 प्रतिशत का अनुमान है। **राजकोषीय संतुलन पर फोकस**-आर्थिक सर्वेक्षण को आगामी बजट का आधार माना जा रहा है। वित्त मंत्री द्वारा पेश किए गए आंकड़े यह संकेत देते हैं कि सरकार विकास और राजकोषीय संतुलन दोनों पर फोकस कर रही है। अब 24 फरवरी को पेश होने वाले बजट पर राजनीतिक दलों और आम जनता की नजरें टिकी हैं, जहां इन अनुमानों को धरातल पर उतारने की रणनीति सामने आएगी। **2024-25 के आंकड़े**-कृषि में 11.76 प्रतिशत, उद्योग में 9.91 प्रतिशत, सेवा क्षेत्र में 10.08 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई थी।

हर परिवार सशक्त ...

का परिणाम है। समृद्ध किसान ही विकसित छत्तीसगढ़ की नींव है। सीएम ने कहा, हमारा लक्ष्य है बढ़ती आय, बेहतर अवसर और समृद्ध जीवन के साथ हर परिवार सशक्त छत्तीसगढ़ का हिस्सा बने।

विधायक लखमा ...

के साथ मुलाकात की। सदन में प्रवेश करते ही उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं अजय चंद्राकर, रामविचार नेताम और धर्मजीत सिंह को गले लगाया। अजय चंद्राकर ने भी गर्मजोशी दिखाते हुए लखमा की पीठ थपथपाई। सदन के भीतर पक्ष और विपक्ष के नेताओं के बीच की यह आत्मीयता देख कांग्रेस के अन्य विधायक भी हैरान रह गए। **देखने को मिला अलग सा माहौल**-लखमा की एक साल बाद वापसी पर सदन में अलग ही माहौल देखने को मिला। कवासी लखमा की यह वापसी जितनी चर्चा में है, उतनी ही कड़ी शर्तों के दायरे में भी है। सर्वोच्च न्यायालय से अंतरिम जमानत मिलने के बाद विधानसभा ने उन्हें कुछ विशेष नियमों के तहत सत्र में बैठने की इजाजत दी है। इसमें सबसे अहम शर्त नो स्पीच की है। लखमा अपने ऊपर चल रहे विचाराधीन मामले या केस से जुड़े किसी भी मुद्दे पर सदन के भीतर न तो कोई टिप्पणी करेंगे और न ही कोई बयान देंगे। साथ ही लखमा केवल विधानसभा सत्र और परिसर तक ही सीमित रहेंगे।

बलरामपुर में ओलावृष्टि...

आमतौर पर ठंड की विदाई वाले मौसम यानी फरवरी में मौसमी बदलाव होने की संभावना काफी रहती है। इस बार ऐसा बदलाव दूसरी बार हुआ है। माह के दूसरे सप्ताह में मौसम तंत्रिका के सक्रिय होने की वजह से कोरिया जिले में बारिश हुई थी और कुछ इलाकों में दिन में बादल छाए हुए थे। इसके बाद चौथे सप्ताह में इस तरह का बदलाव देखने को मिला है। वर्तमान में बंगाल की खाड़ी के मध्य भाग में एक निम्नदाब का क्षेत्र बना हुआ है।

एयर एंबुलेंस क्रैश...

कुमार ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना रांची हवाई अड्डे से एयर एंबुलेंस के शाम करीब सात बजकर 10 मिनट पर उड़ान भरने के बाद हुई। रांची से सात लोगों को लेकर जा रही एक एयर एंबुलेंस चतरा जिले के सिमरिया के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटना की सूचना राज्य प्रशासन से प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि एंबुलेंस का हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) से संपर्क टूट गया था।

आतंकवाद के खिलाफ...

का नाम लिये बिना कहा गया, भारत के निकटवर्ती इलाकों में अस्थिरता का इतिहास रहा है, जिसके कारण अक्सर अराजक क्षेत्र उत्पन्न हुए हैं। इसके अलावा, इस क्षेत्र के कुछ देशों ने कभी-कभी आतंकवाद को राज्य नीति के एक साधन के रूप में इस्तेमाल किया है।

स्कूटी से गिरी...

पुलिस ने बाहर निकाला और पोस्टमार्टम करने मरचुरी रवाना किया। आरोपी ट्रक चालक को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मंदिर हसौद निवासी सोनू पाटिल (16) घटना स्थल के समीप एक कार वाशिंग सेंटर में काम करता था। सुबह वह अपने मालिक के कहने पर किसी काम से स्कूटर लेकर गया था। वापसी के दौरान उसने देखा, उसके सामने स्कूटी से जा रही युवती बारिश की वजह से स्लिप होकर गिर गई। पास से गुजर रहा सोनू युवती को उठाने के लिए पहुंचा। युवती को उठाने के बाद उसने उसकी गाड़ी खड़ी कर हाल-चाल जाना। युवती जैसे ही निकली। पीछे से तेज रफ्तार आ रहे ट्रक के चालक ने उसे बचाने ब्रेक दबाया, लेकिन वह सोनू को नहीं बचा पाया। सोनू को चपेट में लेने के बाद ट्रक डिवाइडर पर चढ़ गया।

हादसे की गवाह...

देखा है। अपने बेटे को ट्रक की चपेट में आते देख जोर से चिल्लाई। घटना के बाद सोनू की बड़ी मां रोते-रोते बेसुध हो गई। आसपास के लोगों ने किसी तरह सोनू की बड़ी मां को घटना स्थल से अलग ले जाकर संभालने की कोशिश की।

15 माओवादी 3 मार्च...

काम कर रही है और जल्द ही वीडियो संदेश जारी करेंगे। इस पत्र के बाद गृहमंत्री ने रेडिया संदेश जारी कर उनके सुरक्षा व पुनर्वास के लिए मैसेज दिया। जारी पत्र में विकास ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ वर्तमान में ओडिशा में है और मिले आश्वासन के बाद 3 मार्च की तिथि समर्पण के लिए तय की है।

शस्त्र संघर्ष...

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आत्मसमर्पण में कुछ दिनों की देरी इसलिए हुई क्योंकि वे केंद्रीय समिति के निर्णय का इंतजार कर रहे थे। लेकिन जब वहां से कोई ठोस दिशा नहीं मिली, तब बीबीएम डिवीजन ने स्वतंत्र निर्णय लिया।

590 करोड़ का...

यह घोटाला राशि बैंक के तीसरी तिमाही के शुद्ध मुनाफे 503 करोड़ रुपए से भी ज्यादा है। यूबीएस का अनुमान है कि यह रकम आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के वित्त वर्ष 2026 के टैक्स के बाद के मुनाफे का लगभग 22फीसदी हो सकती है। हालांकि यूबीएस ने यह भी कहा कि बैंक की नेटवर्थ पर इसका असर करीब 1फीसदी ही रहेगा। म

गिरफ्तारी का नहीं...

उन्हें क्लीन चिट मिल चुकी है इसलिए उन्हें कोई भय नहीं है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरनंद सरस्वती, उनके शिष्य तथा दो-तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ अदालत के आदेश पर शनिवार देर रात किशोरवय लड़कों के यौन शोषण के आरोप में प्रयागराज के झूंसी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। शंकराचार्य ने वाराणसी में संवाददाताओं से कहा कि अगर पुलिस उन्हें इस मुकदमे के सिलसिले में गिरफ्तार करती है तो वह इसका विरोध नहीं करेंगे, क्योंकि जो झूठ है वह अंत में साबित हो जाएगा। शंकराचार्य ने कहा कि उनके लिए तीन अदालतें है।

कार्यालय नगर पंचायत बगीचा जिला-जशपुर (छ.ग.)

क्रमांक 2144/न.पं./2025-26 बगीचा, दिनांक 23/02/2026

दुकान निलामी सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत बगीचा वार्ड क्र. 07 बस स्टैण्ड बाजार डांड परिसर में परिषद् मद अंतर्गत 15 दुकानों की नीलामी दिनांक 11.03.2026 को समय दोपहर 12.00 बजे से कार्यालय नगर पंचायत के सभाकक्ष में की जावेगी। इच्छुक नागरिक सूचना प्रकाशन तिथि से दिनांक 10.03.2026 तक बोली में भाग लेने हेतु निर्धारित अमानत राशि कार्यालयीन अवधि में नगद रूप में जमा कर सकते हैं, बिना अमानत राशि जमा किये नीलामी में भाग लेने का अधिकार नहीं होगा। विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	दुकान संख्या	दुकान क्र.	दुकान का क्षेत्रफल	मासिक किराया	अमानत राशि	सरकारी बोली	आरक्षण स्थिति
1	2	3	4	5	6	7	8
1	1	5	3x3 मीटर	500.00	63750.00	255000.00	अनु. जाति के लिए
2	2	1, 8	3x3 मीटर	500.00	63750.00	255000.00	अनु. जनजाति के लिए
3	2	7, 11	3x3 मीटर	500.00	63750.00	255000.00	अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए
4	1	14	3x3 मीटर	500.00	63750.00	255000.00	विधवा/परित्यक्ता
5	1	9	3x3 मीटर	500.00	63750.00	255000.00	शिक्षित बेरोजगार
6	2	4,2	3x3 मीटर	500.00	63750.00	255000.00	महिलाएं के लिए
7	6	3,6,10,12, 13,15	3x3 मीटर	500.00	63750.00	255000.00	अनारक्षित (शेष)

टीप :-

1. अमानत राशि जमा करने के पूर्व नगर पंचायत से बकाया नहीं प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।
2. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, विधवा/परित्यक्ता महिलाओं के लिए एवं शिक्षित बेरोजगार की अमानत राशि जमा करने के पूर्व सक्षम अधिकारी का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।
3. शेष नियम एवं कार्यालयीन अवधि में नगर पंचायत के राजस्व शाखा में देखे जा सकते हैं।
4. नीलामी दोपहर 12.00 बजे से प्रारंभ होगी।
5. सशर्त आवेदन स्वीकार नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत बगीचा जिला-जशपुर (छ.ग.)

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
छाती, एजर्ली एवं सांस से जुड़ी सभी बीमारियों का आधुनिक एवं विशेषज्ञ उपचार एक ही स्थान पर
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल 24 घंटे आपात चिकित्सा
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

घमंडी - दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिवाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
गैस आउट सिरप
गैस, अरुचि, कब्ज़, अफरा, अपचन में तुरंत असरकारक नैचुरल आयुर्वेदिक है
सुगर के मरीज भी ले सकते हैं...
एक बार उपयोग कर देखें
देखकर खरीदें
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email- hbclassified375@gmail.com
Classified
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है-घरेलू कार्य (झाड़ू, पोंछा, बर्तन) एक टाइम काम करने के लिए बाई की अवश्यकता है। वेतन 3000, पता- कपिल नगर चौक सरकंडा बिलासपुर सम्पर्क करें- 9907999760 (40045)

आवश्यकता है-कपड़े के शोरूम में कार्य करने के लिए दो अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 11000 तक सम्पर्क करें:- रूपवर्षा, गोल बाजार सिटी कोतवाली के सामने बिलासपुर 9827163669 (40049)

आवश्यकता है-शहर के विभिन्न संस्थानों में दिन एवं रात ड्यूटी हेतु गार्ड एवं आफिस स्टाफ लड़का, लड़की चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। बायोडाटा एवं आधार कार्ड के साथ सम्पर्क करें- 93006 72005, 9827192131 (1489)

आवश्यकता है-एक डिलीवरी बॉय (वेतन 9000) एवं एक सेल्समैन (वेतन 11000) की आवश्यकता है सम्पर्क करें-मातुश्री ट्रेडिंग कम्पनी, गुम्बर पेट्रोल पम्प के सामने, व्यापार विहार रोड, बिलासपुर (40046)

आवश्यकता है-होलसेल एवं दवाई दुकान में कार्य हेतु लड़के, ड्राईवर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, सेल्समैन माल लाने ले जाने हेतु आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7869797088, 8770939973 (40047)

आवश्यकता है- विज्ञापन एजेन्सी में इलेक्ट्रीशियन, ड्राइवर (ईऑटो, कार हेतु), सुपरवाइजर एवं लेबर कार्य फ्लैक्स माउंटिंग, एलईडी लेटर हेतु लड़के एवं लड़कियां चाहिए पता- C15, ग्राउंड फ्लोर नारायण प्लाजा, बिलासपुर 6264550163, 9644004113 (40028)

आवश्यकता है-मेट्रो स्टूडियो में फोटोग्राफी का कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन 7000 से 10000 सम्पर्क करें- मेट्रो स्टूडियो, प्रताप चौक राम सेतु पुल के पास बिलासपुर 7566666725, 98932 58605 (40034)

आवश्यकता है-तिफरा एवं सिरगिट्टी स्थित प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थान हेतु सुरक्षागार्डों की आवश्यकता है। वेतन शासकीय नियमानुसार आवास निःशुल्क अपने मूल दस्तावेजों सहित तत्काल सम्पर्क करें- अम्बे प्लाजा फर्स्ट फ्लोर तिफरा बस स्टैण्ड बुन्देलास सेक्युरिटास एण्ड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, बिलासपुर 9522250429, 93405 54393 (40048)

आवश्यकता है-होटल में कार्य करने हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। वेतन 11000 से 13000 तक सम्पर्क करें- होटल रॉयल रामा पुराना बस स्टैंड के पास टेलीफोन एक्सचेंज रोड बिलासपुर 07752477700 (3104)

आवश्यकता है-सीए आफिस में काम करने हेतु चपरासी (प्यून) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- शाम 4 से 8बजे तक पलाश पमनानी एंड एसोसिएट्स सिन्ध ऑटो स्टोर्स के पास गांधी चौक बिलासपुर (40039)

आवश्यकता है-डेन्टल क्लीनिक में कार्य करने हेतु युवतियां चाहिए। समय सुबह 10बजे से रात 9बजे तक आसपास रहने वाली युवतियां सम्पर्क करें- शांति डेन्टल केयर, दयालबन्द गुरुद्वारा के पास, बिलासपुर 81095 18000 (40031)

आवश्यकता है-एक मेहनती, ईमानदार सेल्समैन चाहिए। ग्राहकों से अच्छी बातचीत करने, हिसाब किताब का अनुभव हो वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क- श्रीशारदा एंटरप्राइजेस, कोतवाली चौक के पास, मेन रोड तेलीपारा, बिलासपुर 7869919759 (40023)

आवश्यकता है-साड़ी, रेडीमेड दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता आनुसार सम्पर्क करें- शिव क्लॉथ स्टोर बिलासा चौक शनिचरी बाजार बिलासपुर 9827916580 9827887934 (40016)

आवश्यकता है-प्लाईवुड शोरूम में सेल्स एंड मार्केटिंग पर्सन, ऑफिस कार्य हेतु टेलीकॉलर शिक्षित, लड़के, लड़कियां चाहिए। वेतन 10000 से 50000+ बोनस+ कमीशन +पेट्रोल, बाइक अनिवार्य। रिज्यूम व्हाट्स एप्प करें- 9608777772, अनुभवी उम्मीदवार ही सम्पर्क करें-एस.एस. प्लाईवुड महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर (561)

आवश्यकता है-बिलासपुर में रहकर या आना जाना करने सफाई कर्मी/ एक परिवार चौकीदार/ अकेली महिला अधेड़ उम्र की एक ड्राइवर अनुभवी नशामुक्त उचित वेतन आवास सुविधा सम्पर्क करें- 9479258223 (40011)

आवश्यकता है- फर्निशिंग दुकान में काम करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- वीआर फर्निशिंग विशाल मेगा मार्ट KFC के बाजू में, अशोक नगर चौक के पास, सीपत रोड बिलासपुर 98931 27584 (40029)

आवश्यकता है-टैली एवं माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल में काम करने के लिए अनुभवी एवं ग्रेजुएट युवकों की आवश्यकता है टैली में कार्य का पूर्व अनुभव अनिवार्य है। उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए अपने बायोडाटा के साथ आना है। सैलरी योग्यता अनुसार। सम्पर्क- 9009658882 पता- जाजोदिया टाइल्स, होटल ग्रैंड अम्बा के सामने, पुराना बस स्टैण्ड के पास, बिलासपुर (40021)

आवश्यकता है-रेडीमेड होलसेल होजयरी दुकान मे कार्य हेतु (होजियरी सामान का अनुभव हो) एवं माल पहुंचाने हेतु लड़के लड़कियां चाहिए पता- नयन फैशन राजा होटल के पास पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर (40040)

आवश्यकता है-सुरक्षा कार्य हेतु पुराना बस स्टैण्ड मंगला चौक, नया बस स्टैण्ड एवं City में लम्बे तगड़े लड़के लड़कियों की आवश्यकता है रिसेप्शनिष्ट सुपरवाईजर वेल्डर कार्य हेतु संपर्क करें 88393 26096, 9165159463 (40027)

आवश्यकता है-टेन्ट हाऊस में काम करने के लिए सुपरवाइजर की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 80019 75775 (2998)

आवश्यकता है-फैक्ट्री में फुल टाइम माल लोडिंग, अनलोडिंग हेतु शारीरिक रूप से स्वस्थ 18 से 40वर्ष के लड़के चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्रीशारदा इंडस्ट्रीज इंडस्ट्रीयल एरिया तिफरा बिलासपुर 786991 9759 (40024)

आवश्यकता है-फिटर, गैस कटर वेल्डर, हेल्पर, टर्नर, ट्रैक्टर ट्राली बनाने वाला मिस्त्री, ट्रैक्टर माजदा चलाने हेतु ड्राइवर, सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- एस.एस. इंडस्ट्रीज, अमसेना बिलासपुर 8224099994, 82238 99994 (40019)

आवश्यकता है-मेडिकल दुकान में कार्य करने के लिए अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- जियाजी मेडिकल पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 7489874508, 8319774327 (40030)

आवश्यकता है-कार ड्राइवर, JCB आपरेटर, ट्रेक्टर ड्राइवर (अनुभवी) की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार अपने लाईसेन्स एवं आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- श्रीबालाजी कंस्ट्रक्शंस बिलासपुर 79740 86925, 9907925045 (40025)

आवश्यकता है-किराना दुकान मे कार्य करने हेतु 5 लड़कों की आवश्यकता है वेतन 4 अंको में सम्पर्क करें- सीपी किराना स्टोर D-71, राज कुमार राजेश कुमार के सामने, व्यापार विहार, बिलासपुर 9907178656 (548)

आवश्यकता है-शीघ्र आवश्यकता जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के आयु 18 से 30वर्ष वेतन 12000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क 9981121036, 8269109014 (1326)

आवश्यकता है-सीएसडी कैंटीन, नया रायपुर हेतु बिलिंग क्लर्क/ बिलिंग चेक/ एमटीएस के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते है। वेतन 15000 प्रतिमाह निर्धारित है। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन दिनांक 10 मार्च 2026 तक ईमेल आईडी-sdpithoragarh350@gmail.com पर भेजे। अधिक जानकारी हेतु मोबाइल नंबर 7051008675 पर संपर्क करें। (541)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु गर्ल्स एवं महिलाओं की आवश्यकता है। सैलरी+ कमीशन+ बोनस, जॉब टाइम 10 से 5:30 पता- श्री मंगल हॉस्पिटल के पास नर्मदा नगर बिलासपुर 7389361667 (543)

आवश्यकता है-चायपत्ती के पैकिंग कार्य लड़की, महिला, पुरुष, लड़को की आवश्यकता है सम्पर्क करें- ट्रेडर्स नियर SBI ATM आकृति विहार अमलीडीह रायपुर 74699 8000, 07714075490 (6682)

आवश्यकता है-श्याम इंटरप्राइजेज में पैकिंग कार्य व अन्य कार्य हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार (समय 10 Am से 7 Pm) सम्पर्क करें- साइंस कॉलेज सरकंडा 90747 41377 (544)

टेक्सटाईल स्पिनिंग (धागा) मिल, रायपुर (छत्तीसगढ़)
नई टेक्सटाईल धागा मिल में साफ व ठंडे वातावरण में मशीन चलाने हेतु नये/पुराने अनुभवी वर्कर्स चाहिए। रहने की उत्तम सुविधा व कैंटीन मिल में उपलब्ध।
पहले दिन से PF/ESIC कवरेज व पेमेन्ट सीधे बैंक खाते में। 240 दिन से अधिक हाजरी पर छुट्टी का पैसा अलग।
संपर्क करें। 9827163216 8462933820

हमारा अशियाना

बेचना है

बेचना है-श्रीराम विहार, पत्रकार कॉलोनी (पारिजात के पास) स्थित एवं 1162 वर्गफुट भूमि पर निर्मित एक 2BHK स्वतंत्र मकान बेचना है। केवल खरीददार ही सम्पर्क करें- 9179505935, 9422181039 (40038)

बेचना है-जूना बिलासपुर मेन रोड बालाजी सेल्स एवं रमेश श्रेड के बीच में 215 वर्गफुट डबल स्टोरी स्वतंत्र दुकान सम्पर्क करें- प्रिन्स नावेल्टी गोल बाजार बिलासपुर 98271 68452 9300625174 9827466134 (3103)

सर्विसेस

सर्विसेस-अगर आप मेडिकल फ्रेंचाइजी (दुकान) लेना चाहते हैं या मेडिकल में इन्वेस्ट करना चाहते हैं तो हाउस वाइफ, एंटरप्रेन्योर, स्टूडेंट, नौकरी पेशा, रिटायर्ड लोग इसमें हिस्सा ले सकते हैं। छत्तीसगढ़ के सभी गाँव, तहसील व जिलों में फ्रेंचाइजी देना शुरु है सम्पर्क करें- 8010400205, 74997 91047, 7020307855, 8806547252 (6683)

किराया

किराया-मकान किराये पर देना है वैशाली नगर रामा मैग्नैटो मॉल के बगल से दो रुम हॉल किचन बाथरुम अटैच सेकेण्ड फ्लोर में सम्पर्क करें- 8959922225 (40044)

फायनेंस

फायनेंस-विनायिका फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधार कार्ड, पैन कार्ड प्रति उपलब्ध 2% ब्याज, 30% छूट सम्पर्क करें- 7587708423 (542)

MedicareSpecialists

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पैशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि
समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 इन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-	मो. 9993567380, 8770837744
एड प्रयास:-	मो. 9826701269, 9926003943
श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-	मो. 9827168452, 9300625174
रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-	मो. 9826129386, 8319503386
जे.जे. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9300659628
रौनक पब्लिसिटी:-	मो. 9300328290, 9981658490
भार्गव एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827167997
श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-	मो. 9826705603
एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827180896, 9131155033
श्री श्याम पब्लिसिटी:-	मो. 9425540759
अमित पब्लिकेशन:-	मो. 9826304304, 9827124304
विप्रा विज्ञापन सेवा:-	मो. 9302462506
माधवास & कम्पनी:-	मो. 9977185123, 9893115084
बालाजी एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827466133, 9907047586

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज की महाजीत, सुपर-8 में जिम्बाब्वे को 107 रनों से रौंदा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुपर- 8 के एक अहम मुकाबले में वेस्ट इंडीज ने वानखेड़े स्टेडियम में रन बरसाते हुए जिम्बाब्वे को 107 रनों से करारी शिकस्त दी। 255 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम 147 रन पर सिमट गई।

255 रन के टारगेट ने जिम्बाब्वे की कमर तोड़ दी। ग्रुप स्टेज में शानदार फॉर्म में दिखे ब्रायन बेनेट इस बार सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हो गए। तदिवानाशे मारुमानी भी 14 रन ही बना सके। रयान बर्ल बिना खाता खोले अकील हुसैन का शिकार बने। डायोन मायर्स ने 15 गेंदों में 28 रन बनाकर कुछ उम्मीद जगाई, लेकिन गुडाकेश मोती ने उन्हें क्लीन बोल्ड कर मैच पूरी तरह कैरेबियाई टीम की ओर मोड़ दिया। कप्तान सिकंदर रजा ने 27 रन बनाए, जबकि टोनी मुनयोंगा 14 रन जोड़ सके। ब्रेड इवांस ने 21 गेंदों में 43 रन की तेज पारी खेली, लेकिन टीम को जीत तक नहीं पहुंचा सके।

अंक तालिका में बड़ा फेरबदल

वेस्टइंडीज की धमाकेदार जीत से ग्रुप-1 की अंक तालिका में बड़ा फेरबदल हुआ है। वेस्टइंडीज की टीम शीर्ष पर पहुंच गई है और उसका नेट रन रेट +5.350 है। वहीं, दूसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका की टीम है जिसका नेट रन रेट +3.800 है। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था और उसका नेट रन रेट -3.800 है और तीसरे स्थान पर है। मालूम हो कि ग्रुप से शीर्ष दो टीमें ही सेमीफाइनल में प्रवेश कर सकेंगी।

वेस्टइंडीज ने बनाया टी20 विश्व कप का दूसरा सर्वोच्च स्कोर

शिमरॉन हेटमायर और रोवमैन पोवेल के अर्धशतक और दोनों के बीच शतकीय साझेदारी से वेस्टइंडीज ने टूर्नामेंट के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया। जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया, लेकिन वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने इसे गलत साबित करने में ज्यादा देर नहीं लगाई। इस दौरान दो बार हेटमायर के कैच छूटे, लेकिन उन्होंने इस जीवनदान का पूरा फायदा उठाया। हेटमायर ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी के दौरान 34 गेंद में सात छक्कों और इतने ही चौकों की मदद से 85 रन की पारी खेलने के अलावा पोवेल (59 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 52 गेंद में 122 रन की साझेदारी करके वेस्टइंडीज को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। शेरफेन रदरफोर्ड ने भी 13 गेंद में दो छक्कों और तीन चौकों से नाबाद 31 रन की तेजतर्रार पारी खेली।

तीन में से कम से कम एक बल्लेबाज हो सकता है बाहर

द.अफ्रीका से हार के बाद टीम मैनेजमेंट सख्त आउट ऑफ फॉर्म बल्लेबाज पर फैसला जल्द

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

भारतीय टीम प्रबंधन खराब फॉर्म में चल रहे तीन में से कम से कम एक बल्लेबाज को बाहर कर सकता है जबकि शीर्षक्रम में कई खब्बू बल्लेबाजों को उतारने की अपनी रणनीति की भी समीक्षा करेगा। मुख्य कोच गौतम गंभीर के सहयोगी रियान टेन डोइशे और सितांशु कोटक ने यह संकेत दिए। दक्षिण अफ्रीका ने टी20 विश्व कप सुपर आठ मुकाबले में भारत को 76 रन से हराया। अब भारत को अगले दोनों मैच जीतने होंगे लिहाजा टीम प्रबंधन को अभिषेक शर्मा (चार मैचों में 15 रन) और तिलक वर्मा (पांच मैचों में 107 रन) के प्रदर्शन पर विचार करना होगा। रिंकू सिंह भी फिनिशर की भूमिका नहीं निभा सके हैं और 29 गेंदों में 82.75 की स्ट्राइक रेट से 24 रन बनाए हैं।बल्लेबाजी कोच कोटक ने कहा,' अगर मुख्य कोच और टीम प्रबंधन को लगता है कि हमें कुछ अलग करना होगा तो हम करेंगे। अब इस पर विचार हो रहा है कि अगर हमें बदलाव करना है तो वह क्या होगा और कैसे होगा।' उन्होंने कहा,' अब हम ऐसे मुकाम पर पहुंच गए हैं कि हमें यह सोचना होगा कि कुछ अलग करना है या उसी संयोजन से काम करना है।'

अभिषेक की तैयारियों पर पड़ा असर

कोटक ने कहा कि अभिषेक और तिलक का फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा,' मैं अभि या तिलक के लिए बहाना नहीं बनाऊंगा। उन्हें बहानों की जरूरत नहीं है । मुझे लगता है कि पेट के संक्रमण से अभिषेक की तैयारियों पर काफी असर पड़ा है और वह वैसे नहीं खेल पा रहा, जैसे खेलना चाहिए था।' यह पूछने पर कि उसे क्या सलाह देंगे, कोटक ने कहा ,'' बल्लेबाजी कोच होने के नाते मेरा मानना है कि उसे जरूरत से ज्यादा सलाह देने की बजाय उसके दिमाग को व्यवस्थित रहने दें। दो दिन में आप कुछ बदल नहीं सकते बल्कि जरुरत से ज्यादा सलाह देने से उसका आत्मविश्वास हिल सकता है। उसे अभी गेंद को देखकर अपनी पारी को बेहतर बनाना होगा।'

रणनीति के कारण लिया गया फैसला : डोइशे

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप के सुपर 8 मुकाबले में उपकप्तान अक्षर पटेल को बाहर रखने के फैसले की काफी आलोचना हो रही है लेकिन भारतीय टीम के सहायक कोच रियान टेन डोइशे और बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा कि यह फैसला पूरी तरह से रणनीतिक कारणों से लिया गया। दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 76 रन से हराया और वॉशिंगटन सुंदर बल्ले तथा गेंद दोनों से फ्लॉप रहे, जिन्हें अक्षर की जगह उतारा गया था। टेन डोइशे ने कहा,' हमने पिछले कुछ दिन में अंतिम एकादश पर काफी मंथन किया। हम मैच अप पर विचार कर रहे थे। वैसे अक्षर को उतारने का फैसला सही लग रहा था लेकिन हमें आठवें बल्लेबाज के रूप में अक्षर की जरुरत थी। यह फैसला उसी आधार पर लिया गया।' उन्होंने कहा,' अक्षर की नेतृत्व क्षमता और अहमियत हम सभी जानते हैं। इस फैसले का मतलब उसे कमतर आंकना बिल्कुल नहीं है।' बल्लेबाजी कोच कोटक ने कहा कि अक्षर को मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इस फैसले के बारे में अच्छी तरह समझाया था। उन्होंने कहा,' सूर्या और गौतम दोनों ने इस फैसले के बारे में अक्षर से बात की थी। वॉशिंगटन को खिलाने का यही कारण था कि उनके शीर्ष पांच में तीन खब्बू बल्लेबाज थे और हमें लगा कि एक आफ स्पिनर को खेलना चाहिए। क्विंटॉन डिकॉक और रियान रिकेलटन को बुमराह ने आउट कर दिया तो सुंदर को दो ओवर से ज्यादा गेंदबाजी नहीं करनी पड़ी।'

एलिसी खेलेंगी आखिरी वनडे सीरीज बेथ मूनी होंगी नई विकेटकीपर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया की कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज एलिसा हीली भारतीय टीम के खिलाफ अपनी आखिरी वनडे सीरीज खेलने के लिए तैयार हैं। एलिसी हीली की जगह अब बेथ मूनी को ऑस्ट्रेलिया टीम की नई फुल-टाइम विकेटकीपर नियुक्त किया गया है।

35 वर्षीय हीली मंगलवार को ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में होने वाले पहले वनडे में टीम की कप्तानी करेंगी। यह मुकाबला उनके दो सप्ताह लंबे विदाई दौरे की शुरुआत होगा, जिसमें होबार्ट में दो और वनडे और अगले महीने पर्थ के वाका में एक टेस्ट खेला जाएगा।

सभी फॉर्मेट में किए 275 शिकार

टेस्ट के साथ हीली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगी। हीली 2014 से ऑस्ट्रेलिया की पहली पसंद की विकेटकीपर रही हैं और उन्होंने सभी फॉर्मेट में रिकॉर्ड 275 शिकार किए हैं। भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में उनके ओपनिंग बल्लेबाज के रूप में खेलने की उम्मीद है।

मूनी पहले भी कर चुकी हैं विकेटकीपिंग

मूनी को लंबे समय से भविष्य की नियमित विकेटकीपर माना जा रहा था, लेकिन टीम प्रबंधन ने इस होम समर में ही उन्हें यह जिम्मेदारी सौंप दी। माना जा रहा है कि टी20 सीरीज में लगातार कीपिंग करने और पिछले एक साल में विकेटकीपिंग में आए सुधार ने उन्हें यह मौका दिलाया। हीली की गैरमौजूदगी में मूनी पहले भी 28 बार पर विकेटकीपिंग कर चुकी हैं। सीरीज से पहले मूनी ने कहा कि फुल-टाइम जिम्मेदारी मिलने से उनकी तैयारी बेहतर होगी। उन्होंने स्वीकार किया कि अलग-अलग फील्डिंग पोजीशन और कीपिंग के बीच संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन अब स्पष्ट भूमिका मिलने से उन्हें फायदा होगा। ऑस्ट्रेलिया का अगला कार्यक्रम वेस्टइंडीज का मल्टी-फॉर्मेट दौरा और जून में इंग्लैंड में होने वाला टी20 वर्ल्ड कप है। ऐसे में मूनी का स्थायी विकेटकीपर बनना टीम की निरंतरता और भविष्य की योजनाओं के लिहाज से अहम कदम माना जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया 8 साल बाद करेगा साउथ अफ्रीका का दौरा, शेड्यूल का ऐलान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम 8 आठ साल बाद साउथ अफ्रीका के दौरे पर जाएगी। साल 2026 के अंत में उसका दौरा होगा। इसमें तीन वनडे और इतने ही टेस्ट खेले जाने हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 2018 में आखिरी बार साउथ अफ्रीका का दौरा किया था। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने अपना 2026-27 का शेड्यूल जारी किया। इसमें बताया कि वह ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करेगा। इसके तहत पहले तीन वनडे खेले जाएंगे, जो डरबन, जोहानिसबर्ग और पॉचेफस्ट्रूम में होंगे। यह सीरीज 24 से 30 सितंबर के बीच खेली जाएगी। इसके बाद अक्टूबर में टेस्ट सीरीज होनी है। ये मुकाबले डरबन, गबेरहा और केप टाउन में होंगे। वनडे और टेस्ट सीरीज के बीच में ऑस्ट्रेलियाई टीम एक वॉर्म अप मुकाबला भी खेलेगी।

ऑस्ट्रेलियाई टीम जिम्बाब्वे जाएगी

समझा जाता है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम साउथ अफ्रीका जाने से पहले जिम्बाब्वे जाएगी। वहां पर वनडे मुकाबले खेलेगी। अभी यह तय नहीं है कि कितने मैच होंगे और कहां खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम अगस्त में बांग्लादेश टीम की मेजबानी करेगी। साउथ अफ्रीकी टीम साल के आखिर में बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ भी घर पर टेस्ट खेलेगी।

आईजीपीएल देगा 10 करोड़ डॉलर की फ्रेंचाइजी

नई दिल्ली। इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) ने देश भर के 10 फ्रेंचाइजी साझेदारों से 10 करोड़ डॉलर की प्रतिबद्धता की घोषणा की, जिसमें प्रत्येक निवेशक ने 10 साल की अवधि में लगभग एक करोड़ डॉलर देने का वादा किया। यह खेल को पेशेवर बनाने और इसके विस्तार के लिए लंबे समय तक चलने वाले प्रयास का संकेत है। आईजीपीएल ने पिछले साल अपना पहला पेशेवर टूर आयोजित किया था जिसमें 11 प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसमें 54 होल की मिश्रित स्पर्धाएं कट रहित प्रारुप में खेली गईं। प्रत्येक टूर्नामेंट की इनामी राशि डेढ़ करोड़ रुपए थी। इस टूर में भारत, दुबई और कोलंबो में प्रतियोगिताएं हुईं थीं।

pnb पंजाब नैशनल बैंक
आस्ति वसूली प्रबंधन शाखा, रायपुर (छ.ग.)

ई-नीलामी तिथि - 17.03.26 एवं 27.03.26
समय: सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे तक

सरफेसी अधिनियम 2002 (2002 का अधिनियम 54) के अन्तर्गत बैंक में बंधक रखी गई अचल संपत्ति की बिक्री
APPENDIX-IV-A [See proviso to rule 8(6)]

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पूर्ननिर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अचल संपत्तियों की ई-निलामी सूचना सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के तहत जारी की जा रही है। इस सूचना के द्वारा उधारकर्ताओं, जमानतदाताओं तथा आम जनता को सूचित किया जाता है। कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियाँ सुरक्षित लेनदार के पास बंधक है एवं इन संपत्तियों को बैंक के प्रधिकृत अधिकारी द्वारा रचनात्मक/भौतिक /सांकेतिक द्वारा अधिकार में ले लिया गया है। इन संपत्तियो की विक्रय "जहाँ है जैसा है" जो भी है जैसा भी है" नीचे दिये कॉलामो में वर्णित तिथि में बैंक/सुरक्षित लेनदार के देय राशि उधारकर्ताओं तथा जमानतदारो से वसुली के लिए किया जा रहे है। आरक्षित मूल्य तथा ब्याना राशि नीचे तालिका में संपत्तियों के समस्त दर्शाई गई है।

सुरक्षित संपत्तियों की अनुसुची

क्र.	खाताधारक का नाम / उधारकर्ता / जमानतदार का नाम व पता / शाखा का नाम	बंधक चल/अचल संपत्तियों का विवरण / मालिक का नाम	1) 13(2) के तहत डिमांड नोटिस की तिथि 2) बकाया राशि 3) कब्जा तिथि सरफेसी एक्ट 2002 के नियम 13(4) के तहत 4) कब्जा की प्रकृति	आरक्षित मूल्य (लाख में) / ईएमडी (लाख में) / बोली वृद्धि राशि-10000/- प्रत्येक संपति के लिये
1	उधारकर्ता: मेसर्स डेल्यूज फूड्स एंड बेवरेजेस (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड,जमानतदार: श्री बालकृष्ण बिक्रम पिता श्री हिरामन प्रसाद सिंह, श्रीमती सुभद्रा कौशल पति श्री बालकृष्ण बिक्रम, श्री सोपसिंह कौशल पति श्री पंचम राम कौशल, श्रीमती बैसाखिन बाई कौशल पति श्री रामजनम कौशल, शाखा- रायपुर, स्टेशन रोड (106600) संपर्क: वसूली अधिकारी: श्रीमती दुर्गावती कुमारी, 7632986606	संपत्ति क्रमांक 1) औद्योगिक भूमि एवं भवन - खसरा नंबर 650/4, प.ह नंबर 19, ग्राम- टेकापार, टेकापार, जिला- बालोद, छत्तीसगढ़, पिन 491226, क्षेत्रफल: 15,069.14 वर्गफीट, मालिकाना हक - श्रीमती सुभद्रा कौशल पति श्री बालकृष्ण बिक्रम. सीमाएं - उत्तर: शांति बाई की संपत्ति, दक्षिण: सड़क, पूर्व: फगुवा की संपत्ति, पश्चिम: सुभद्रा कौशल की संपत्ति, भौगोलिक निर्देशांक: 20.768045, 81.257096,	1) 03.02.2020 2) रू 2,48,44,000.00 + दिनांक 31.01.2020 से ब्याज प्रभावी 3) 30.06.20 को सांकेतिक कब्जा	संपत्ति- 1 के लिए: रू 111.55 लाख / रू 11.16 लाख
		संपत्ति क्रमांक 2) औद्योगिक भूमि - खसरा नंबर 650/3, प.ह नंबर 19,ग्राम- टेकापार, टेकापार, जिला- बालोद, छत्तीसगढ़, पिन 491226, क्षेत्रफल: 15,069.14 वर्गफीट, मालिकाना हक - श्रीमती सुभद्रा कौशल पति श्री बालकृष्ण बिक्रम. सीमाएं - उत्तर: शांति बाई की संपत्ति, दक्षिण: सड़क,पूर्व: फगुवा की संपत्ति, पश्चिम: हरीश की संपत्ति, भौगोलिक निर्देशांक: 20.768045, 81.257096,		संपत्ति- 2 के लिए: रू 11.53 लाख / रू 1.16 लाख
		संपत्ति क्रमांक 3) प्लांट व मशीनरी के साथ औद्योगिक शेड - खसरा नंबर 650/4, प.ह नंबर 19,ग्राम- टेकापार, टेकापार, जिला- बालोद, छत्तीसगढ़, पिन- 491226. मालिकाना हक - मेसर्स डेल्यूज फूड्स एंड बेवरेजेस (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड. भौगोलिक निर्देशांक: 20.768045, 81.257096. *नोट: संपत्ति क्र. 1, 2 एवं 3 की संयुक्त रूप से नीलामी की जाएगी। *नोट : प्रकरण क्रमांक एसए- 348/2022 डीआरटी जबलपुर में लंबित है.		संपत्ति-3 के लिए: रू 42.71 लाख / रू 4.28 लाख
2	उधारकर्ता- मेसर्स राजेश्वरी प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड,निदेशकों- श्री राजेश अग्रवाल एवं श्री लक्ष्य अग्रवाल, जमानतदारों - श्री राजेश अग्रवाल, श्री लक्ष्य अग्रवाल एवं श्रीमती निर्मल देवी, बंधककर्ता - मेसर्स राजेश्वरी प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड, शाखा-जयस्तंभ चौक, रायपुर, 039900, संपर्क: वसूली अधिकारी: श्री पवन कुमार, 9770780508	प्लॉट नंबर 499/ए, शेड नंबर 34 , औद्योगिक क्षेत्र, उरला, तहसील व जिला - रायपुर (छ.ग.) में क्षेत्रफल - 11,935 वर्ग फीट या 0.28 एकड़ पर स्थित प्लांट व मशीनरी, भूमि एवं भवन का समस्त भाग तथा अंश, मालिकाना हक- मेसर्स राजेश्वरी प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड। सीमाएं (लीज डीड के अनुसार) :- उत्तर - शेड नं 33, दक्षिण- शेड नं 35, पूर्व- 40' चौड़ी सीएसआईडीसी सड़क, पश्चिम - निजी भूमि। भौगोलिक निर्देशांक: 21.308187, 81.609372	1) 05-12-2024 2) रू 1,45,59,853.73 + दिनांक 05.12.2024 से ब्याज प्रभावी 3) 05.04.25 को सांकेतिक कब्जा	रू 106.76 लाख / रू 10.68 लाख
3	उधारकर्ता - मेसर्स श्री कृष्णा सुपर बाजार, प्रो.- श्री योगेश कुमार गोयल, जमानतदार एवं बंधककर्ता - श्री रमन गोयल व श्रीमती मोनिका गोयल. शाखा - तेलीबांधा, रायपुर (611400), संपर्क: वसूली अधिकारी: श्री धनंजय कुमार, 9729791068	संपत्ति क्रमांक 1) व्यावसायिक दुखान - खसरा नं 625/4-7, 625/11, ब्लॉक-ए, भूतल, श्री कृष्णा अपार्टमेंट, एलआईसी कॉलोनी रोड, मोवा, भीमराव अंबेडकर वार्ड नंबर 27 के पास, प.ह नंबर 109, आरएनएम - रायपुर 1, तहसील व जिला - रायपुर में क्षेत्रफल- 1457 वर्गफुट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्री रमन गोयल। सीमाएं: उत्तर-मार्ग, दक्षिण- खुला क्षेत्र, पूर्व- खुला क्षेत्र, पश्चिम- डी ब्लॉक व पार्किंग। भौगोलिक निर्देशांक- 21.238987,81.643970,	1) 18-06-2022 2) रू 1,33,64,905.00 + दिनांक 18-06-2022 से ब्याज प्रभावी 3) 16-09-22 को सांकेतिक कब्जा	संपत्ति- 1 के लिए: रू 25.48 लाख / रू 2.54 लाख
		संपत्ति क्रमांक 2) फ्लैट- फ्लैट नंबर 1, ब्लॉक नंबर सी, भूतल, खसरा नंबर 86/9, प.ह नं 109, संस्कृति भवन, गोयल शिव कॉम्प्लेक्स, मोवा, क्षेत्रफल 2604.00 वर्गफुट, डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड क्रमांक 27, रायपुर (छ.ग.) पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक-श्रीमती मोनिका गोयल । सीमाएं : उत्तर- सड़क,दक्षिण- सीढ़ी व लिफ्ट,पूर्व- पार्किंग,पश्चिम- खुला क्षेत्र। भौगोलिक निर्देशांक- 21.267408, 81.674441		संपत्ति- 2 के लिए: रू 36.13 लाख / रू 3.61 लाख
4	उधारकर्ता- मेसर्स ओम श्री फूड्स, प्रोप.- श्री स्नेहिल गोयल पिता श्री संजीव कुमार अग्रवाल, शाखा - तेलीबांधा, रायपुर-611400, संपर्क: वसूली अधिकारी: श्री धनंजय कुमार, 9729791068	व्यवसायिक प्लाट - खसरा 519 एवं 520, प.ह. नंबर 31,प.ह. नंबर 26/48 , ग्राम- केशला, आरएनएम खरोरा, तहसील-तिल्दा, जिला- रायपुर छ.ग. में क्षेत्रफल - 0.486 हेक्टेयर (52312.60 वर्गफुट) पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक - श्री स्नेहिल गोयल पिता श्री संजीव कुमार अग्रवाल, सीमाएँ - उत्तर: धारसा रोड एवं कृषि उपज मंडी की भूमि, दक्षिण: कृष्णा देवांगन की भूमि, पूर्व: धारसा रोड एवं कृषि उपज मंडी की भूमि, पश्चिम: हर्ष गोयल की भूमि। भौगोलिक निर्देशांक - 21.393303,81.931549	1) 11.05.2021 2) रू 3,38,59,920.00 + दिनांक 31.03.2021 से ब्याज प्रभावी 3) 09.09.21 को भौतिक कब्जा	रू 144.06 लाख / रू 14.40 लाख
5	उधारकर्ता: श्री सुदीप सेन पिता स्व. सत्येन्द्र नाथ सेन, सह-उधारकर्ता: श्रीमती मीता सेन पति श्री सुदीप सेन, शाखा- रायपुर, अनुपम नगर (296600), संपर्क: वसूली अधिकारी: श्री धनंजय कुमार, 9729791068	आवासीय मकान - खसरा नंबर 250 का भाग, प्लॉट नंबर 55/2, गली नंबर 53,पंडरितराई, गोरखा कॉलोनी, शंकर नगर, वार्ड नंबर 31, प.ह नंबर 109/47, तहसील एवं जिला-रायपुर (छ.ग), पिन 492001 में क्षेत्रफल - 1100 वर्गफीट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक - श्रीमती मीता सेन पति श्री सुदीप सेन एवं श्री सुदीप सेन पिता स्वर्गीय सत्येन्द्र नाथ सेन। सीमाएँ- उत्तर: प्लॉट नं 55/1, दक्षिण: श्रीवास्तव की भूमि, पूर्व: सड़क, पश्चिम: बिसेन की भूमि. भौगोलिक निर्देशांक: 21.253670, 81.657459	1) 09-07-2024 2) रू 55,50,257.92 + दिनांक 30.06.2024 से ब्याज प्रभावी 3) 25.09.24 को सांकेतिक कब्जा	रू 55.41 लाख / रू 5.54 लाख
6	उधारकर्ता - अमर ईसरानी पिता स्व. एल एम ईसरानी, सह-आवेदक-श्रीमती मोनिका ईसरानी पति श्री अमर ईसरानी. शाखा- अनुपम नगर, रायपुर, 296600, संपर्क : वसूली अधिकारी- श्री धनंजय कुमार, 9729791068	आवासीय फ्लैट: फ्लैट नं बी-102, प्रथम तल, प्रेम पार्क कॉम्पलेक्स, मौजा- न्यू पुरैना, खसरा नं. 247/5 (भाग), प.ह.नं. 113, महावीर नगर, रायपुर में क्षेत्रफल 861 वर्गफीट पर स्थित संपत्ति। मालिकाना हक: श्री अमर ईसरानी पिता स्व. एल.एम इसरानी . सीमाए:- उत्तर- फ्लैट नं. ए-102, दक्षिण-आसमान की ओर खुला, पूर्व- फ्लैट नं. बी-101 एवं मार्ग,पश्चिम-आसमान की ओर खुला, भौगोलिक निर्देशांक: 21.231028, 81.669056	1) 07-06-2021 2) रू 24,31,830.00 + दिनांक 07-06-2021 से ब्याज प्रभावी 3) 12-02-24 को भौतिक कब्जा	रू 18.96 लाख / रू 1.89 लाख
7	उधारकर्ता - मेसर्स गुप्ता पंप हाउस, प्रो.- श्री दिलीप गुप्ता पिता श्री पन्नालाल गुप्ता, शाखा: बोरसी (205910) शाखा- रायपुर,अनुपम नगर(296600), संपर्क : वसूली अधिकारी- श्री धनंजय कुमार, 9729791068	आवासीय प्लॉट - खसरा नं. 82/1, प.ह नंबर 18/25, डिपारा पारा, कसारडीह, दुर्ग में प्लॉट का क्षेत्र -1305 वर्ग फुट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्री दिलीप गुप्ता पिता श्री पन्नालाल गुप्ता। सीमाएँ: उत्तर: सड़क, दक्षिण: विक्रेता (संतोष देवी सेठिया) की शेष भूमि, पूर्व: अन्य का मकान, पश्चिम: विक्रेता (संतोष देवी सेठिया) की शेष भूमि, । भौगोलिक निर्देशांक: 21.179296,81.372357	1) 26-04-2017 2) रू 15,72,942.00 + ब्याज प्रभावी 3) 06.07.17 को सांकेतिक कब्जा	रू 19.96 लाख / रू 1.99 लाख
8	उधारकर्ता- मेसर्स महादेवा इन्फोटेक एंड आईटी सॉल्यूशंस, प्रोप.- श्रीमती स्वाति साहू पति श्री लोचन कुमार साहू, शाखा - भिलाई कैंप-219410, संपर्क: वसूली अधिकारी: श्री सार्थक उपाध्याय, 9981790493	खसरा नंबर 855/10, प.ह. नंबर 02, ग्राम- सिरसाकला, चरोदा, तहसील- पाटन, जिला- दुर्ग, छत्तीसगढ़ में क्षेत्रफल 6000 वर्गफुट पर स्थित आवासीय खुली भूमि, मालिकाना हक- श्रीमती स्वाति कुमारी पति श्री लोचन कुमार साहू। सीमाएं: उत्तर- खसरा नं. 823/2, दक्षिण- खसरा नं. 855/2, पूर्व- खसरा नं. 856, पश्चिम- 25 फीट रोड, भौगोलिक निर्देशांक - 21.194888, 81.451067	1) 29.01.2025 2) रू 36,22,513.38 + दिनांक 29.01.2025 से ब्याज प्रभावी 3) 07.08.25 को सांकेतिक कब्जा	रू 18.90 लाख / रू 1.89 लाख
	संख्या क्रमांक 9 से 12 के लिए: ई-नीलामी तिथि- 27/03/2026 एवं समय- सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे तक			
9	उधारकर्ता - मेसर्स जीसीसी फूड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, निदेशक (ओ) - श्री योगेश कुमार गोयल, श्री सुरेश कुमार गोयल व सुश्री सरिता गोयल एवं जमानतदारों- श्री रमन गोयल, श्रीमती मोनिका गोयल एवं श्रीमती कौशल्या गोयल, शाखा-पंडरी (रायपुर) - 152520, संपर्क: वसूली अधिकारी: श्रीमती दुर्गावती कुमारी, 7632986606	संपत्ति क्रमांक 1) आवासीय फ्लैट - फ्लैट नंबर सी-08, प्रथम तल, वृन्दावन गार्डन, खसरा नं 728/1-2-3, 731/3-4 (भाग), क्षेत्रफल - 1280 वर्गफुट प ह नं 109, मौजा- दलदल सिवनी, कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड क्रमांक 26, आरएनएम रायपुर, तहसील एवं जिला - रायपुर मालिकाना हक - श्री रमन गोयल। सीमाएँ - उत्तर: खुला क्षेत्र, दक्षिण: गलियारा, पूर्वः खुला क्षेत्र, पश्चिम: फ्लैट सी-07। भौगोलिक निर्देशांक - 21.278604, 81.676943	1) 02-02-2023 2) रू 4,44,89,975.25 + दिनांक 31-01-2023 से ब्याज प्रभावी 3) 10-02-26 को भौतिक कब्जा	रू 38.70 लाख / रू 3.87 लाख
		संपत्ति क्रमांक 2) आवासीय फ्लैट - फ्लैट नंबर ई-405, चौथी मंजिल, वृन्दावन गार्डन, खसरा नं 728/1-2-3, 731/3-4 (भाग), क्षेत्रफल - 1257.41 वर्गफुट, प. ह नं 109, मौजा- दलदल सिवनी, कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड क्रमांक 26, आरएनएम रायपुर, तहसील एवं जिला - रायपुर (छ.ग), मालिकाना हक - मेसर्स जीसीसी फूड इंडस्ट्रीज. सीमाएँ- उत्तर : खुला क्षेत्र, दक्षिण: गलियारा, पूर्व: खुला क्षेत्र, पश्चिम: फ्लैट नंबर सी-07। भौगोलिक निर्देशांक - 21.278604, 81.676943		रू 37.80 लाख / रू 3.78 लाख
		संपत्ति क्रमांक 3) आवासीय भूमि - खसरा नं 731/1 का क्षेत्र - (0.079 हेक्टेयर) एवं खसरा नं 731/2 का क्षेत्र - (0.078 हेक्टेयर), कुल क्षेत्रफल - 0.157 हेक्टेयर, प. ह नं 109, प्रस्तावित प. ह नं 39, मौजा - दलदल सिवनी, कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड क्रमांक 26, आरएनएम - रायपुर, तहसील एवं जिला - रायपुर,(छ.ग.),मालिकाना हक - मेसर्स गोयल कंस्ट्रक्शन कंपनी, पार्टनर - श्री रमन गोयल के माध्यम से। सीमाएँ - उत्तर: जोगी डाबरी, दक्षिण: क्रेता की भूमि, पूर्व: डब्ल्यूबीएम रोड, पश्चिम: नाला। भौगोलिक निर्देशांक - 21.278970, 81.677311		रू 229.70 लाख / रू 22.97 लाख
		संपत्ति क्रमांक 4) फैक्टरी एवं भूमि - खसरा नं 195/13-14, 247/2, 250/2-3-5, 256 (भाग), क्षेत्रफल - 14114 वर्गफुट, प.ह नं. 102/31, ग्राम - बाना, तेंदुआ रोड, प्राइम इस्पात के पास, आरएनएम-धरसीवा, मेसर्स जीसीसी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर संपत्ति, मालिकाना हक - श्री सुरेश कुमार गोयल । सीमाएँ - उत्तर: शकुन निषाद की भूमि, दक्षिण: सड़क (हीरापुर से उरला), पूर्व: विक्रेता की भूमि, पश्चिम: जीसीसी मिनरल वाटर प्राइवेट लिमिटेड की भूमि। भौगोलिक निर्देशांक - 21.315703, 81.557021 *(संपत्ति क्रमांक 4 एवं 5 दोनों साथ में बेचीं जायेगी)		रू 127.03 लाख / रू 12.71 लाख
		संपत्ति क्रमांक 5) प्लांट एवं मशीनरी - खसरा नं 195/13-14, 247/2, 250/2-3-5, 256 (भाग), प.ह नं. 102/31, ग्राम - बाना, तेंदुआ रोड, प्राइम इस्पात के पास, आरएनएम- धरसीवा, मेसर्स जीसीसी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर संपत्ति, मालिकाना हक - श्री सुरेश कुमार गोयल। भौगोलिक निर्देशांक - 21.315703, 81.557021 *(संपत्ति क्रमांक 4 एवं 5 दोनों साथ में बेचीं जायेगी)		रू 57.96 लाख / रू 5.80 लाख
10	उधारकर्ता - मेसर्स राधा कृष्ण फ्यूल्स, प्रोप: श्री राकेश कुमार अग्रवाल पिता स्वर्गीय श्री प्रहलाद राय अग्रवाल व बंधककर्ता एवं जमानतदार- स्वर्गीय श्री प्रह्लाद राय अग्रवाल के कानूनी उत्तराधिकारी, शाखा- पेंड्रा, 610300, संपर्क: वसूली अधिकारी: श्री अविनाश तिग्गा, 9630007487	खसरा नं. 49/05, ग्राम: सकोला, तहसील: सकोला, पेंड्रा, जिला: गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (छ.ग.) में क्षेत्रफल: 9573 वर्ग फुट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्री राकेश अग्रवाल पिता स्वर्गीय प्रह्लाद अग्रवाल। सीमाएं :- उत्तर- हरि प्रसाद की भूमि, दक्षिण - पेंड्रा मरवाही रोड , पूर्व - राधा कृष्ण फ्यूल्स- पश्चिम - उधारकर्ता राकेश कुमार की भूमि, भौगोलिक निर्देशांक: 22.816357,82.069253	1) 06-07-2023 2) रू 91,36,219.39 + ब्याज प्रभावी 3) 08-10-25 को सांकेतिक कब्जा	रू 43.00 लाख / रू 4.30 लाख
11	उधारकर्ता- मेसर्स जय माता दी राइस प्रोडक्ट्स, प्रोप: श्री योगेश्वर साहू पिता श्री इंदरमल साहू, जमानतदार/बंधककर्ता: श्री जादुराम साहू पिता श्री इंदरमल साहू, शाखा- नैला चांपा, संपर्क: वसूली अधिकारी: श्री सार्थक उपाध्याय, 9981790493	संपत्ति क्रमांक 1) भूमि एवं भवन - खसरा नं 1659/1, चांपा से नवागढ़ रोड, ग्राम-पिसोड, तहसील-बलोदा, जिला-जांजगीर चांपा (छ.ग.) में प्लॉट का क्षेत्रफल 10464.00 वर्ग फुट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्री योगेश्वर साहू एवं श्री जदुराम साहू। सीमाएँ: उत्तर: दिनेश साहू, दक्षिण: माँ अन्नपूर्णा राइस मिल्स, पूर्व: रामफल की भूमि, पश्चिम: चांपा से नवागढ़ रोड। भौगोलिक निर्देशांक - 21.9867472, 82.634441,	1) 07.06.2016 2) रू 1,13,58,598.14 + दिनांक 30.06.2025 से ब्याज प्रभावी 3) भौतिक कब्जा	संपत्ति- 1 के लिए: रू 52.16 लाख / रू 5.21 लाख
		संपत्ति क्रमांक 2) प्लॉट - खसरा नं 1655/5, जय माँ अन्नपूर्णा राइस मिल के पीछे, नवागढ़ रोड, ग्राम- पिसोड, तहसील-बलोदा, जिला-जांजगीर चांपा (छ.ग.) में प्लॉट का क्षेत्रफल - 8720.00 वर्ग फुट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्री योगेश्वर साहू एवं श्री जदुराम। सीमाएँ: उत्तर: रामपाल की भूमि, दक्षिण: दादू राम की भूमि, पूर्व: विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम: स्वयं का प्लॉट। भौगोलिक निर्देशांक - 21.986502, 82.635081,		संपत्ति- 2 के लिए: रू 5.10 लाख / रू 0.51 लाख
		संपत्ति क्रमांक 3) प्लॉट - खसरा नं 1655/3, जय माँ अन्नपूर्णा राइस मिल के पीछे, नवागढ़ रोड, ग्राम-पिसोड, तहसील - बलौदा, जिला- जांजगीर चांपा (छ.ग.) में प्लॉट का क्षेत्रफल - 10900.00 वर्ग फुट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्री योगेश्वर साहू एवं श्री जादुराम। सीमाएँ: उत्तर: जय माँ अन्नपूर्णा राइस मिल, दक्षिण: बुधराम की भूमि, पूर्व: रामपाल की भूमि, पश्चिम: कुशल एवं दादूराम की भूमि। भौगोलिक निर्देशांक - 21.986502, 82.635081		संपत्ति-3 के लिए: रू 6.37 लाख / रू 0.63 लाख
12	उधारकर्ता-1) मेसर्स माँ शारदा ट्रेडर्स, प्रोप: श्रीमती मधु अग्रवाल, उधारकर्ता-2) मेसर्स शारदा ट्रेडर्स, प्रोप: श्री श्रवण कुमार अग्रवाल, उधारकर्ता-3) मेसर्स राधा कृष्ण फ्यूल्स, प्रोप: श्री राकेश कुमार अग्रवाल उधारकर्ता-4) श्रवण कुमार अग्रवाल पिता स्वर्गीय प्रहलाद राय अग्रवाल । शाखा- पेंड्रा, 610300, संपर्क: वसूली अधिकारी: श्री अविनाश तिग्गा, 9630007487	खसरा नं 2354/11, क्षेत्र - 0.20 एकड़ व उस पर निर्मित मकान, पेंड्रा, जिला: गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (छ.ग) पिन- 495119 पर स्थित परिवर्तित संपत्ति, मालिकाना हक- श्रीमती शारदा देवी अग्रवाल पति स्वर्गीय प्रह्लाद राय अग्रवाल क़ानूनी उत्तराधिकारी के माध्यम से । सीमाएं :- उत्तर - प्रह्लाद राय अग्रवाल का मकान, दक्षिण - संजय अग्रवाल की भूमि, पूर्व- पेंड्रा मरवाही रोड, पश्चिम- शंकर अग्रवाल की भूमि. भौगोलिक निर्देशांक: 22.7749433, 81.9652483. *नोट: यह संपत्ति निम्नलिखित सभी उधार खातों में बंधक है: 1) मेसर्स माँ शारदा ट्रेडर्स, प्रोप: श्रीमती मधु अग्रवाल - बकाया राशि ₹ 81,89,824.61 तथा उस पर दिनांक 23-05-2023 के 13(2) नोटिस के अनुसार देय व ब्याज एवं अन्य शुल्क। 2) मेसर्स शारदा ट्रेडर्स, प्रोप: श्री श्रवण कुमार अग्रवाल- बकाया राशि ₹ 39,63,996.17 तथा उस पर दिनांक 25-01-2023 के 13(2) नोटिस के अनुसार देय व ब्याज एवं अन्य शुल्क। 3) मेसर्स राधा कृष्ण फ्यूल्स, प्रोप: श्री राकेश कुमार अग्रवाल- बकाया राशि ₹ 91,36,219.36 तथा उस पर दिनांक 06-07-2023 कके 13(2) नोटिस के अनुसार देय व ब्याज एवं अन्य शुल्क। 4) श्री श्रवण कुमार अग्रवाल पिता स्वर्गीय प्रहलाद राय अग्रवाल- बकाया राशि ₹ 93,22,440.92 तथा उस पर दिनांक 31-12-2022 के 13(2) नोटिस के अनुसार देय व ब्याज एवं अन्य शुल्क।*	उधारकर्ता-1) 13(2) तिथि - 23-05-2023 एवं बकाया राशि ₹ 81,89,824.61 तथा उस पर ब्याज व अन्य शुल्क, उधारकर्ता-2) 13(2) तिथि 25-01-2023 एवं बकाया राशि ₹ 39,63,996.17 तथा उस पर ब्याज व अन्य शुल्क, उधारकर्ता-3) 13(2) तिथि 06-07-2023 एवं बकाया राशि ₹ 91,36,219.36 तथा उस पर ब्याज व अन्य शुल्क, उधारकर्ता-4) 13(2) तिथि 31-12-2022 एवं बकाया राशि ₹ 93,22,440.92 तथा उस पर ब्याज व अन्य शुल्क, सभी उधारकर्ताओं के लिए - 08-10-25 को सांकेतिक कब्जा	रू 300.00 लाख / रू 30.00 लाख

अधिक विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें : श्री कलिन्द्र साहू- 9412956480, श्री संजय कुमार बिस्वाल- 9437666379 - एआरएमबी, रायपुर, दूरभाष क्र. - 0771-2210433/35

नोट:- 1) कृपया अमानत राशि जमा करने से पूर्व प्रॉपर्टी से जुड़े सभी दस्तावेजों की पड़ताल सुनिश्चित करें
2) उपरोक्त सभी अचल संपत्तियों से संबंधित सभी सरकारी कार्यालयों का लंबित बकाया (संपत्ति, पानी, बिजली आदि) खर्च क्रेता द्वारा वहन किया जाएगा

महत्वपूर्ण नोट:- 1. नीलामी बिक्री "ई-नीलामी" पोर्टल **https://baanknet.com** के माध्यम से ऑनलाइन होगी. **2.** इच्छुक बोलीदाताओं/खरीदारों से अनुरोध है कि वे अपने मोबाइल नंबर और ईमेल-आईडी का उपयोग करके पोर्टल **(https://baanknet.com)** पर पंजीकरण करें। इसके अलावा, उनसे अपेक्षित केवाईसी दस्तावेज़ अपलोड करने का अनुरोध किया जाता है। एक बार जब केवाईसी दस्तावेज़ ई-नीलामी सेवा प्रदाता द्वारा सत्यापित हो जाते हैं (जिसमे 2 कार्य दिवस लग सकते हैं), इच्छुक बोलीदाताओं/खरीदारों को **संख्या क्र. 1 से 08 के लिए ई-नीलामी तिथि- 17/03/2026 एवं संख्या क्र. 09 से 12 के लिए ई-नीलामी तिथि- 27/03/2026 व समय सुबह 11.00 बजे** से पहले पोर्टल पर अपने ग्लोबल ईएमडी वॉलेट में ऑनलाइन मोड का उपयोग करके ईएमडी राशि हस्तांतरित करनी होगी। पंजीकरण, केवाईसी दस्तावेजों का सत्यापन और वॉलेट में ईएमडी का हस्तांतरण नीलामी की तारीख से पहले ही पूरा किया जाना चाहिए। नियम और शर्तें- बिक्री सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 में निर्धारित नियमों व शर्तों और निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी:- **1.** संपत्तियों को **"जैसा है जहां है" और "जैसा है जो है" और "जो कुछ भी है"** के आधार पर बेचा जा रहा है। **2.** यहां ऊपर अनुसूची में निर्दिष्ट सुरक्षित संपत्तियों का विवरण प्राधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार बताया गया है, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी इस उद्घोषणा में किसी भी त्रुटि, गलत विवरण या चूक के लिए जवाबदेह नहीं होगा। **3.** संपत्ति की बिक्री **संख्या क्र. 1 से 08 के लिए ई-नीलामी तिथि- 17/03/2026 एवं संख्या क्र. 09 से 12 के लिए ई-नीलामी तिथि- 27/03/2026 व समय सुबह 11.00 बजे वेबसाइट https://baanknet.com** पर उपलब्ध ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी द्वारा की जाएगी। बिक्री के विस्तृत नियम और शर्तों के लिए, कृपया **https://baanknet.com** एवं **www.pnbindia.in** देखें .इस नीलामी के अंग्रेजी में जानकारी के लिए Times of India दिनांक 24.02.2026 में प्रकाशित समाचार पत्र देखें। किसी भी विवाद की स्थिति में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

नोट:- इच्छुक बोलीकर्ता को यूजर आई-डी व पासवर्ड स्वंय बानाना हैं। जिसे बनाने में न्युनतम 2 दिन का समय लगता हं। अतः बोलीकर्ता से निवेदन हं कि यूजर आई-डी अंतिम तिथी से पूर्व ही बना ले।

दिनांक: 24.02.2026, स्थान: रायपुर — प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक, सुरक्षित लेनदार

3 मार्च को लगेगा साल का पहला चंद्रग्रहण, भारत में देगा दिखाई

नई दिल्ली। साल 2026 का पहला चंद्रग्रहण जल्द ही मार्च के महीने में लगने जा रहा है। यह ग्रहण फाल्गुन पूर्णिमा तिथि के दिन लगेगा।।साल का पहला चंद्रग्रहण भारत में भी दिखाई देगा। यह चंद्रग्रहण 3 मार्च को लगने जा रहा है। तीन मार्च को साल 2026 का पहला चंद्रग्रहण लगेगा। यह एक पूर्ण चंद्रग्रहण होगा, जिसे पूरे एशिया और ऑस्ट्रेलिया में देखा जा सकता है। साथ ही पैसिफिक द्वीपों और उत्तरी व दक्षिणी अमेरिका में भी यह दिखेगा। भारतीय समयानुसार, यह चंद्रग्रहण दोपहर 3.20 बजे से लेकर शाम 06.47 बजे तक रहेगा। लंबी अवधि के कारण ग्रहण अलग-अलग टाइम जोन में दिखेगा। पूर्ण चंद्रग्रहण के दौरान चांद नारंगी रंग का दिख सकता है। इस घटना को ब्लड मून कहा जाता है। पृथ्वी के वातावरण द्वारा सूरज की रोशनी को चांद पर बिखरने की वजह से ऐसा होता है।

कब और क्यों लगता है चंद्रग्रहण?

पृथ्वी सूर्य का चक्कर लगाती है। चंद्रमा एक उपग्रह है, जो धरती की परिक्रमा करता है। इस दौरान जब सूर्य और चंद्रमा के बीच पृथ्वी आ जाती है, तो सूर्य की रोशनी चंद्रमा तक नहीं पहुंच पाती है। इससे धरती की छाया चंद्रमा पर पड़ती है। इस खगोलीय घटना को चंद्र ग्रहण कहा जाता है। पूर्णिमा के दिन यह खगोलीय घटना होती है। हिन्दू पंचांग के मुताबिक, प्रत्येक महीने के शुक्ल पक्ष की अंतिम तिथि को पूर्णिमा पड़ती है।

कितने तरह के होते हैं चंद्रग्रहण?

चंद्रग्रहण तीन प्रकार के होते हैं। यह इस पर निर्भर है कि सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा एक सीध में किस तरह हैं। आंशिक चंद्रग्रहण, पूर्ण चंद्र ग्रहण और उपछाया चंद्रग्रहण होता है। पूर्ण चंद्रग्रहण तब लगता है, जब पूरे चंद्रमा की सतह पर धरती की छाया पड़ती है। आंशिक चंद्रग्रहण के दौरान सिर्फ चांद का एक भाग पृथ्वी की छाया में प्रवेश करता है। चंद्रमा के धरती की तरफ वाले हिस्से पर धरती की छाया काली दिखाई देती है।

भारत में कब और कितने समय के लिए दिखेगा चंद्रग्रहण?

भारत में चंद्रग्रहण की कुल अवधि 25 मिनट की होगी। दरअसल, भारतीय समय के मुताबिक, 3 बजकर 20 मिनट पर ग्रहण शुरू हो जाएगा और शाम में 6 बजकर 47 मिनट पर समाप्त हो जाएगा। दिल्ली में चंद्रोदय शाम में 6 बजकर 22 मिनट पर होगा, जिसके बाद ही ग्रहण भारत के शहरों में दिखाई देगा। ऐसे में भारत में चंद्रग्रहण की कुल अवधि 25 मिनट की ही रहेगी। बता दें कि भारत के अन्य शहरों में चंद्रोदय के समय के मुताबिक, ग्रहण दिखने की अवधि अलग-अलग हो सकती है।

रोचक खबरें

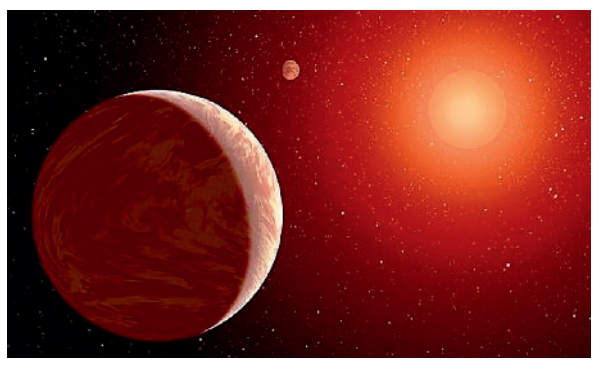

जहां गैस होनी चाहिए थी, वहां मिला पत्थरों का संसार

वॉशिंगटन। अब तक खगोल वैज्ञानिकों का मानना था कि ज्यादातर ग्रह प्रणालियां एक तय पैटर्न को फॉलो करती हैं। छोटे और पथरीले ग्रह अपने तारे के पास होते हैं, जबकि बड़े गैस वाले ग्रह उससे काफी दूर घूमते हैं। हमारा सौर मंडल भी इसी नियम पर फिट बैठता है। लेकिन, हाल ही में रेड ड्वार्फ तारे एलएचएस 1903 के आसपास एक ऐसी खोज हुई है, जिसने इस समझ को चुनौती दे दी है। वैज्ञानिकों ने यहां एक पथरीला ग्रह खोजा है, जो सिस्टम के सबसे बाहरी हिस्से में मौजूद है। आम तौर पर इतनी दूरी पर गैस से भरे बड़े ग्रह मिलने की उम्मीद की जाती है। शुरुआत में रिसर्चर्स ने एलएचएस 1903 के आसपास तीन ग्रहों की पहचान की। यह तारा हमारे सूरज से छोटा और ठंडा है। रेड ड्वार्फ तारे हमारी आकाशगंगा में बहुत आम हैं और इनके आसपास घूमते ग्रहों को ढूंढना आसान होता है। पहले तीन ग्रहों की व्यवस्था बिल्कुल सामान्य लगी। तारे के पास एक पथरीला ग्रह और उससे दूर दो गैस से भरपूर ग्रह, जो मिनी-नेप्च्यून जैसे थे। यह वही मॉडल था, जिसे वैज्ञानिक वर्षों से मानते आ रहे थे। इस सिद्धांत के अनुसार, जब कोई तारा बनता है तो उसके चारों ओर गैस और धूल की एक डिस्क बनती है, जिसे प्रोटोप्लानेटरी डिस्क कहा जाता है।

6 लाख मील का सफर और 52 साल का इंतजार, चांद की ओर बढ़ेंगे चार जांबाज

वॉशिंगटन। नासा 6 मार्च को आर्टेमिस II मिशन के तहत चार अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा के चारों ओर भेजने की तैयारी में है। यह पहला मानवयुक्त मिशन होगा जो 1972 के अपोलो मिशन के बाद चंद्रमा के पास जाएगा। नासा 6 मार्च को चंद्रमा की ओर चार अंतरिक्षयात्रियों को भेजने की तैयारी कर रहा है। ये मिशन आर्टेमिस II के तहत होगा और इसे लेकर नासा काफी उत्साहित है। फ्लोरिडा स्थित केनेडी स्पेस सेंटर में नासा की बड़ी रॉकेट अब लॉन्च पैड पर तैयार है। इस रॉकेट की ऊंचाई 322 फीट है और इसे सफलतापूर्वक ईंधन भरने के बाद लॉन्च की संभावित डेट 6 मार्च तय की गई है।

तैयार है नासा

नासा की कार्यकारी निदेशक लॉरी ग्लेज ने कहा कि मिशन की तैयारी अब गंभीर हो गई है और सभी को उत्साहित होने का समय आ गया है। हालांकि, उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अभी कुछ काम बाकी हैं। लॉन्च पैड पर अंतिम तैयारियों और सुरक्षा जांच के लिए कई दिन की फ्लाइट रीडिनेस रिव्यू करनी होगी. ये सुनिश्चित करेगा कि मिशन का हर पहलू पूरी तरह से तैयार है और कोई खतरा नहीं है।

6 मार्च को नासा रचेगा इतिहास...

क्या है ये मिशन?

आर्टेमिस II मिशन में चार अंतरिक्षयात्री लगभग 6,00,000 मील की यात्रा करेंगे. इस मिशन में एस्ट्रोनॉट चंद्रमा के चारों ओर चक्कर लगाएंगे और फिर वापस पृथ्वी लौट आएंगे। यह मिशन खास है क्योंकि यह 1972 के अंतिम अपोलो मिशन के बाद मानव द्वारा चंद्रमा की ओर पहला यात्रा है। एस्ट्रोनॉट्स को इस यात्रा से पहले संक्रमण और बीमारियों से बचाने के लिए लगभग दो सप्ताह का क्वारंटीन रखा गया है।

पहले से कर लिया है अभ्यास

पिछले परीक्षण में नासा ने रॉकेट में ईंधन भरने का अभ्यास किया था। उस दौरान लिक्विड हाइड्रोजन में रिसाव जैसी समस्याएं आई थी। हालांकि, कुछ सील बदलने और अन्य कार्यों के बाद ये समस्याएं हल कर दी गई हैं।हालिया काउंटडाउन प्रैक्टिस भी सफल रहा है, हालांकि लॉन्च कंट्रोल सेंटर में ग्राउंड कम्युनिकेशन में थोड़ी बाधा आई थी, जिसे बैकअप का उपयोग कर संभाला गया था। आर्टेमिस II के एस्ट्रोनॉट्स में नासा के रीड विसमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टिना कोच और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी के जेरमी हैंसन शामिल हैं।सभी अंतरिक्षयात्री मिशन के लिए काफी उत्साहित हैं और तैयारी के दौरान उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों और यात्रा की रोमांचक संभावनाओं पर चर्चा की है। नासा अधिकारियों के मुताबिक, 6 मार्च के संभावित लॉन्च को लेकर सभी निगरानी और सुरक्षा तैयारी पूरी तरह से सुनिश्चित की जा रही है।

दुल्हन पर फूलों की जगह हुई करोड़ों रुपए की बारिश

नई दिल्ली। सोचिए, डीजे की धुन बज रही हो, लाइट्स चमक रही हों, दूल्हा दुल्हन स्टेज पर मुस्कुरा रहे हों और तभी आसमान से फूल नहीं, बल्कि नोटों की बारिश शुरू हो जाए। जी हां, ऐसा मंजर जिसने वहां मौजूद लोगों को भी हैरान कर दिया और इंटरनेट पर तो जैसे तहलका ही मच गया। यह सिर्फ एक शादी का जश्न नहीं था, बल्कि शानो-शौकत की ऐसी नुमाइश थी, जिसे देखकर हर कोई एक ही सवाल पूछ रहा है कि...क्या सच में इतने पैसे उड़ा दिए गए? इन दिनों एक पंजाबी शादी का वीडियो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। वीडियो में देखा जा सकता है कि दूल्हा दुल्हन मंच पर खड़े हैं और उनके ऊपर नोटों की गड्डियां उड़ाई जा रही हैं। दावा किया जा रहा है कि करीब 8.5 करोड़ रुपए कैश दुल्हन पर बरसाया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह भव्य पंजाबी शादी लुधियाना से जुड़ी बताई जा रही है। मेहमान और परिवार के लोग बोरियों में नोट भरकर लाते हैं और दुल्हन पर बरसा देते हैं। पूरा डांस फ्लोर रुपयों से ढक जाता है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि दूल्हा भी खुद गड्डियां उठाकर दुल्हन पर उड़ा रहा है। शादी का यह अंदाज कई लोगों के लिए हैरत भरा रहा। अब यही वजह है कि, यह वीडियो तेजी से शेयर किया जा रहा है। हालांकि, 8.5 करोड़ रुपए उड़ाने के दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन वीडियो ने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। कुछ यूजर्स ने लिखा कि इतने पैसों में कई गरीब बेटियों की शादी हो सकती थी। वहीं कुछ ने कहा कि, पैसा दान करना बेहतर होता। जबकि कई लोगों ने इसे पंजाबी शादी और शानो शौकत का हिस्सा बताया। शादी यादगार बनानी चाहिए, लेकिन कैसे और कितनी शिद्दत से, यह सोचने वाली बात है।

डायनासोर के सात करोड़ साल पुराने अंडे की खोज, अंदर हो सकता है बच्चा

ब्यूनस आयर्स। साउथ अमेरिका में डायनासोर का एक फॉसिल वाला अंडा मिला है। इस खोज ने डायनासोर की जिंदगी के बारे में समझ बेहतर होने की वैज्ञानिकों की उम्मीदों को बढ़ा दिया है। साइंटिस्ट इसे एक बड़ी खोज बता रहे हैं। यह अंडा करीब 70 मिलियन साल (7 करोड़) पुराना माना जा रहा है, लेकिन इसे बहुत अच्छी तरह संभालकर रखा गया है और इसमें बच्चा हो सकता है। इस अंडे पर रिसर्च से पता चल सकता है कि डायनासोर कैसे पले-बढ़े थे। यह अहम खोज अर्जेंटीना के नेचुरल साइंसेज म्यूजियम में वर्टीब्रेट के कम्पेरेटिव एनाटॉमी और इवोल्यूशन की लेबोरेटरी ने की है। पैलियोन्टोलॉजिस्ट फेडेरिको एग्नोलिन और उनके साथी मैटियास मोट्टा का मानना है कि यह साउथ अमेरिका में मिला मांसाहारी डायनासोर का पहला पूरा अंडा है। इससे लेट क्रेटेशियस पीरियड के दौरान घोंसले बनाने के तरीके, एमब्रियो के विकास और प्रजनन की दुर्लभ जानकारी मिल सकती है।

वैज्ञानिकों में दौड़ी खुशी की लहर

क्यों दिलचस्प है ये खोज

डिस्कवर मैगजीन ने बताया है कि मांसाहारी डायनासोर के फॉसिल अंडे बहुत कम मिलते हैं। यही बात इसे खासतौर पर दिलचस्प बनाती है। यह अंडा आज के पतक्षियों के जैसा अंडाकार ना कि लंबी गर्दन वाले सॉरोपोड के गोल मोटे शेल जैसा है। इसका आकार और शेल पर अजीब निशान बताते हैं कि यह किसी ऐसी प्रजाति का हो सकता है जिसे हमने पहले नहीं देखा है। रिसर्च टीम को शुरू में लगा कि यह बोनापार्टेनिकस हो सकता है, जो एक छोटा लोकल थेरोपोड है लेकिन अब ऐसा होना मुश्किल लगता है। एग्नोलिन और उनके साथ काम करने वालों का मानना है कि यह एक अलग तरह का मांसाहारी डायनासोर हो सकता है।

स्कैन से पता चलेंगी चीजें

अंडे के स्कैन से पता चल सकता है कि अंदर कोई एमब्रियोनिक स्केलेटन है या नहीं। भले ही एमब्रियो पूरा न हो फिर भी यह उसके पोस्चर, ग्रोथ या उसके सांस लेने के सिस्टम के काम करने के तरीके का पता लगा सकता है। डायनासोर एमब्रियो दुनिया में कहीं भी बहुत कम मिलते हैं। अर्जेंटीना में भी पहले सिर्फ सॉरोपॉड एमब्रियो मिले हैं। इस एमब्रियो के अंदर अगर मांसाहारी एमब्रियो है तो इन शिकारियों के बारे में और जानने का यह एक बड़ा मौका होगा, जब वे अभी भी डेवलप हो रहे होंगे। डायनासोर के घोंसले बनाने के सबूत दिखाते हैं कि वे बच्चों को कैसे पालते थे। अंडे के पास से रोकासॉरस मुनियोजी के फॉसिल भी मिले हैं। इससे मांसाहारी डायनासोर के रिप्रोडक्टिव व्यवहार पर रोशनी पड़ सकती है।

मौत से ठीक पहले हर मरीज बोलता है ये 9 शब्द, नर्स का सनसनीखेज खुलासा

न्यूयार्क। अमेरिका में फ्लोरिडा की रहने वाली 29 वर्षीय नर्स किर्स्टी रॉबर्ट्स ने पिछले 4 सालों में अनगिनत लोगों को अपनी आंखों के सामने दम तोड़ते देखा है। किर्स्टी का दावा है कि मौत की आगोश में समाने से ठीक पहले हर इंसान के व्यवहार में एक ऐसा 'आध्यात्मिक बदलाव' आता है, जिसे आज तक चिकित्सा विज्ञान भी नहीं समझा पाया है। उन्होंने एक सोशल मीडिया वीडियो के जरिए उन शब्दों का खुलासा किया है, जो लगभग हर मरीज अपने आखिरी वक्त में बोलता है और ये शब्द किसी को भी अंदर तक झकझोर सकते हैं। किर्स्टी के अनुसार, अस्पताल में भर्ती मरीज की हालत चाहे कैसी भी हो, उसके वाइटल्स स्थिर हों या डॉक्टर उसे खतरे से बाहर बता रहे हों, लेकिन मरीज को खुद अपनी मौत का पूर्वाभास हो जाता है। उन्होंने बताया कि मरने वाला हर व्यक्ति लगभग एक ही बात कहता है, कृपया मेरे परिवार को बताना कि मैं उनसे प्यार करता हूं, मुझे अच्छा महसूस नहीं हो रहा है और मुझे पता है कि मैं मरने वाला हूं। चौंकाने वाली बात यह है कि जैसे ही कोई मरीज ये शब्द बोलता है, उसके कुछ ही समय बाद उसकी मौत हो जाती है।

किर्स्टी कहती हैं कि यह एक ऐसी स्थिति है, जहां दवाइयां और टेस्ट फेल हो जाते हैं, क्योंकि आत्मा को शायद विदाई का संकेत पहले ही मिल चुका होता है।

वे बताती हैं कि उन्होंने चार साल के करियर में कई बार देखा है कि मरीज के शरीर के सभी पैरामीटर्स बिल्कुल सामान्य होते हैं, कुछ भी ऐसा नहीं होता जो जानलेवा दिखे, लेकिन अचानक वह शिफ्ट होता है, जिसे शब्दों में बयान करना मुश्किल है।

8.5 अरब लाइट ईयर दूर नासा के वैज्ञानिकों को मिली अजीब गैलेक्सी

वॉशिंगटन। नासा के वैज्ञानिकों ने ब्रह्मांड से बहुत दूर एक बेहद अनोखी गैलेक्सी की खोज की है। ये खोज नासा के शक्तिशाली अंतरिक्ष टेलीस्कोप की मदद से की गई है।

ये आकाशगंगा धरती से करीब 8.5 अरब लाइट ईयर दूर स्थित है। इस तरह की आकाशगंगाओं को वैज्ञानिक जेलीफिश गैलेक्सी कहते हैं। इसका नाम समुद्र में पाई जाने वाली जेलीफिश से मिलता-जुलता होने के कारण रखा गया है। इस खोज से ये समझने में मदद मिल सकती है कि ब्रह्मांड के शुरुआती दौर में आकाशगंगाएं कैसे बन रही थीं और कैसे बदल रही थीं।

वैज्ञानिकों का कहना है कि इतनी पुरानी अवस्था में इस तरह की बनावट मिलना पहले की सोच से बिल्कुल अलग है। यह खोज अंतरिक्ष विज्ञान के लिए काफी जरूरी मानी जा रही है। इस रिसर्च से जुड़े वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इसके मदद से आकाशगंगाओं के विकास की कहानी को नए सिरे से समझा जा सकता है।

कॉस्मोस डीप फील्ड को ही क्यों चुना जाता है?

ये इलाका खोज के लिए इसलिए चुना जाता है, क्योंकि वहां हमारी आकाशगंगा यानी मिल्की वे की रोशनी बहुत कम बाधा डालती है। इसी वजह से वैज्ञानिक बहुत दूर की वस्तुओं को साफ देख पाते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार यह आकाशगंगा हमें उस समय की दिखाई दे रही है, जब बिग बैंग को हुए करीब 5.3 अरब साल गुजर चुके थे।

इस गैलेक्सी को क्यों कहते हैं जेलीफिश?

इस गैलेक्सी की सबसे खास बात इसके पीछे लटकती हुई गैस की लंबी धाराएं हैं। यही धाराएं इसे जेलीफिश जैसी बनाती हैं। वैज्ञानिक बताते हैं कि यह गैस एक खास प्रक्रिया के कारण बाहर निकलती है। जब कोई आकाशगंगा किसी बड़े समूह के अंदर बहुत तेज गति से चलती है, तो वहां मौजूद तेज दबाव और गैस की हवा उसके अंदर की गैस को बाहर धकेल देती है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com